जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

# राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, रविवार 19 जुलाई, 2026

KEDIA™ Pavitra

आग्रह के विरुद्ध आन्दोलन

# पहले सरसों के तेल की झाँझ से आँखों में आँसू आ जाते थे... अब क्यों नहीं ?

## आखिर बदला क्या है... सरसों का तेल या हमारी नाक ?

नानी-दादी के ज़माने की वही 0.36 की तेज़ प्राकृतिक झाँझ अब केडिया पवित्र कच्ची घानी सरसों के तेल में !

कच्ची घानी सरसों तेल

ट्रिपल फ़िल्टर्ड मूंगफली तेल

कोल्ड प्रेस्ड

पहली धार से निर्मित उच्च गुणवत्ता वाला कच्ची घानी तेल

तेज झांझ (0.36 झांझ)

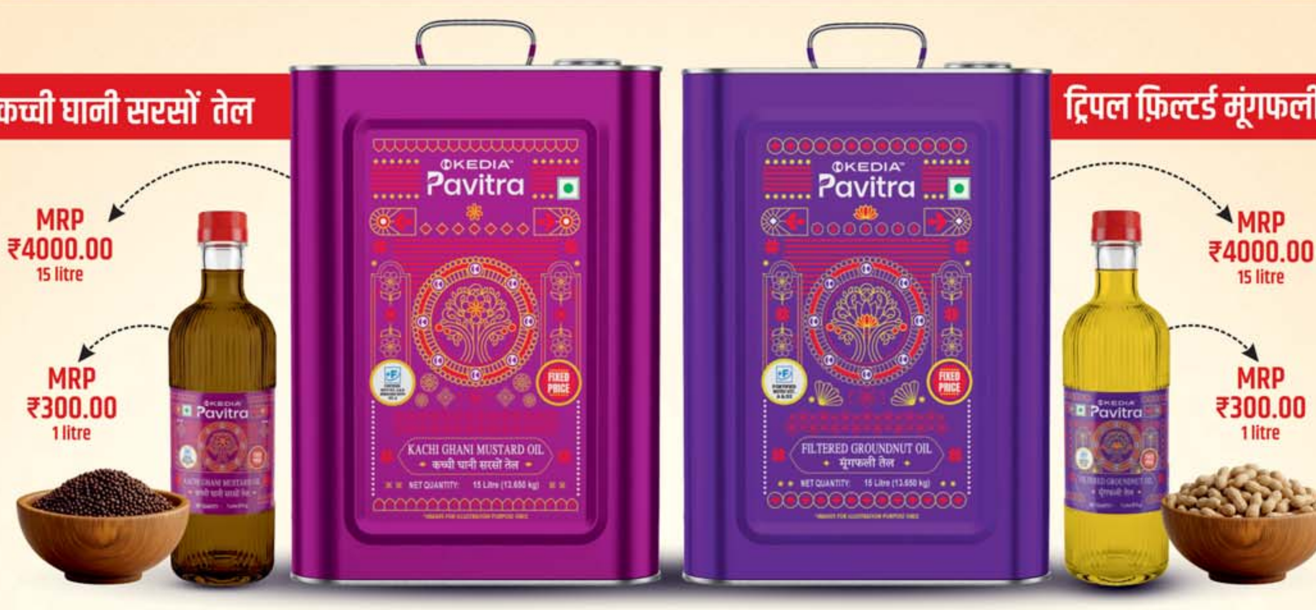


ट्रिपल फिल्टर्ड

सोर्टेक्स क्लीन मूंगफली दानों से निर्मित

Low FFA (0.50 से कम)

प्रोडक्ट्स केटेगरी

आटा | गेहूँ | दाल | चावल | खड़े, पीसे एवं ब्लेंडेड मसाले | ड्राई फ्रूट्स | कुकिंग ऑयल | चाय | पोहा | मिश्री | गुड़ | हींग | मसाला सत्तू | सेंधा नमक सहित कम्प्लीट किचन बास्केट

कॉल लगाओ, गाड़ी बुलाओ

1800 120 2727

अपने नजदीकी रिटेलर और Zepto पर उपलब्ध !

ORDER ON WEBSITE | ORDER ON WHATSAPP | ORDER ON APP | ORDER ON ZEPTO

T&C Apply* MRP ₹ Incl. of all taxes

KEDIA सेजस्थान — अजमेर रोड, जयपुर

www.rera.rajasthan.gov.in
RERA No. RAJ/P/2023/2387

**अजमेर रोड पर अन्य प्रोजेक्ट**

- आधा नॉन-ब्राण्डेड कंस्ट्रक्शन मटेरियल
- पजेशन - 2030
- रेट - ₹9,000/Sq. Ft.

VS

**अजमेर रोड पर केडिया सेजस्थान**

- A to Z ब्राण्डेड कंस्ट्रक्शन मटेरियल
- पजेशन - शुरु
- रेट - ₹4,200/Sq. Ft.

# फैसला आपका

# "मंडी" जैसे दाम... लक्जरी आपके नाम

₹4200/- Sq ft में फ्लैट ! | लक्जरी की कीमत | ₹5400/- Sq ft में कोठी !

FIXED PRICE

| PRODUCT TYPE | UNIT TYPE | SIZE | PRESENT RATE | 31 JULY 2026 | 31 AUG. 2026 | 30 SEPT. 2026 | 31 OCT. 2026 | 30 NOV. 2026 | 30 DEC. 2026 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| WALK-UP APARTMENT | 2 BHK (GF) | 1350 Sq Ft | 68 Lacs | 70 Lacs | 72 Lacs | 74 Lacs | 76 Lacs | 78 Lacs | 80 Lacs |
| | 3 BHK (SF) | 1900 Sq Ft | 78 Lacs | 80 Lacs | 82 Lacs | 84 Lacs | 86 Lacs | 88 Lacs | 90 Lacs |
| | 3 BHK (FF) | 1900 Sq Ft | 85 Lacs | 87.5 Lacs | 90 Lacs | 92.5 Lacs | 95 Lacs | 97.5 Lacs | 1 Cr |
| KOTHI | 3 BHK BIG | 2000 Sq Ft | 1.10 Cr | 1.125 Cr | 1.15 Cr | 1.175 Cr | 1.20 Cr | 1.225 Cr | 1.25 Cr |
| | 4 BHK BIGGER | 2325 Sq Ft | 1.32 Cr | 1.35 Cr | 1.38 Cr | 1.41 Cr | 1.44 Cr | 1.47 Cr | 1.50 Cr |
| | 4 BHK BIGGEST | 3200 Sq Ft | 1.70 Cr | 1.75 Cr | 1.80 Cr | 1.85 Cr | 1.90 Cr | 1.95 Cr | 2 Cr |

NO MIDDLE MEN

KEDIA® | 1800-120-2323 | info@kedia.com www.kedia.com 78770-72737

SCAN QR FOR • LOCATION • ROUTE MAP • SITE 360 TOUR • E-BROCHURE • WALKTHROUGH

T&C Apply

## विचार बिन्दु

**आयु में आनंद है, समग्र शरीर के मंगल में, स्वास्थ्य में आनंद है। इसी आनंद का भाग करने पर दो वस्तुएं प्राप्त होती है, एक ज्ञान एवं दूसरा प्रेम।**

**–टैगोर**

# व्याधिक्षमत्व क्या है?

लगभग 5000 वर्ष पूर्व की बात है। भगवान आत्रेय के शिष्य अग्निवेश ने अपने गुरु से एक प्रश्न किया: भगवन! देखने में आता है कि हितकारी आहार का उपयोग करते हुये भी कुछ लोग रोगी हो जाते हैं, जबकि अहितकारी आहार लेते हुये भी कुछ लोग निरोगी देखे जाते हैं। ऐसी स्थिति में क्या अच्छा है और क्या बुरा इसकी पहचान कैसे की जाये? इस प्रश्न का जो उत्तर आत्रेय ने दिया, वह आज भी यथावत विज्ञान-संगत है। आत्रेय का उत्तर था:– अग्निवेश! हितकारी आहार करने वाले लोगों में आहार के कारण होने वाले रोग उत्पन्न नहीं होते और हितकारी आहार लेने मात्र से समस्त रोगों का भय दूर नहीं हो जाता। हानिकारक भोजन के अलावा भी रोगों के तमाम कारण, जैसे ऋतुओं का विपरीत होना, प्रज्ञापराध या जानबूझकर गलती करना, शब्द, स्पर्श, रूप, रस, गंध का अतियोग, मिथ्या योग एवं विषम योग आदि ऐसे कारण हैं जो उचित भोजन लेने के बावजूद भी मनुष्य को बीमार कर देते हैं। इसीलिये हितकारी आहार लेने वाले रोगी हो जाते देखे जाते हैं। हानिकारक आहार का उपयोग करने वालों में पथ्य, आहार, व शरीर की स्थिति में भिन्नता होने से हानिकारक आहार तुरन्त हानि नहीं पहुंचा पाते। सभी अपथ्य बराबर दोष वाले नहीं होते, न ही सभी दोष बराबर बलवान होते, और न सभी शरीर व्याधिक्षमत्व या रोग प्रतिरोधक क्षमता से संपन्न होते (न च सर्वाणि शरीराणि व्याधिक्षमत्वे समर्थानि भवन्ति। च.सू.28.7)। इस बात में कोई संदेह नहीं है कि एक ही अपथ्य आहार जगह, समय, संयोग, वीर्य, व मात्रा की भिन्नता के कारण या ज्यादा खा लेने से और अधिक अपथ्य हो जाता है। वही दोष विविध कारणों से, विरुद्ध चिकित्सा वाला, धातुओं में पहुंचा हुआ, शरीर के प्राणायतनों में उत्पन्न, मर्म पर चोट करने वाला, अत्यंत कष्टदायी अतिशय जल्दी रोगों को उत्पन्न करने वाला होता है। अंत में आत्रेय यह भी बताते हैं कि मूल रूप से शरीर की बनावट भी नैसर्गिक व्याधिक्षमत्व पर प्रभाव डालती है। बहुत मोटे या बहुत दुबले लोग, रक्त, मांस, व अस्थियों के सुसंगठित न होने के कारण बेडौल शरीर वाले लोग, दुर्बल, अल्पसत्त्व या कमजोर मनोबल वाले लोगों में रोगों को सहने की क्षमता नहीं होती। जबकि इनके उलट लक्षणों वाले लोगों में रोगों को सहने की क्षमता होती है। इन अपथ्य आहारों, दोषों व शरीर की भिन्नता के कारण बीमारियाँ भी कम या ज्यादा, जल्दी या देर से उत्पन्न होती हैं।

अब आपको यह स्पष्ट हो गया होगा कि क्यों कुछ लोग प्राय: कभी बीमार नहीं पड़ते। ऐसे अनेक उदाहरण हैं जिनमें जीवन के अंतिम दिन तक लगभग सभी क्लिनिकल पैरामीटर्स सामान्य बने रहते हैं। जैसा कि आपने पूर्व में पढ़ा, वस्तुत: इस चमत्कार के पीछे कोई चमत्कार नहीं बल्कि व्याधिक्षमत्व है। प्राचीन भारत के महर्षि-वैज्ञानिक आचार्य चरक व्याधिक्षमत्व सिद्धांत-प्रिन्सिपल ऑफ़ इम्यूनिटी-के जनक माने जाते हैं।

जिस व्यक्ति का सहज (इनेट) या युक्तिकृत (डेराइव्ड) व्याधिक्षमत्व मज़बूत है वह मुश्किल से ही बीमार पड़ता है। यदि बीमार पड़ भी जाये तो बीमारी अपना बल मुश्किल से ही दिखा पाती है। व्याधिक्षमत्व में दो शब्द निहित हैं, व्याधि एवं क्षमत्व। व्याधि का तात्पर्य शरीर की धातुओं (रस, रक्त, मांस, मेदा, अस्थि, मज्जा, शुक्र) में विषमता उत्पन्न होना है। क्षमत्व से तात्पर्य इस विषमता को न होने देने की क्षमता है। मानसिक बीमारियों के सन्दर्भ में सत्त्व गुण जितना अधिक होगा, व्याधिक्षमत्व उतना ही बेहतर होगा। शरीर में सहज व्याधिक्षमत्व के सन्दर्भ में यह बात महत्वपूर्ण है कि शरीर में दुरुस्त मांसपेशियों, संरचना, स्वरुप व मज़बूत इन्द्रियों वाला व्यक्ति रोगों के बल से कभी प्रभावित नहीं होता। भूख, प्यास, ठंडी, गर्मी, व्यायाम को ठीक से सहन करने वाला, सम अग्नि वाला, बुढ़ापे की उम्र में ही बूढ़ा होने वाला, मांसपेशियों के सही चय वाला व्यक्ति ही स्वस्थ है (च.सू.21.18): सममांसप्रमाणस्तुसमसंहननोनर:। दृढेन्द्रियोविकाराणां न बलेनाभिभूयते।। क्षुत्पिपासातपसह: शीतव्यायामसंसह:। समपक्तासमजर: सममांसचयोमत:।।

आधुनिक वैज्ञानिक संदर्भ में व्याधिक्षमत्व को इम्यूनिटी कहा जाता है। यह प्रतिरक्षा तंत्र संक्रमण, बीमारी या अन्य अवांछित तत्वों के आक्रमण से बचने के लिये शरीर को सुरक्षा प्रदान करता है। किसी व्यक्ति में व्याधिक्षमत्व में कमी होने से शरीर इम्यूनो-कॉम्प्रोमाइज्ड स्थिति में आ जाता है। ऐसी स्थिति में शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता कम होने सेरोगजनन आसानी से होता है। इम्यूनिटी किसी व्यक्ति के शरीर में विशिष्ट एन्टीबॉडी या श्वेत रक्त कौशिकाओं की क्रिया से किसी विशेष संक्रमण, विषाक्त पदार्थ या हानिकारी जीवन-शैली से होने वाले रोगों का प्रतिरोध करने की क्षमता के रूप में समझा जाता है।

व्याधिक्षमत्व को परिभाषित करते हुये चरकसंहिता के दिग्गज टीकाकार आचार्य चक्रपाणि ने लगभग 900 साल पहले लिखा (च.सू. 28.7 पर चक्रपाणि): व्याधिक्षमत्वं व्याधिबलविरोधित्वं व्याध्युत्पादप्रतिबन्धकत्वमिति यावत्। तात्पर्य यह है कि व्याधिबल की विरोधिता व व्याधि की उत्पत्ति में प्रतिबंधक होना व्याधिक्षमत्व है। अभिप्राय यह है कि शरीर में उत्पन्न बीमारी केबल या तीक्ष्णता को रोकने और बीमारी की उत्पत्ति को रोकने वाली क्षमता को व्याधिक्षमत्व कहा जाता है।

**जिस व्यक्ति का सहज (इनेट) या युक्तिकृत (डेराइव्ड) व्याधिक्षमत्व मज़बूत है वह मुश्किल से ही बीमार पड़ता है। यदि बीमार पड़ भी जाये तो बीमारी अपना बल मुश्किल से ही दिखा पाती है। व्याधिक्षमत्व में दो शब्द निहित हैं, व्याधि एवं क्षमत्व। व्याधि का तात्पर्य शरीर की धातुओं (रस, रक्त, मांस, मेदा, अस्थि, मज्जा, शुक्र) में विषमता उत्पन्न होना है। क्षमत्व से तात्पर्य इस विषमता को न होने देने की क्षमता है।**

व्याधिक्षमत्व को बल, ओज और प्राकृत श्लेष्मा के रूप में भी जाना जाता है। बल वह शक्ति है जिसके द्वारा शरीर विभिन्न चेष्टाओं से कार्य संपन्न करता है। इस कार्योत्पादक शक्ति को व्यायाम-शक्ति से जाना देखा जाता है। बल के तीन प्रकार हैं (च.सू.11.36): त्रिविधंबलमिति- सहजं, कालजं, युक्तिकृतं च। सहजंयच्छरीरसत्त्वयो: प्राकृतं, कालकृतमृतुविभागजंवय: कृतं च, युक्तिकृतंपुनस्तद्यदाहारचेष्टायोगजम्। बल तीन प्रकार के होते हैं। सहज बल शरीर और मन पर आधारित होता है। उम्र के साथ शरीर की वृद्धि से प्राप्त बल को कालज बल कहा जाता है। खान-पान, जीवन-शैली और व्यायाम आदि की युक्ति से प्राप्त बल को युक्तिकृत बल कहा जाता है। रोग से रक्षा करने वाले को बल कहा जाता है। व्याधिक्षमत्व को ओज और ओज को बल के रूप में भी समझा जाता है (सु.सू.15.19) रसादीनांशुक्रान्तानांधातूनांयत्परंतेजस्तत्खल्वोजस्तदेवबलमित्युच्यतेस्वशास्त्रसिद्धान्तात्। रसादिक तथा शुक्रान्त धातुओं के उत्कृष्ट सार भाग को ओज कहते हैं तथा आयुर्वेद के अनुसार उसी का दूसरा नाम बल है। यही बल व्याधियों से शरीर की रक्षा करता है। यहाँ एक बात समझना आवश्यक है ओज और बल हालाँकि एक कहे गये हैं किन्तु ओज को कारण और बल को कार्य माना जाता है। ओज का रूप, रस और वर्ण होने से द्रव्य है जबकि बल इसका कार्य है। यहाँ व्याधिक्षमत्व के सन्दर्भ में बल (कार्य) और कारण (ओज) को एक मान लिया जाता है। इसी सन्दर्भ में प्राकृत कफ को बल या व्याधिक्षमत्व का कारण माना जाता है (च.सू.17.117): प्राकृतस्तुबलं श्लेष्मा विकृतो मल उच्यते। स चैवौज: स्मृत: काये स च पाप्मोपदिश्यते।। यही कारण है कि कफज प्रकृति में उत्तम बल, पित्तज प्रकृति के व्यक्तियों में मध्यम बल तथा वातज प्रकृति के व्यक्तियों में अवर बल होता है।

इस प्रकार व्याधिक्षमत्व का तात्पर्य व्याधि-बल का विरोध शरीरगत बल द्वारा किया जाता है। व्याधिक्षमत्व को प्रभावित करने वाले विभिन्न भावों को दशविधि रोगी परीक्षा के भावों में भी देखा जाता है। उदहारण के लिये व्यक्ति की मूल प्रकृति का बल से सीधा सम्बन्ध होता है। सबसे उत्तम सम प्रकृति (वात-पित्त-कफज) है, परन्तु किसी जनसंख्या में समप्रकृति वाले बहुत कम होते हैं। अत: व्यवहार में कफ प्रकृति वालों को बेहतर बल वाला माना जाता है। इसके साथ ही सार भी बल को प्रभावित करता है। सारयुक्त से तात्पर्य यह है कि व्यक्ति में साररूप धातुओं का नियमित निर्माण होता है। सार धातुओं के सम्यक प्रकार से उत्पन्न होते रहने पर शरीर में व्याधिक्षमत्व बढ़िया बना रहता है। जैसा कि पूर्व में चर्चा की गयी है, बल का मुख्य कारक ओज है जो सभी धातुओं का सार है। साररूप में यह सभी धातुओं में व्याप्त होकर धातुओं की रक्षा करता है। व्याधिक्षमत्व को प्रभावित करने वाले अन्य भावों में सात्म्य, सत्त्व, अग्नि, शारीरिक-शक्ति व वय हैं। अग्निबल को आहार करने की क्षमता से परखा जा सकता है। आहार-शक्ति (आहार की मात्रा) अग्निबल पर आश्रित है। यदि व्यक्ति की आहार शक्ति मज़बूत है तो भोजन का पाचन और धातुओं की पुष्टि यथोचित होने से शरीर मज़बूत रहता है। व्यायाम-शक्ति या शारीरिक रूप से श्रम करने की शक्ति भी बल का संकेतक है। व्यक्ति की वय या उम्र का भी बल से संबंध होता है। युवावस्था में उत्तम बल और जरा या बुढ़ापा आने पर बल कम रहता है।

व्याधिक्षमत्व का रोगों से बचाव और उपचार में अनिवार्यता को देखते हुये यह प्रश्न स्वाभाविक है कि व्याधिक्षमत्व को बढ़ाने के लिये कौन सी युक्ति का क्रियान्वयन किया जाये? व्याधिक्षमत्व बढ़ाने के लिये बल व ओज की वृद्धि में सहायक द्रव्यों और क्रियाओं का इस प्रकार युक्तिपूर्वक नियमित सेवन करना चाहिये, जिससे व्याधिक्षमत्व का संरक्षण व वृद्धि हो किन्तु प्रकृति, अग्नि, धातुओं वमलक्रिया का समत्व तथा आत्मा, इन्द्रियों व मन की प्रसन्नता यथावत बनी रहे। यह विषय इतना विस्तृत है कि पूरा आयुर्वेद इसमें समाहित है। तथापि संक्षेप में व्याधिक्षमत्व बढ़ाने के लिये सात रक्षा-दीवारों की निरंतर और सम्यक सार-सम्हाल करना आवश्यक है। इनमें (1) आहार या खानपान, (2) विहार या जीवनशैली, (3) स्वस्थवृत्त या व्यक्तिगत स्वास्थ्य विषयक क्रियायें, (4) सद्वृत्त या व्यक्तिगत सदाचरण, (5) पंचकर्म या शारीरिक विषाक्तता को बाहर करने के लिये आयुर्वेद की पांच प्रक्रियायें, (6) रसायन या उम्र-आधारित रोगजनन को रोकने हेतु कायाकल्प उपाय, और अंतत: (7) औषधि या चिकित्सा शामिल हैं।

**–अतिथि सम्पादक,**

**डॉ. दीप नारायण पाण्डेय,**

**( भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त तथा वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में विजिटिंग प्रोफेसर )**

**( यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं )**

# जब शिक्षण संस्थानों में शिक्षक ही नहीं, तो भाषा की नीतियों का हम क्या करेंगे?

प्रोफेसर अशोक कुमार

आज 21वीं सदी के भारत में जब हम एक वैश्विक महाशक्ति बनने का दावा करते हैं, तब हमारी शिक्षा व्यवस्था के स्वरूप को देखकर एक अत्यंत चिंताजनक तस्वीर सामने आती है। वर्तमान में शिक्षा का वास्तविक स्वरूप अकादमिक उत्कृष्टता, कौशल विकास या अनुसंधान आधारित न होकर, केवल वैचारिक प्रतीकों, भाषाई विवादों और राजनीतिक एजेंडों का एक साधन बनकर रह गया है। यह एक ऐसा विचारणीय प्रश्न है जिस पर राष्ट्रव्यापी आत्ममंथन की आवश्यकता है। हम इस बहस में तो पूरी ऊर्जा लगा रहे हैं कि स्कूलों में कितनी भाषाएँ पढ़ाई जाएँ, कौन सा राष्ट्रगान या राष्ट्रगीत पहले गाया जाए, और पाठ्यक्रम में किस विचारधारा को स्थान मिले, लेकिन हम उस बुनियादी सच से आँखें मूँद बैठे हैं कि क्या स्कूलों में बच्चे और शिक्षक मौजूद भी हैं या नहीं?

**भाषाई और वैचारिक विवादों का मुखौटा :** –अक्सर देखा जाता है कि देश के विभिन्न राज्यों में शिक्षा को लेकर होने वाली अधिकांश चर्चाएँ भाषाओं की संख्या पर केंद्रित होती हैं। कोई राज्य दो भाषाओं (द्विभाषा सूत्र) की वकालत करता है, तो कोई तीन भाषाओं (त्रिभाषा सूत्र) की। हद तो तब हो जाती है जब प्रशासनिक और राजनीतिक स्तर पर बिना किसी व्यावहारिक समझ के एक प्रदेश की भाषा को दूसरे प्रदेश पर थोपने का प्रयास किया जाता है–जैसे राजस्थान में मराठी अनिवार्य करने की अव्यावहारिक महत्वाकांक्षा। केरल जैसे राज्य अपने भाषाई और क्षेत्रीय गणित के अनुसार अलग रुख अपनाते हैं।

इसके साथ ही, स्कूलों में कौन सा गीत गाया जाएगा, प्रार्थना क्या होगी, और संस्कृत को अनिवार्य कैसे बनाया जाए, इन प्रतीकात्मक मुद्दों पर घंटों बहस होती है। नि:संदेह, अपनी संस्कृति, संस्कृत भाषा और राष्ट्रगीत के प्रति सम्मान आवश्यक है, लेकिन यह सम्मान तब तक बेमानी है जब तक हमारे बच्चे बुनियादी साक्षरता और ज्ञान से वंचित हैं। इन वैचारिक बहसों की आड़ में शिक्षा के असली संकट को कालीन के नीचे छुपा दिया जाता है।

**जमीनी हकीकत: गायब छात्र और ड्रॉपआउट का भयावह सच :** –जब हम शिक्षा के वास्तविक आंकड़ों और जमीनी हकीकत पर नज़र डालते हैं, तो स्थिति बेहद डरावनी दिखाई देती है। देश के कई राज्यों में यह देखा गया है कि कक्षा 10वीं पास करने के बाद लगभग 40 से 45 प्रतिशत छात्र 12वीं कक्षा तक पहुँच ही नहीं पाते। यह विशाल ड्रॉपआउट रेट यह दर्शाता है कि हमारी माध्यमिक शिक्षा व्यवस्था छात्रों को रोके रखने में पूरी तरह विफल रही है।

आर्थिक तंगी, स्कूलों की दूरी, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण का अभाव और भविष्य के प्रति असुरक्षा के कारण लाखों बच्चे बीच में ही पढ़ाई छोड़ देते हैं। लेकिन विडंबना देखिए, किसी भी राजनीतिक दल या नीतिगत बहस में इस 45 प्रतिशत गायब हो जाने वाली युवा पीढ़ी पर कोई गंभीर चिंता या विश्लेषण देखने को नहीं मिलता।

**एकल शिक्षक और शून्य छात्र वाले स्कूलों का विरोधाभास :**–देश के इंफ्रास्ट्रक्चर का इससे बड़ा मज़ाक क्या हो सकता है कि आज भी हज़ारों स्कूल ऐसे हैं जो एकल शिक्षक के भरोसे चल रहे हैं। एक ही शिक्षक पहली से पाँचवीं कक्षा तक के बच्चों को एक साथ बैठाकर पढ़ा रहा है। वह मध्याह्न भोजन की व्यवस्था संभाले, प्रशासनिक कागजी कार्रवाई करे, या बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दे?

दूसरी तरफ एक और विरोधाभासी स्थिति है–कई स्कूल ऐसे हैं जहाँ कागज़ों पर शिक्षक तैनात हैं, वेतन उठ रहा है, लेकिन स्कूल में एक भी छात्र नामांकित नहीं है। यह प्रशासनिक अदूरदर्शिता और संसाधनों के घोर कुप्रबंधन का जीवंत उदाहरण है। जब व्यवस्था इतनी बुनियादी स्तर पर चरमराई हुई हो, तो वहाँ भाषा और पाठ्यक्रम के बड़े-बड़े सिद्धांतों की बातें करना केवल बेमानी लगता है।

**इंफ्रास्ट्रक्चर और प्रशिक्षित शिक्षकों का घोर अभाव :** –एक आदर्श शिक्षा व्यवस्था के लिए तीन चीजें अनिवार्य हैं: उपयुक्त बुनियादी ढांचा (इंफ्रास्ट्रक्चर), योग्य व प्रशिक्षित शिक्षक और पढ़ने के लिए अनुकूल वातावरण। आज हमारे हज़ारों ग्रामीण और अर्ध-शहरी स्कूलों में पीने का साफ पानी, छात्र-छात्राओं के लिए अलग शौचालय, ब्लैकबोर्ड, प्रयोगशालाएँ और कंप्यूटर जैसी बुनियादी सुविधाएँ तक नहीं हैं।

इससे भी बड़ा संकट शिक्षकों की गुणवत्ता का है। क्या हमारे शिक्षक आधुनिक शिक्षण पद्धतियों में प्रशिक्षित हैं? क्या उन्हें गैर-शैक्षणिक कार्यों (जैसे चुनाव ड्यूटी, जनगणना, राशन प्रबंधन) से मुक्ति मिली है ताकि वे केवल पढ़ाने पर ध्यान दे सकें? जवाब नकारात्मक है। जब बातचीत और विश्लेषण के केंद्र में शिक्षक की ट्रेनिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर जैसी बुनियादी जरूरतें होंगी ही नहीं, तो हम एक मजबूत राष्ट्र का निर्माण कैसे कर सकते हैं?

**मूल प्रश्न: जब पढ़ाने वाले ही नहीं, तो भाषा का क्या करेंगे? :-** यहाँ पर सबसे बड़ा और तार्किक प्रश्न यही उठता है कि जब स्कूलों में बुनियादी इंफ्रास्ट्रक्चर ही नहीं होगा, जब कक्षा में पढ़ाने के लिए योग्य शिक्षक ही नहीं होंगे, और जब बेंचों पर बैठने के लिए छात्र ही नहीं बचेंगे–तो हम एक भाषा, दो भाषा या तीन भाषा की नीतियों को लेकर क्या करेंगे? नीतियों का यह पुलिंदा किस काम आएगा जब उसे जमीन पर उतारने वाले हाथ ही गायब हैं?

बिना शिक्षक के चाहे आप संस्कृत पढ़ाइए, अंग्रेजी पढ़ाइए या मराठी, परिणाम शून्य ही रहेगा। यह पूरी कवायद वैसी ही है जैसे किसी जर्जर और ढहती हुई इमारत की नींव को मजबूत करने के बजाय उसकी दीवारों पर पेंट का रंग तय करने के लिए आपस में लड़ना।

**विचारधाराओं को थोपने का खेल और राजनीतिकरण :** –वर्तमान परिदृश्य को देखकर स्पष्ट रूप से महसूस होता है कि शिक्षा का केवल राजनीतिकरण हो रहा है। हर बदलती हुई सरकार और राजनीतिक शक्ति शिक्षा को अपनी व्यक्तिगत या दलीय विचारधारा को थोपने का माध्यम समझती है। पाठ्यक्रम में बदलाव बच्चों के बौद्धिक विकास के लिए नहीं, बल्कि राजनीतिक लाभ और इतिहास को अपने चश्मे से दिखाने के लिए किए जाते हैं।

शिक्षा का उद्देश्य बच्चों को कैसे सोचना है यह सिखाना होना चाहिए, न कि क्या सोचना है यह तय करना। जब शिक्षा में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और तार्किकता के बजाय राजनीतिक हठधर्मिता हावी हो जाती है, तो समाज का बौद्धिक पतन निश्चित है।

**निष्कर्ष और समाधान का मार्ग :**–भारत में शिक्षा का वर्तमान स्वरूप अत्यंत चिंताजनक और आत्मघाती मार्ग पर है। यदि हमें सचमुच जनसांख्यिकीय लाभांशका लाभ उठाना है और देश के भविष्य को सुरक्षित करना है, तो हमें शिक्षा को राजनीति के चंगुल से मुक्त करना होगा।

**अब समय आ गया है कि:–**

1. बजट और प्राथमिकताएँ बदलें: विज्ञापनों और प्रतीकात्मक बहसों के बजाय सरकारी बजट का एक बड़ा हिस्सा स्कूलों के भौतिक बुनियादी ढांचे को सुधारने और आधुनिक प्रयोगशालाएँ बनाने में लगे।

2. शिक्षकों की जवाबदेही और सम्मान: हज़ारों रिक्त पदों पर तत्काल नियमित और प्रशिक्षित शिक्षकों की भर्ती हो। उन्हें गैर-शैक्षणिक कार्यों से पूरी तरह मुक्त किया जाए।

3. ड्रॉपआउट पर ऑडिट: कक्षा 10वीं के बाद पढ़ाई छोड़ने वाले 40-45 प्रतिशत बच्चों के कारणों का जिला स्तर पर विश्लेषण हो और उन्हें कौशल विकास से जोड़ा जाए।

4. नीतिगत स्थिरता: शिक्षा नीतियों को दलीय राजनीति से ऊपर उठकर एक राष्ट्रीय सहमति के तहत दीर्घकालिक रूप से लागू किया जाना चाहिए।

जब तक हम इन बुनियादी वास्तविकताओं पर बातचीत, विश्लेषण और ठोस कार्रवाई नहीं करेंगे, तब तक भाषाओं और प्रतीकों की यह बहस केवल एक खोखली राजनीतिक औपचारिकता बनकर रह जाएगी। देश को साक्षर और सशक्त बनाने के लिए हमें सबसे पहले स्कूल, शिक्षक और छात्र को बचाना होगा।

**–प्रोफेसर अशोक कुमार,**
**पूर्व कुलपति कानपुर,**
**गोरखपुर विश्वविद्यालय**

# भीलवाड़ा में "गौ सम्मान आव्हान अभियान" को मिल रहा व्यापक जनसमर्थन

- **अभियान के तहत ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में जनसंपर्क कर अधिक से अधिक लोगों को हस्ताक्षर अभियान से जोड़ा जा रहा है**

**भीलवाड़ा,** (निसं)। गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा दिलाने की मांग को लेकर देशभर में चल रहे गौ सम्मान आव्हान अभियान को भीलवाड़ा जिले में लगातार व्यापक जनसमर्थन मिल रहा है। अभियान के तहत ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में पदाधिकारियों द्वारा व्यापक जनसंपर्क कर अधिक से अधिक लोगों को हस्ताक्षर अभियान से जोड़ा जा रहा है।

इसी के तहत शनिवार को जिला प्रचारक संतलाल महाराज (कोटड़ी), गौ सेवा प्रभारी विश्वनाथ प्रताप सिंह, जिला गौ प्रचार प्रभारी नंदकिशोर तेली, जिला प्रभारी जगदीश तेली, गौ सेवक हरीश श्रोत्रिय एवं उद्घोष प्रभारी बाबूलाल टाक ने सवाईपुर, बीगोद, त्रिवेणी, मांडलगढ़ एवं बिजौलियां क्षेत्र का दौरा कर ग्रामीणों, गौसेवकों, गौशालाओं के पदाधिकारियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं से संपर्क किया। उन्होंने गौ संरक्षण, गौ संवर्धन एवं भारतीय संस्कृति में गौमाता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अभियान से जुड़ने और अधिकाधिक हस्ताक्षर करवाने का आव्हान किया।

त्रिवेणी चौराहे पर गौ सेवक गोवर्धन वैष्णव, रोशन सुवालका, घीसू पुरी, मुकेश जोशी, कृष्ण गोपाल ब्रह्मभट्ट, हेमंत चंदनानी, राकेश सुवालका, गुमान सिंह, मिट्ठूलाल सेन, रोहित शर्मा एवं बनवारी लाल मेवाड़ा आदि मौजूद थे। जिले के सभी स्थानों पर ग्रामीणों, गौसेवकों एवं गौशाला समितियों ने अभियान का समर्थन करते हुए अपने-अपने गांव, वार्ड एवं मोहल्लों में व्यापक स्तर पर हस्ताक्षर अभियान चलाने तथा अधिकाधिक लोगों को जोड़ने का भरोसा दिलाया। अभियान से जुड़े जिले के सभी गौ भक्तों एवं नागरिकों से आग्रह किया है कि वे अपने क्षेत्र के लिए हस्ताक्षर पत्र प्राप्त कर अधिक से अधिक लोगों के हस्ताक्षर करवाकर इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं। अभियान के तहत आगामी 27 जुलाई को देशभर के सभी जिला मुख्यालयों पर एक ही समय में जिला कलेक्टर के माध्यम से राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम प्रार्थना पत्र सौंपे जाएंगे। अभियान का मुख्य उद्देश्य "गौ सम्मान-राष्ट्र सम्मान" तथा "गौ रक्षा- संस्कृति की रक्षा" है। ओम मालू, जयकिशन मित्तल, भागचंद बाहेती, हरिओम तेली खेड़ा पुष्पा अग्रवाल, कृष्णा जैन, उषा अग्रवाल और तरुणा शर्मा सहित सदस्य उपस्थित थे।

# अब बिना एफएसएसएआई लाइसेंस नहीं बनेगा शादी-ब्याह, धार्मिक कार्यक्रम का खाना

- **झुंझुनूं में स्वास्थ्य विभाग की सख्ती, बिना पंजीकरण हलवाई-कैटरर्स पर होगी कार्रवाई, आयोजकों को भी जिम्मेदारी निभानी होगी**
- **नई व्यवस्था के तहत अब शादी, धार्मिक अनुष्ठान, सामाजिक भोज और अन्य बड़े आयोजनों के आयोजकों को कार्यक्रम से पूर्व खाद्य सुरक्षा विभाग को सूचना देनी होगी**

**झुंझुनूं,** (निसं)। शादी-विवाह, मेले, धार्मिक आयोजनों और सार्वजनिक भोज में परोसे जाने वाले भोजन की गुणवत्ता और आमजन के स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने जिले में बड़ी पहल की है। अब भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई ) का वैध लाइसेंस या पंजीकरण नहीं होने पर कोई भी हलवाई, वेंडर या कैटरिंग व्यवसायी भोजन तैयार नहीं कर सकेगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही आयोजनकर्ताओं की जिम्मेदारी भी तय कर दी गई है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय की ओर से जारी निर्देशों के अनुसार जिले में खानपान का व्यवसाय करने वाले सभी हलवाई, वेंडर और कैटरिंग संचालकों के पास एफएसएसएआई का वैध लाइसेंस अथवा पंजीकरण होना अनिवार्य होगा। बिना पंजीकरण खाद्य सामग्री तैयार करना या परोसना कानून का उल्लंघन माना जाएगा। नई व्यवस्था के तहत अब शादी, धार्मिक अनुष्ठान, सामाजिक भोज और अन्य बड़े आयोजनों के आयोजकों को भी कार्यक्रम से पूर्व खाद्य सुरक्षा विभाग को आयोजन की सूचना देनी होगी। साथ ही संबंधित हलवाई या कैटरर का पूरा विवरण भी उपलब्ध कराना होगा, ताकि आवश्यकता पड़ने पर विभाग निगरानी और निरीक्षण कर सके। खाद्य सुरक्षा अधिकारी किसी भी समय आयोजन स्थल पर पहुंचकर भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा मानकों की जांच करेंगे। यदि मौके पर नियमों का उल्लंघन पाया गया तो संबंधित कैटरर के साथ-साथ आयोजकों के विरुद्ध भी नियमानुसार कार्रवाई की जा सकती है। स्वास्थ्य विभाग जल्द ही जिलेभर में विशेष वेरिफिकेशन ड्राइव शुरू करेगा। अभियान के दौरान सभी हलवाइयों, वेंडरों और कैटरिंग व्यवसायियों के लाइसेंस, पंजीकरण एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों की जांच की जाएगी। बिना लाइसेंस संचालन करने वाले तथा खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन नहीं करने वालों को चिन्हित कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. छोटेलाल गुर्जर ने बताया कि बड़े आयोजनों में भोजन की गुणवत्ता को लेकर समय-समय पर शिकायतें प्राप्त होती रही हैं, जिससे फूड पॉइजनिंग जैसी घटनाएं सामने आती हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य आमजन को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराना, मिलावट और लापरवाही पर प्रभावी अंकुश लगाना तथा खाद्य सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करना है। स्वास्थ्य विभाग ने सभी हलवाई, वेंडर, कैटरिंग संचालकों और आयोजनकर्ताओं से अपील की है कि वे निर्धारित नियमों का पालन करें, ताकि जिले में सुरक्षित, स्वच्छ और गुणवत्तापूर्ण खाद्य व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके।

## राशिफल रविवार 19 जुलाई, 2026

पंडित अनिल शर्मा

आषाढ़ मास, शुक्ल पक्ष, षष्ठि तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2083, उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र सायं 6:12 तक, परिघ योग सायं 7:23 तक, कौलव करण दिन 3:36 तक, चन्द्रमा आज कन्या राशि में संचार करेगा।

**ग्रह स्थिति:** सूर्य-कर्क, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-वृष, बुध-मिथुन, गुरू-कर्क, शुक्र-सिंह, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से सम्पूर्ण दिन-रात रहेगा। रवियोग सायं 6:12 तक है। आज अमृत सिद्धि योग सायं 6:12 से सूर्योदय तक है। आज कुमार षष्ठि व्रत, कसुम्बा षष्ठि, कर्दम षष्ठि, श्री महावीर स्वामी गर्ग कल्याणक (जैन), और साईं टेऊंराम जयन्ती है।

**श्रेष्ठ चौघड़िया:** चर 7:29 से 9:10 तक, लाभ-अमृत 9:11 से 12:33 तक, शुभ 2:14 से 3:55 तक।

**राहूकाल:** 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 5:48, सूर्यास्त 7:18

### मेष

घर-परिवार में चल रहे आपसी मतभेद दूर होंगे। विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। स्वास्थ्य में सुधार होगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

### वृष

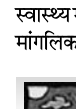

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा।

### मिथुन

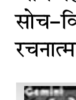

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

### कर्क

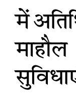

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। मित्रों के साथ मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

### सिंह

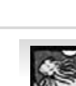

आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा। आज अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। व्यक्तिगत परेशानियां अभी बनी रहेगी।

### कन्या

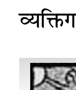

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

### तुला

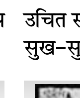

आवश्यक कार्यों के कारण भागदौड़ और मानसिक तनाव बना रहेगा। आज अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा।

### वृश्चिक

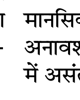

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आवश्यक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

### धनु

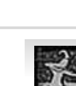

अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है।

### मकर

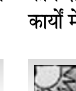

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। शुभ कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है।

### कुंभ

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता अभी बनी रहेगी। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

### मीन

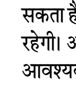

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान में चल रही परेशानी दूर हो सकती है।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 346 प्रभात जयपुर, रविवार 19 जुलाई, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

# राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

**The Kalbelia Is No More Respectable...**

It may be argued by some patriots that there is no pride in being a land of the snake charmers, or rope climbers. Why cling to it!

**No Dependency!!**

**The Rise of Jack Ma and Alibaba**

# सफेद चादरों की ओट में वांगचुक को उठा ले गई दिल्ली पुलिस

## दिल्ली पुलिस नहीं चाहती थी कि उसकी कार्यवाही का कोई टीवी कवरेज हो या कोई फोटो खिंचे

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **सूत्रों ने कहा, एक दिन पहले ही नियुक्त हुए दिल्ली पुलिस आयुक्त अनुराग कुमार को पहला टास्क यही सौंपा गया था कि वांगचुक को अस्पताल ले जाया जाए और भोजन दिया जाए, चाहे इसमें जबर्दस्ती ही क्यों ना करनी पड़े।**
- **हालांकि सोनम ने अस्पताल में ट्यूब्स के जरिए तरल पदार्थ लेने से इन्कार कर दिया है।**
- **सोनम वांगचुक 20 दिन से अनशनरत हैं पर अभी तक सरकार ने इस पर कोई प्रतिक्रिया या चिंता नहीं जताई है।**
- **20 जुलाई को संसद का मानसून सत्र शुरु हो रहा है, सोनम ने युवा वर्ग व छात्रों से संसद मार्च में शामिल होने की अपील की है सरकार ने भी इस मार्च को रोकने के लिए कमर कस ली है।**
- **आगामी संसद सत्र में सोनम वांगचुक और पेपर लीक के मुद्दे पर भारी हंगामा होने की संभावना है।**

नई दिल्ली, 18 जुलाई। लोकतंत्र के लिए शर्मनाक और बड़ा झटका माने जा रहे घटनाक्रम में दिल्ली पुलिस जंतर-मंतर पहुंची और शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे सोनम वांगचुक को जबरन उठाकर अस्पताल ले गई, जिससे उनका अनशन समाप्त कराया जा सके।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दिल्ली पुलिस अपने साथ सफेद चादरें लेकर पहुंची थी, ताकि कार्रवाई के दौरान तस्वीरें न ली जा सकें। पुलिसकर्मियों ने सफेद चादरों की ओट बनाली और, वांगचुक के विरोध के बावजूद, उन्हें जबरन उठाकर वहां से ले गए।

वहां मौजूद सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने इसका भारी विरोध किया, लेकिन सादे कपड़ों में मौजूद पुलिसकर्मियों ने अपनी कार्यवाही जारी रखी और वांगचुक को दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया।

बताया गया कि इससे एक शाम पहले ही डॉक्टरों ने कहा था कि वांगचुक के सभी महत्वपूर्ण स्वास्थ्य संकेत (वाइटल्स) स्थिर हैं और उनकी स्थिति अच्छी है।

कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने घोषणा की है कि आंदोलन जारी रहेगा और अब वे स्वयं शिक्षा मंत्री का इस्तीफा होने तक अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठेंगे।

एक दिन पहले ही दिल्ली के नए पुलिस आयुक्त की नियुक्ति हुई थी और उनका पहला बड़ा कदम यह सुनिश्चित करना था कि छात्रों और जैन ज़ी के आक्रोश तथा विरोध प्रदर्शनों का केन्द्र बन चुके सोनम वांगचुक को धरना स्थल से हटाकर अस्पताल ले जाया जाए तथा उनकी जान बचाने के नाम पर उन्हें जबरन भोजन कराया जाए। 20 दिनों से जारी इस भूख हड़ताल के दौरान सरकार पूरी तरह असंवेदनशील और निष्क्रिय बनी रही है, न तो कोई मंत्री और न ही सरकार का कोई प्रतिनिधि वांगचुक या प्रदर्शनकारियों से बातचीत करने पहुंचा। यदि वांगचुक के साथ कोई अनहोनी हो जाती, तो पूरे देश में ऐसा जनाक्रोश भड़क सकता था, जिसे सरकार के लिए नियंत्रित करना बेहद कठिन होगा।

20 जुलाई से शुरू होने वाले संसद के मानसून सत्र के दौरान कॉकरोच जनता पार्टी और देशभर से हजारों युवा संसद तक मार्च निकालने की तैयारी कर रहे हैं। उनका उद्देश्य शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान पर इस्तीफे के लिए दबाव बनाना है। क्योंकि उनके कार्यकाल में बार-बार प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाएं हुई हैं, लेकिन न तो उन्होंने और न ही सरकार के किसी अन्य

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

## अमरनाथ यात्रा स्थगित

श्रीनगर, 18 जुलाई। मौसम विभाग द्वारा खराब मौसम की चेतावनी जारी किए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने एहतियातन बड़ा कदम उठाया है। तीर्थयात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए वार्षिक श्री अमरनाथ यात्रा को 19 जुलाई, 2026 से दोनों मार्गों पहलगाम और बालटाल से अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है।

कश्मीर के संभागीय आयुक्त अंशुल गर्ग ने शनिवार को इस फैसले की जानकारी देते हुए बताया कि भारत मौसम

- **मौसम विभाग ने भारी वर्षा, भूस्खलन व अचानक बाढ़ की चेतावनी दी है।**

विज्ञान विभाग ने आने वाले कुछ दिनों में भारी बारिश, भूस्खलन और अचानक बाढ़ आने की आशंका जताई है। इस वजह से रविवार, 19 जुलाई से बालटाल और नुनवान/चंदनवाड़ी (पहलगाम) दोनों ही बेस कैंपों से किसी भी श्रद्धालु को पवित्र गुफा की तरफ आगे बढ़ ने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, यह निलंबन पूरी तरह से एक एहतियाती कदम है ताकि पहाड़ी रास्तों पर श्रद्धालुओं को किसी भी तरह के मौसम जनित खतरे का सामना न करना पड़े। मौसम साफ होने और पूरे यात्रा मार्ग की सुरक्षा की व्यापक समीक्षा करने के बाद ही यात्रा दोबारा बहाल करने पर फैसला लिया जाएगा। यात्रा दोबारा शुरू होने के संबंध में जल्द ही ताजा अपडेट जारी किए जाएंगे। प्रशासन ने सभी तीर्थयात्रियों से अपील की है कि वे मौसम के मिजाज को देखते हुए आधिकारिक दिशा-निर्देशों का पालन करें और सुरक्षा व्यवस्था में सहयोग दें।

# अरब देश ईरानी हमलों के खिलाफ रुसी एयर डिफेंस सिस्टम लगाने की तैयारी में हैं

## क्योंकि अमेरिका के साथ शत्रुता के चलते ईरान अरब देशों में स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डों व अमेरिकन डिफेंस सिस्टम को निशाना बना रहा है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **अरब देशों के अनुसार, ईरान की रुस से गहरी मित्रता है और अगर अरब देशों में रुस का एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम लगाया गया तो ईरान शायद हमला न करे।**
- **अरब देशों पर ईरान के हमले से मिडिल ईस्ट में तनाव बढ़ा है। प्रारंभ से ही अरब देशों व ईरान के बीच तनाव रहा है, इसका कारण है कि ईरान खुद को पर्शियन मूल का मानता है और अरबों को खुद से निम्न स्तर पर रखता है।**

नई दिल्ली, 18 जुलाई। ईरान और फ़ारस की खाड़ी के उसके पड़ोसी देशों के लिए यह समय "म्युचुअली एश्योर्ड डिस्ट्रक्शन" (पारस्परिक सुनिश्चित विनाश) का समय बन गया है। इसका परिणाम यह है कि ईरान और उसके अरब पड़ोसियों के बीच पहले से मौजूद अविश्वास अब अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है।

इन बदलते हालात में, फ़ारस की खाड़ी के अरब देश अमेरिका से अलग अपनी खुद की स्वतंत्र सुरक्षा व्यवस्था विकसित करना चाहते हैं। ये देश ईरान के हवाई हमलों से बचाव के लिए रूस की एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम तैनात करना चाहते हैं।

खाड़ी के अरब देश तुर्किये से ये रक्षा प्रणालियां हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि तुर्किये के पास ये प्रणालियां मौजूद हैं। लेकिन रूस की मंजूरी के बिना तुर्किये इन्हें किसी दूसरे देश को नहीं बेच सकता। यही सबसे बड़ी समस्या है।

रूस ईरान के प्रति सहानुभूति रखता है, क्योंकि ईरान अमेरिका से लड़ रहा है, जो नाटो के नेतृत्व वाले पश्चिमी गठबंधन का हिस्सा है। इसलिए रूस के लिए यह फैसला मुश्किल है। वहीं दूसरी ओर, रूस के लिए यह धन जुटाने तथा और अधिक अंतरराष्ट्रीय समर्थन हासिल करने का एक बहुत अच्छा अवसर भी है।

जैसे-जैसे डॉनल्ड ट्रंप ने ईरान और उसकी रणनीतिक संपत्तियों पर अपने हमले तेज किए हैं, ईरान अपना गुस्सा फ़ारस की खाड़ी के अरब देशों पर निकाल रहा है। ईरान जवाबी कार्यवाही में बहरीन, क़तर, कुवैत और सऊदी अरब और अब जॉर्डन और सीरिया पर भी हमले तेज कर रहा है।

ईरान ने कहा है कि वह पड़ोसी देशों पर अपनी बमबारी और तेज करेगा, क्योंकि अमेरिकी मुख्य भूमि उसके मिसाइलों की पहुँच से बहुत दूर है। इन देशों में अमेरिका की महत्वपूर्ण सैन्य सुविधाएं मौजूद हैं, जिनका इस्तेमाल ईरानी ठिकानों पर अमेरिकी हमलों के लिए किया गया है।

पिछले दो दिनों में कुवैत ने अपने बिजली उत्पादन संयंत्रों और समुद्री पानी को पीने योग्य बनाने वाले कुछ महत्वपूर्ण संयंत्रों को भारी नुकसान पहुंचने की जानकारी दी है। इससे ईरान और उसके अरब पड़ोसियों के बीच गंभीर तनाव पैदा हो गया है, जिसका असर दूर-दराज़ के क्षेत्रों तक फैल रहा है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

# भारत ने पहला प्राइवेट रॉकेट, विक्रम- प्रथम लाँच किया

## यह रॉकेट हैदराबाद के स्टार्ट अप स्कायरुट एयरोस्पेस ने बनाया है

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

- **यह रॉकेट लो अर्थ ऑर्बिट में छोटे उपग्रह स्थापित करने के लिए विकसित किया गया है और 18 जुलाई को श्री हरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सैंटर से इसे अंतरिक्ष में प्रक्षेपित किया गया।**

नई दिल्ली, 18 जुलाई। भारत ने अपनी अंतरिक्ष यात्रा में एक नया अध्याय जोड़ते हुए देश के निजी तौर पर विकसित पहले ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 का सफल प्रक्षेपण कर दिया है। हैदराबाद स्थित स्टार्टअप "स्कायरूट एयरोस्पेस" द्वारा विकसित इस रॉकेट का प्रक्षेपण 18 जुलाई को श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से मिशन आगमन के तहत किया गया।

इस प्रक्षेपण के साथ भारत की एक निजी कंपनी ने पहली बार ऑर्बिटल लॉन्च व्हीकल बाजार में प्रवेश किया है, जिस पर अब तक मुख्य रूप से सरकारी अंतरिक्ष अभियानों का वर्चस्व रहा है। विक्रम-1 "लो अर्थ ऑबिट" (एल ई ओ) को निम्न पृथ्वी कक्षा (लो अर्थ ऑर्बिट-एलईओ) में छोटे उपग्रह स्थापित करने के लिए विकसित किया गया है और इसका उद्देश्य तेज़ तथा अधिक लचीली वाणिज्यिक प्रक्षेपण सेवाएं उपलब्ध कराना है।

स्कायरूट एयरोस्पेस के सह-संस्थापक पवनकुमार चंदना ने बताया कि इस मिशन का नाम आगमन इसलिए रखा गया क्योंकि कंपनी परीक्षण उड़ानों से आगे बढ़कर अब वाणिज्यिक ऑर्बिटल प्रक्षेपण के चरण में प्रवेश कर चुकी है। उन्होंने कहा, "इससे पहले हमने मिशन प्रारंभ के तहत "विक्रम-एस" का प्रक्षेपण किया था। अब विक्रम-1 के प्रक्षेपण को मिशन आगमन नाम दिया गया है।" विक्रम-1 को छोटे उपग्रहों को निचली पृथ्वी (लो अर्थ ऑर्बिट) कक्षा में स्थापित करने के लिए डिजाइन किया गया है। वर्तमान में इसकी पेलोड क्षमता 350 किलोग्राम है, जिसे भविष्य के अभियानों में बढ़ाकर 500 किलोग्राम करने की योजना है।

चंदना ने कहा, "विक्रम-1 की अंतिम पेलोड क्षमता 500 किलोग्राम होगी, लेकिन फिलहाल इसे 350 किलोग्राम पेलोड के साथ प्रक्षेपित किया जा रहा है।" यह रॉकेट निम्न पृथ्वी कक्षा में 350 किलोग्राम तथा सूर्य-समकालिक कक्षा (सन-सिंक्रोनस ऑर्बिट) में 260 किलोग्राम तक के उपग्रह स्थापित कर सकता है। यह पृथ्वी से लगभग 500 किलोमीटर की ऊंचाई तक उपग्रह पहुंचाने में सक्षम है।

भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक डॉ. विक्रम साराभाई का नाम रखा गया है, इसकी इस रॉकेट की ऊंचाई लगभग 20 मीटर और वजन करीब 40 टन है।

चंदना ने बताया, "यह रॉकेट 40 टन वजनी और 20 मीटर ऊंचा है, जो लगभग सात मंजिला इमारत के बराबर है। यह उपग्रहों को 8 किलोमीटर प्रति सेकंड की गति से अंतरिक्ष में पहुंचाने में सक्षम है।" स्काईरूट के अनुसार, विक्रम-1 का व्यास 1.7 मीटर है और इसकी थ्रस्ट क्षमता 1,200

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

## अगले साल से मिलेंगे प्लास्टिक के नोट

नई दिल्ली, 18 जुलाई। भारत में पॉलीमर यानी प्लास्टिक के नोट चलन में लाने की तैयारी शुरू हो गई है। फिलहाल दस व बीस रुपये के प्लास्टिक नोट बाजार में लाए जाएंगे। इसमें सुरक्षा के उन्हीं उन्नत नियमों का पालन किया जाएगा जो कागज के नोट छापने में अपनाए जाते हैं। अगले साल यह नोट बाजार में आ सकते हैं।

रिजर्व बैंक ने पॉलीमर शीट आपूर्ति के लिए निजी कंपनियों को भी आमंत्रित किया है। शुरुआती चरण सफल रहा तो बड़े नोट भी चरणबद्ध तरीके से लाए जाएंगे। इन पॉलीमर नोटों के लिए डिजाइन, आकार व छपाई उसी तरह होगी जैसे कागज के नोट पर होगी। फर्जीवाड़ा रोकने के लिए इन नोटों में विशेष तकनीक अपनाई जाएगी। वर्ष 2012 में भारत सरकार ने मैसूर, जयपुर, भुवनेश्वर और शिमला समेत कुछ शहरों में 10 रुपये के एक अरब पॉलीमर नोटों के परीक्षण को मंजूरी दी थी।

- **रिज़र्व बैंक ने शुरुआत में दस व बीस रु. के प्लास्टिक नोट चलाने का निर्णय लिया है।**

# एनडीए में आना है तो पहले सुनेत्रा पवार की एनसीपी में विलय करना होगा

## सूत्रों के अनुसार, भाजपा ने शरद पवार के सामने एनडीए में शामिल होने के लिए शर्त रखी है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **भाजपा शरद पवार की एनसीपी को पृथक इकाई के रुप में एनडीए में लेना नहीं चाहती है। क्योंकि भाजपा को भय है कि अगर वे स्वतंत्र इकाई के रुप में आए तो भविष्य में चुनौती पैदा कर सकते हैं। भाजपा ने ऑफर दिया है कि अगर दोनों गुट एक हो गए तो दोनों से एक-एक नेता को केन्द्र सरकार में मंत्री बनाया जाएगा।**

नई दिल्ली, 18 जुलाई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) चाहती है कि शरद पवार के नेतृत्व वाला एनसीपी (एसपी) गुट, एनडीए में शामिल होने से पहले सुनेत्रा पवार के नेतृत्व वाले एनसीपी गुट के साथ फिर से एक हो जाए। प्रस्तावित परिसीमन विधेयक पर एनसीपी (एसपी) के नरम रुख के संकेत मिलने के बाद इस दिशा में बातचीत ने गति पकड़ ली है।

महाराष्ट्र की राजनीति एक बार फिर बड़े बदलाव की ओर बढ़ती दिखाई दे रही है। पिछले एक सप्ताह से इस बात की चर्चाएं तेज हैं कि अनुभवी, और अप्रत्याशित राजनीति के लिए चर्चित शरद पवार ने भाजपा के साथ संपर्क साधने के संकेत दिए हैं।

सूत्रों ने कहा कि भाजपा नेतृत्व एनसीपी (एसपी) को अलग इकाई के रूप में एनडीए में शामिल करने के पक्ष में नहीं है। भाजपा चाहती है कि पहले उसका विलय सुनेत्रा पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी में हो और उसके बाद ही वह एनडीए का हिस्सा बने। भाजपा ने यह संभावना भी खारिज कर दी है कि एनसीपी (एसपी) का सीधा विलय भाजपा में किया जाएगा।

भाजपा ने दोनों गुटों के लिए एक प्रस्ताव भी रखा है। यदि दोनों एनसीपी गुटों का एकीकरण होता है, तो भविष्य में दोनों गुटों से एक-एक नेता को केन्द्र सरकार में मंत्री पद दिए जाने पर विचार किया जा सकता है। शिवसेना और एनसीपी में हुये विभाजन के बाद, भाजपा महाराष्ट्र की सबसे प्रभावशाली राजनीतिक ताकत बनकर उभरी है। पार्टी को आशंका है कि यदि एनसीपी (एसपी) को अलग दल के रूप में एनडीए में शामिल किया गया, तो मौजूदा सहयोगी दलों में असुरक्षा और अस्थिरता की स्थिति पैदा हो सकती है।

यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है, जब एनसीपी (एसपी) ने संकेत दिए हैं कि वह परिसीमन विधेयक पर अपेक्षाकृत नरम रुख अपना सकती है। केन्द्र सरकार ने इस विधेयक को महिला आरक्षण कानून के क्रियान्वयन से जोड़ रखा है। प्रस्तावित संविधान संशोधन विधेयक में लोकसभा की सीटों की संख्या बढ़ाकर 850 करने का प्रस्ताव है।

जहाँ तक भाजपा का प्रश्न है, एनसीपी (एसपी) का एनडीए में शामिल होना संसद में उसे दो-तिहाई बहुमत के और करीब ले जाएगा। संविधान संशोधन विधेयकों को पारित कराने के लिए दो-तिहाई बहुमत आवश्यक होता है। यही वजह थी कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार अप्रैल में संसद के विशेष सत्र के दौरान परिसीमन विधेयक पारित नहीं करा सकी थी।

लेकिन उसके बाद, संसद का गणित बदल चुका है। तृणमूल कांग्रेस के 20 सांसद एक अपेक्षाकृत कम चर्चित दल नेशनलिस्ट सिटीजन्सपार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में शामिल हो चुके हैं और उन्होंने भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए का समर्थन किया है। वहीं, उद्धव ठाकरे गुट के 6 सांसद भी एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो गए हैं।

वर्तमान में एनसीपी (एसपी) के लोकसभा में 8 सांसद और राज्यसभा में 1 सांसद हैं।

लेकिन एनसीपी (एसपी) ने अभी तक परिसीमन विधेयक के समर्थन में कोई औपचारिक घोषणा नहीं की है। इस सप्ताह की शुरुआत में बारामती सांसद सुप्रिया सुले ने कहा था कि यदि प्रस्तावित परिसीमन सभी राज्यों में समान रूप से 50 प्रतिशत सीट वृद्धि के आधार पर किया जाता है, तो इसका विरोध करने का "कोई खास कारण नहीं" रहेगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

# क्या होगा अगर सोनम वांगचुक के आमरण अनशन का दुखद अंत हो?

## अगर आमरण अनशन में सोनम वांगचुक की मृत्यु हो गई तो इसके नतीजे जनभावना व राजनैतिक प्रतिक्रिया पर निर्भर होंगे

- सुकुमार साह -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

- **अगर यह आंदोलन शांतिपूर्ण रहा तो उनकी मृत्यु से शांति समर्थक एनजीओ व राजनैतिक समूह एकजुट होकर बड़ी राजनैतिक क्रांति भी ला सकते हैं, जिसे हैंडल करना सरकार के लिए आसान नहीं होगा।**
- **वांगचुक की मृत्यु से अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की छवि भी खराब हो सकती है क्योंकि उनकी मृत्यु को अन्तर्राष्ट्रीय मीडिया, वैश्विक पर्यावरण संगठन भी प्रमुखता से लेंगे और शांतिपूर्ण आंदोलनों से निपटने की भारत सरकार की नीति की भारी आलोचना हो सकती है।**

नई दिल्ली, 18 जुलाई। हर गुज़रते घंटे के साथ हालात और गंभीर होते जा रहे हैं। चूंकि सोनम वांगचुक की लम्बे समय से चली आ रही भूख हड़ताल उनके स्वास्थ्य पर लगातार गहरा असर डाल रही है और इससे भारत एक ऐसे राजनीतिक मोड़ के करीब पहुंच सकता है, जो आने वाले समय की दिशा तय कर सकता है। उनकी मृत्यु केवल एक आंदोलन का अंत नहीं होगी, बल्कि यह नागरिक स्वतंत्रता, सरकार की जवाबदेही और लद्दाख के अनसुलझे भविष्य पर देशव्यापी बहस को जन्म दे सकती है।

आज की स्थिति के अनुसार, सोनम वांगचुक की हालत गंभीर बताई जा रही है। लंबे समय से जारी भूख हड़ताल के बाद उन्हें सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया है। खबरों के मुताबिक, डॉक्टरों ने गंभीर निर्जलीकरण (डिहाइड्रेशन), शरीर में मैटाबॉलिज्म संबंधी गड़बड़ियों और किडनी में संभावित जटिलताओं की चेतावनी दी है। यह भी बताया गया है कि वांगचुक ने आई वी के जरिए तरल पदार्थ और अन्य उपचार लेने से इनकार कर दिया है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने उनके स्वास्थ्य की लगातार चिकित्सकीय निगरानी के निर्देश दिए हैं।

यदि तमाम चिकित्सकीय प्रयासों के बावजूद सोनम वांगचुक की मृत्यु हो जाती है, तो इसके व्यापक और गंभीर राजनीतिक तथा सामाजिक परिणाम सामने आ सकते हैं। हालांकि घटनाक्रम किस दिशा में जाएगा, यह काफी हद तक सरकार की प्रतिक्रिया और जनता की भावना पर निर्भर करेगा। उनकी मृत्यु के बाद लगभग निश्चित रूप से विपक्षी दल, नागरिक समाज संगठन और अनेक सार्वजनिक हस्तियां केन्द्र सरकार की तीखी आलोचना करेंगी। यह सवाल उठेगा कि क्या सरकार ने उनका अनशन समाप्त कराने के लिए पर्याप्त प्रयास किए और समय रहते उचित चिकित्सा उपलब्ध कराने में कोई कमी तो नहीं रही। भले ही प्रशासन ने कानून के दायरे में रहकर काम किया हो, राजनीतिक बहस बेहद तीखी होने की संभावना है। सोनम वांगचुक को केवल लद्दाख ही नहीं, बल्कि पूरे देश में पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा के क्षेत्र में उनके नवाचारों और फिल्म "थ्री इडियट्स" के लोकप्रिय किरदार से जुड़ी उनकी पहचान के कारण व्यापक सम्मान प्राप्त है। ऐसे में उनकी मृत्यु लद्दाख, दिल्ली, देशभर के विश्वविद्यालय परिसरों और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े संगठनों के बीच भारी विरोध प्रदर्शनों को जन्म दे सकती है।

अंतरराष्ट्रीय मीडिया और वैश्विक पर्यावरण संगठनों के द्वारा भी इसे व्यापक रूप से प्रमुखता और कवरेज देने की संभावना है। भूख हड़ताल एक गंभीर नैतिक प्रतीकवाद है। ऐसे में यह मामला मानवाधिकारों और लोकतांत्रिक विरोध के अधिकार से जुड़ा अंतरराष्ट्रीय मुद्दा बन सकता है तथा भारत में शांतिपूर्ण असहमति से निपटने के तरीके पर फिर से विश्व की नजरें टिक सकती हैं।

इतिहास बताता है कि कई बार किसी प्रमुख आंदोलनकारी की मृत्यु किसी आंदोलन को कमजोर करने के बजाय और अधिक मजबूत बना देती है। जनभावना के आधार पर सोनम वांगचुक उन मुद्दों के प्रतीक या शहीद के रूप में उभर सकते हैं, जिनके लिए वे संघर्ष कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में सरकार के लिए उनकी मांगों को नज़रअंदाज़ करना और कठिन हो सकता है। ऐसी परिस्थिति में न्यायिक जांच की मांग हो सकती है या जनहित याचिकाएं दायर हो सकती हैं और स्वतंत्र जांच की मांग, संसद में विस्तृत बहस, पुलिस और अस्पताल प्रशासन की भूमिका की समीक्षा तथा लंबे समय तक चलने वाली भूख हड़तालों से निपटने के सरकारी प्रोटोकॉल की पुनर्समीक्षा की मांग भी की जा सकती है।

यदि आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण बना रहता है, तो उनकी मृत्यु विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक समूहों को उनकी मांगों के समर्थन में एकजुट कर सकती है। वहीं दूसरी ओर, किसी भी प्रकार की हिंसा या अशांति की आशंका को देखते हुए राजनीतिक दलों और सामुदायिक नेताओं द्वारा संयम और शांति बनाए रखने की अपील भी की जा सकती है। क्या यह घटनाक्रम अनिवार्य रूप से पूरे देश में बड़ी उथल-पुथल का कारण बनेगा? इसका उत्तर है, ऐसा होना जरूरी नहीं है। भारत में पहले भी अनशन और आंदोलनों के दौरान लोगों की मृत्यु हुई है और हर मामले का राजनीतिक प्रभाव अलग-अलग रहा है। इसका दायरा कई कारकों पर निर्भर करेगा-मृत्यु किन परिस्थितियों में हुई, क्या उन्होंने अंत तक उपचार लेने से इनकार किया, प्रशासन ने चिकित्सा संबंधी स्थिति को कितनी पारदर्शिता से संभाला, राजनीतिक दलों और नागरिक समाज की प्रतिक्रिया कैसी रही तथा आम जनता ने किसकी जिम्मेदारी मानी।

फिलहाल यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि सोनम वांगचुक जीवित हैं, चिकित्सकीय निगरानी में हैं और उनके स्वास्थ्य पर लगातार नज़र रखी जा रही है। यद्यिप उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है, लेकिन परिणाम का पूर्वानुमान लगाना संभव नहीं है। इसलिए उनकी संभावित मृत्यु को लेकर किसी भी प्रकार की अटकलों को अत्यंत सावधानी के साथ देखा जाना चाहिए।

## संक्षिप्त

### चोरी प्रकरण में दो आरोपी गिफ्तार

**टोंक।** जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीना के निर्देशन में चलाये जा रहे वांछित अपराधियों की धरपकड अभियान के तहत टोंक वृताधिकारी आशीष कुमार प्रजापत एवं मालपुरा थानाधिकारी चेना राम बेडा के नेतृत्व में गठित थाना टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए वाले गत 11 जून को थाना क्षैत्र के ग्राम कैरिया उर्फ गोविन्दपुरा में मकान से जेवरात व नगदी चोरी करने के बाद टीम ने आसपास क्षैत्र में पूछताछ एवं सीसीटीवी कैमरों के साक्ष्य के बाद फोन की ईएमआई नम्बर को एटिवेशन डिटेल प्राप्त करने के बाद आरोपी कानाराम पुत्र गोपाल बावरी निवासी सदरपुरा रोड ब्रजलालनगर मालपुरा एवं प्रकरण में अन्य उसके जीजा राजू पुत्र शंकर निवासी मेवदा कला व मामा लक्ष्मण पुत्र रामनारायण बावरी निवासी टपरी रामपुरा गणवर को डिटेन कर गिरफ्तार किया गया था। इस कार्यवाही में मौके से राजू फरार हो गया। पुलिस ने प्रकरण चोरी किये गये सोने चाँदी के आभूषण व काँपरेन से चोरी मोटरसाईकिल को जप्त किया है।

### मरीजों से खिलवाड़

**दूदू।** नगर पालिका मुख्यालय एवं उपखंड क्षेत्र के अधीन गांवों में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की अनदेखी के कारण झोलाछाप चिकित्सकों द्वारा क्लिनिक चलाएं जाकर मरीजों से खिलवाड़ किया जा रहा है प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर पालिका मुख्यालय पर करीब 15 क्लिनिक एवं उपखंड क्षेत्र के गांवों में भारी संख्या में बिना डिग्री धारी डॉक्टर बनकर बैठे चिकित्सा का काम कर काले पीले रंग की गोलियां देकर मरीजों का इलाज कर उन्हें अधिक मरीज बना रहे हैं । सूत्रों के अनुसार क्लीनिक चलाने वाले डॉक्टर दसवीं पास भी नहीं है चिकित्सकों के पास काम सीख कर बिना डिग्री दुकान खोलकर बैठकर गैर तलब है कि नगर पालिका मुख्यालय पर मुख्य ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी के पद पर भी आधिकारिक कार्यरत हैं लेकिन इस और कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है । वर्तमान में ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न प्रकार के रोग बढ़ते जा रहे हैं । मजबूर हो ग्रामीणों को इन झोलाछाप चिकित्सकों की शरण में जाकर इलाज लेने को मजबूर होना पड़ रहा है

### तीरंदाजी प्रतियोगिता आज

**निवाई।** जिला तीरंदाजी संघ के तत्वावधान में जिला स्तरीय सीनियर तीरंदाजी प्रतियोगिता का आयोजन रविवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय निवाई में किया जाएगा। एसोसिएशन के सचिव संजय शर्मा ने बताया कि इस प्रतियोगिता में टोंक जिले सहित आरए ए पोर्टल पर अनुमति प्राप्त खिलाड़ी पुरुष एवं महिला वर्ग में भाग ले सकेंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी खिलाडिय़ों को 18 जुलाई तक आरएए पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण अनिवार्य है। पंजीकरण करने के लिए राजस्थान तीरंदाजी संघ का यूआईडी नम्बर प्राप्त करना आवश्यक है। प्रतियोगिता में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाडिय़ों को पुरस्कृत किया जाएगा तथा चयनित खिलाड़ी 8 से 10 अगस्त को बीकानेर में आयोजित राज्य स्तरीय राजस्थान सीनियर तीरंदाजी चैंपियनशिप में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।

# किशनगढ़ में अतिक्रमण पर कठोर कदम, पहले समझाइश, नहीं माने तो सामान जब्त

किशनगढ़ बास में सचिव अजीत कुड़ी ने अधिकारियों की बैठक ली ।

■ बैठक में अधिकारियों ने विश्वास जताया कि प्रशासनिक सख्ती, कानूनी प्रक्रिया और जनसहयोग से किशनगढ़ बास को स्थायी रूप से अतिक्रमण मुक्त बनाया जा सकेगा

**किशनगढ़ बास।** शहर में निरीक्षण के बाद जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव अजीत कुड़ी ने बढ़ते अतिक्रमण पर कठोर कदम उठाते हुए उच्च स्तरीय बैठक की।

बैठक में तय किया पहले मुनादी और जनसंपर्क से हटाने का मौका दिया जाए, फिर भी नहीं माने तो कठोर कार्रवाई करें। इसके साथ संयुक्त निगरानी तंत्र भी बनाएं जाने की बात कही। शनिवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण खैरथल-तिजारा कार्यालय में जिला सचिव अजीत कुड़ी की अध्यक्षता में शहर में लगातार बढ़ रही अतिक्रमण की समस्या के स्थायी समाधान के लिए बैठक बुलाई गई।

बैठक में बार एसोसिएशन अध्यक्ष, चीफ एलएडीसी, नगर पालिका ईओ और प्रशासनिक अधिकारी शामिल हुए। बैठक में माना गया कि मुख्य बाजारों, सार्वजनिक मार्गों, चौराहों, फुटपाथों और सरकारी भूमि पर स्थायी-अस्थायी अतिक्रमण की गंभीर समस्या है।

अवैध कब्जों से आमजन, बुजुर्ग, महिलाएं, स्कूली बच्चे परेशान हैं। रोज जाम लगता है। व्यापार ठप होता है। एंबुलेंस और दमकल तक नहीं निकल पातीं है।

सचिव ने कहा कि नागरिकों को सुरक्षित और सुगम यातायात देना प्रशासन की जिम्मेदारी है। उन्होंने ने नगर पालिका को निर्देश दिए कि चिन्हित क्षेत्रों में बिना भेदभाव के अतिक्रमण हटाए जाए।

निर्देश दिए कि पहले चरण में समझाइश, जनसंपर्क और मुनादी से स्वेच्छा से हटाने का मौका देंवे बाद में नहीं हटाने पर कानूनी कार्रवाई करें। बार एसोसिएशन अध्यक्ष और चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल ने कहा कि कार्रवाई के साथ विधिक साक्षरता और जागरूकता अभियान भी चलाएं।

ताकि लोग खुद सार्वजनिक स्थानों को अतिक्रमण मुक्त रखें। सचिव की अध्यक्षता में तय हुआ कि दोबारा अतिक्रमण रोकने के लिए संयुक्त निगरानी तंत्र बनाया जाए। इसमें नगर पालिका, पुलिस और संबंधित विभाग रहेंगे। नियमित निरीक्षण कर अवैध कब्जों को तुरंत हटाया जाए।

सचिव ने कहा अतिक्रमण हटाना केवल प्रशासन की नहीं, हर नागरिक की जिम्मेदारी है।

इसके लिए नगर पालिका, पुलिस, विधिक सेवा प्राधिकरण, व्यापारियों और आमजन से अपील की कि शहर को स्वच्छ, सुंदर और अतिक्रमण मुक्त बनाने में अपना सहयोग देंवे ।

बैठक में अधिकारियों ने विश्वास जताया कि प्रशासनिक सख्ती, कानूनी प्रक्रिया और जनसहयोग से किशनगढ़ बास को स्थायी रूप से अतिक्रमण मुक्त बनाया जा सकेगा। इससे यातायात सुधरेगा, बाजार चलेंगे और लोगों को सुरक्षित माहौल मिलेगा।

## आचार्य सुन्दरसागर महाराज का मंगल प्रवेश आज

**निवाई।** सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में आचार्य सुन्दर सागर महाराज संघ का 23 पिच्छिकाओ के साथ रविवार को गाजे बाजे के साथ निवाई नगर में ऐतिहासिक एवं भव्य मंगल प्रवेश होगा। जिसकी तैयारियां जोर-शोर से युद्धस्तर पर की जा रही है। चातुर्मास कमेटी के प्रवक्ता सुनील भाणजा व राहुल बोहरा ने बताया कि आचार्य सुन्दर सागर महाराज ससंध का रविवार को निवाई में चातुर्मास करने के लिए मंगल पदार्पण होगा। जिसकी तैयारियां को लेकर निवाई शहर को दुल्हन की तरह सजाया गया है। मंगल प्रवेश का जुलूस रविवार को सुबह 7 बजे वर्धमान सर्विस सेंटर जमात से रवाना होते हुए जैन नसिया मंदिर, बिचला जैन मंदिर, बड़ा जैन मंदिर, बड़ा बाजार, चंद्रप्रभु जैन मंदिर, अहिंसा सर्किल, भगवान महावीर मार्ग होते हुए श्री शान्तिनाथ दिगम्बर जैन अठावाल मंदिर पहुचेगा। मंगल प्रवेश को लेकर जैन समाज में भारी उत्साह बना हुआ है। शोभायात्रा को लेकर नगर के प्रमुख मार्गों पर आकर्षक सजावट, रंगोलियां, होर्डिंग व धार्मिक ध्वजों से सजाया जा रहा है। शोभायात्रा में मंगल ध्वज, ढोल-नगाड़े, शहनाई वादक, 4 बैंड-बाजे, सुसज्जित हाथी, रथ, घोड़े, बगियों सहित हजारों श्रद्धालुओं की धर्ममय सहभागिता आकर्षण का केंद्र रहेगी। समाज द्वारा शहर में 101 से अधिक मंगल प्रवेश द्वार बनाए गए है।

जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा पाद प्रक्षालन करके अगवानी की जाएगी। उन्होंने बताया कि आचार्य सुन्दर सागर महाराज ससंघ 2026 का चातुर्मास निवाई में करेंगे। जिसकी तैयारियां जोर-शोर से की जा रही है। आचार्य सुन्दरसागर महाराज ससंघ के निवाई में आयोजित चातुर्मास में चार महीने की साधना के साथ सभी श्रद्धालुओं को भी आध्यात्मिक आत्म साधना का संचार होगा।

## अनंत का नीट यूजी-2025 में शानदार प्रदर्शन

**निवाई।** निवाई की शिवाजी कॉलोनी निवासी होनहार विद्यार्थी अनंत पारीक ने नीट यूजी-2025 परीक्षा में शानदार सफलता हासिल कर परिवार के साथ-साथ पूरे निवाई क्षेत्र का नाम रोशन कर दिया है। अनंत ने नीट यूजी-2025 परीक्षा में ऑल इंडिया रैंक 2840 तथा ऑल इंडिया ईडब्ल्यूएस में 253 वीं रैंक हासिल कर चिकित्सा शिक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। अनंत पारीक शिवाजी कॉलोनी निवासी समाजसेवी सागर पारीक एवं डॉ. इंदिरा पुरोहित के सुपुत्र तथा सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक मोहनलाल पारीक के पौत्र हैं। बेटे को सफल बनाने के लिए मां इंदिरा पुरोहित ने अपनी नौकरी छोड़ी और तीन साल तक सीकर में रहकर बेटे को तैयारी करवाई। इस उपलब्धि को हासिल करने में अनंत के माता-पिता का त्याग, समर्पण और वर्षों की तपस्या सबसे बड़ी प्रेरणा रही है।

## संगठन को सशक्त एवं सक्रिय बनाने का संकल्प

■ जिलाध्यक्ष ने घोषित की जिला कार्यकारिणी

**निवाई।** पारीक सेवा समिति के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष कमलेश पारीक ने समिति की जिला कार्यकारिणी घोषणा की है। कार्यकारिणी में समाज के सक्रिय एवं वरिष्ठ सदस्यों को विभिन्न पदों की जिम्मेदारी सौंपते हुए संगठन को और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने का संकल्प लिया गया।

जिलाध्यक्ष कमलेश पारीक ने बताया कि कार्यकारिणी में संरक्षक के पद पर रामचरण पारीक, सुरेश पारीक बीएड कॉलेज, मदनलाल पारीक बंबोर, शशिकांत पारीक, रामराय पारीक, लक्ष्मीकांत पारीक देवली, हनुमान पारीक रामका, हनुमान पारीक आमली, शिवशंकर पारीक देवली, देवीलाल पारीक वनस्थली, घनश्याम पारीक, रामजी जोशी टोडारायसिंह, गिर्राज पारीक एवं पुरुषोत्तम पारीक को मनोनीत किया गया। इसी प्रकार संयोजक पद पर विष्णु पारीक, उपाध्यक्ष पद पर भवानीशंकर पारीक, एडवोकेट दिनेश पारीक, सागर पारीक, सेवानिवृत्त तहसीलदार दिनेश पारीक, बालकृष्ण पारीक देवली, ओमप्रकाश पारीक लगन, राजेश पारीक दूनी, कन्हैयालाल पारीक टोंक, मधु पारीक मालपुरा, मुरलीधर पारीक टोडारायसिंह , सुरेश पारीक स्वामी, रवि पारीक सिरस, पवन पारीक पवन एजेंसी एवं बद्रीनारायण पारीक ठिकरिया को जिम्मेदारी दी गई।

महामंत्री पद पर अविनाश पारीक निवाई, कोषाध्यक्ष पद पर शिवप्रकाश पारीक बपुई तथा सह कोषाध्यक्ष के पद पर आनन्द पारीक को नियुक्त किया गया। संगठन मंत्री के के पद पर नरेन्द्र पारीक तिलांजू, पवन पारीक अलीगढ़, बनवारी पारीक दूनी एवं चंद्रशेखर पारीक खाजपुरा को मनोनीत किया गया।

## सीएनजी आउटलेट्स पर विशेष निरीक्षण अभियान

■ उपभोक्ताओं को सही माप व सही मात्रा मिली

**कोटपूतली।** खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री सुमित गोदारा के निर्देशानुसार प्रदेशभर में 13 जुलाई से 17 जुलाई 2026 तक सीएनजी आउटलेट्स पर विशेष निरीक्षण अभियान संचालित किया गया। अभियान का उद्देश्य उपभोक्ताओं के हितों की सुरक्षा, सही माप एवं सही मात्रा सुनिश्चित करना तथा विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 एवं उसके अधीन बनाए गए नियमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना रहा।

अभियान के तहत विधिक माप विज्ञान अधिकारी रमन यादव द्वारा जिले के विभिन्न सीएनजी आउटलेट्स का सघन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान आरएसजीएल, नीमराना, शहीद नरेंद्र फिलिंग स्टेशन, नीमराना, मोहिनी फिलिंग स्टेशन, सांगटेडा, आकाश फिलिंग स्टेशन, अंटेला, तिरुपति फ्यूल सेंटर, पावटा, सूरत सिंह इंडियन ऑयल, बहरोड़ तथा रामेश्वर दयाल महावीर प्रसाद, बानसूर का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान सीएनजी वितरण मशीनों का विधिक सत्यापन, सत्यापन प्रमाण-पत्रों की वैधता, आवश्यक अभिलेखों का परीक्षण तथा मानक मापों के माध्यम से उपभोक्ताओं को प्रदत्त सीएनजी की मात्रा की जांच की गई।

जांच में सभी निरीक्षित सीएनजी आउटलेट्स पर उपभोक्ताओं को निर्धारित मानकों के अनुरूप सही मात्रा में सीएनजी उपलब्ध कराई जाना पाया गया। साथ ही सत्यापन प्रमाण-पत्र एवं अन्य आवश्यक अभिलेख भी वैध पाए गए, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि आउटलेट्स पर विधिक माप विज्ञान अधिनियम एवं नियमों का पालन किया जा रहा है।

निरीक्षण के दौरान आरएसजीएल, नीमराना, शहीद नरेंद्र फिलिंग स्टेशन, नीमराना, मोहिनी फिलिंग स्टेशन, सांगटेडा तथा आकाश फिलिंग स्टेशन, अंटेला पर सत्यापन प्रमाण-पत्र निर्धारित स्थान पर प्रदर्शित नहीं पाए गए। संबंधित संचालकों को निर्धारित स्थान पर प्रमाण-पत्र प्रदर्शित करने के निर्देश दिए गए।

विधिक माप विज्ञान अधिकारी रमन यादव ने बताया कि विभाग उपभोक्ताओं को सही माप एवं सही मात्रा उपलब्ध कराने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

उपभोक्ता अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ऐसे विशेष निरीक्षण अभियान एवं नियमित जांच भविष्य में भी निरंतर जारी रहेगी तथा नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

## सामूहिक विवाह सम्मेलन की तैयारी

**निवाई।** खणदेवत रोड पर स्थित जांगिड ब्राह्मण समाज के छात्रावास में श्री विश्वकर्मा जांगिड़ ब्राह्मण समाज विकास समिति निवाई के तत्वावधान में सामूहिक विवाह सम्मेलन की तैयारियों को लेकर रविवार को सुबह 11 बजे बैठक आयोजित होगी। समिति अध्यक्ष राधेश्याम हरभगतपुरा बांसडा ने बताया कि बैठक में निःशुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन की तैयारियों को लेकर सम्मेलन अध्यक्ष व कार्यकारणी का मनोनयन करने सहित कई महत्वपूर्ण मुददों पर पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। उन्होंने बताया कि बैठक के उपरांत भगवान श्री विश्वकर्मा जी के भोग लगाकर प्रसादी वितरित की जाएगी।

## सार-समाचार

### अवैध बजरी खनन में सात ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

**टोंक।** पुलिस अधीक्षक रोशन मीना के निर्देशन में अवैध बजरी खनन व परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत विभिन्न थाना क्षेत्रों में अलग-अलग थाना पुलिस टीम ने कार्यवाही की है। इस कार्यवाही के दौरान थाना घाड पुलिस टीम ने एनएच-52 से कालानाडा कच्चे रास्ते अवैध बजरी का परिवहन कर रहे 6 ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को बजरी सहित जब्त किया है। इसी प्रकार थाना दूनी पुलिस ने बीसलपुर नहर के पास अवैध बजरी का परिवहन मामले में वर्ष 2024 से फरार चल रहे वांछित आरोपी ललित वैष्णव को गिरफ्तार किया तथा प्रतिबंधित क्षेत्र डील नदी में अवैध खनन करते हुए एक मॉडिफाइड लोडर को जब्त किया गया। वही थाना टोडारायसिंह पुलिस ने गश्त के दौरान अवैध रूप से बजरी का परिवहन कर रहे एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को बजरी सहित जब्त कर चालको के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया।

### चेक अनादरण मामलों के लिए विशेष लोक अदालत का आयोजन

**सांभरझील, (निसं)।** राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (जिला एवं सेशन न्यायाधीश ) माधवी दिनकर, जयपुर जिला के निर्देशन में अध्यक्ष , तालुका विधिक सेवा समिति (अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश क्र.सं. ,(1) अरविन्द कुमार जांगिड के निर्देशानुसार प्रथम विशेष लोक अदालत का आयोजन शनिवार को न्यायालय परिसर में किया गया। चेक अनादरण से संबंधित मामलों एवं प्रीलिटिगेशन मामलों के निस्तारण हेतु आयोजित इस लोक अदालत के लिए गठित बेंच नंबर 6 की अध्यक्षता डॉ0 नीलम सुलभ जैन, वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, सांभर लेक ने की , जिसमें सदस्य पैनल अधिवक्ता निशांत शर्मा रहे। न्यायालय में लंबित चेक अनादरण के मामलो व बैंकों के प्री लीटिगेशन मामलों पर सुनवाई करते हुए 21 प्रकरणों का निस्तारण कर 42,78,662/- रुपए के अवार्ड पारित किए गए। इस अवसर पर सचिव, तालुका विधिक सेवा समिति, रणजीत सिंह राठौड़, लीगल एड असिस्टेंट चान्दमल सांभरिया, जितेंद्र सिंह तंवर, नरेंद्र, खेतराम वर्मा, रामस्वरूप चौधरी, चंद्रवीर सिंह, मनोहर, उमेश चंद सांभरिया, पैरा लीगल वालंटियर राकेश सोनी, शंकर लाल छंदवाल, कैलाश चंद माली सहित विभिन्न बैंकों के अधिकारीगण प्रतिनिधिगण आदि उपस्थित रहे।

### अभियान में पौधे लगाए

**कोटपूतली ।** यहां के राजकीय एलबीएस पी जी महाविद्यालय में भाजपा मंडल कोटपूतली शहर द्वारा एक पेड़ मां के नाम एवं हरियालो राजस्थान अभियान के तहत भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा नेता यादराम जांगल ने कहा कि निरंतर बढ़ते प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग के दौर में धरती को हरा-भरा बनाना और पर्यावरण को सुरक्षित रखना बेहद ज़रूरी है। इसी उद्देश्य से भारतीय जनता पार्टी देश भर में इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित कर आमजन को जागरूक कर रही है। जांगल ने आ ान किया कि हम सभी को केवल पेड़ लगाने तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उनके बड़े होने तक उनकी सुरक्षा की पूरी जिम्मेवारी भी लेनी चाहिये। प्राचार्य प्रो. आर. के. सिंह ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि मानव जीवन को सुरक्षित रखने और पर्यावरण संतुलन के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाने की आवश्यकता है। युवा पीढ़ी को इस मुहिम से बढ-चढ़कर जुड़ना चाहिये। पूर्व चैयरमैन एड. महेन्द्र कुमार सैनी ने भी आगामी वर्षा के मौसम को देखते हुये अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने के लिये प्रेरित किया। मण्डल अध्यक्ष अरुण सैनी ने कहा कि पेड़ पौधे हमारे जीवन का आधार हैं। उन्होंने प्रत्येक कार्यकर्ता से कम से कम एक पौधा लगाने और उसकी उचित देखरेख करने का संकल्प लेने की बात कही।

### नकबजनी के आरोप में दो मुल्जिम पकड़े

**चौमूं / कालाडेरा ।** कालाडेरा थाना पुलिस की बड़ी कार्रवाई ग्राम पंचायत डोला का बास मे हुई नकबजनी का किया खुलासा। नकबजनी के आरोप मे दो मुल्जिमो को किया गिरफ्तार, घटना मे चोरी गया सामान किया बरामद। जयपुर ठाामीण पुलिस अधीक्षक हनमान प्रसाद मीणा के निर्देशानुसार जयपुर ठाामीण अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) नीरज पाठक व वृताधिकारी वृत गोविन्दगढ़ शिवा शर्मा के सुपरविजन में कालाडेरा थानाधिकारी पूजा पूनिया के नेतृत्व में इलाका थाना में हुयी चोरी नकबजनी की वारदात को खोलने के लिये विशेष टीम गठित की जाकर थाना हाजा ने बीएनएस में मुल्जिमान निर्मल यादव व जितेन्द्र स्वामी को गिरफ्तार किया । 26 मई 2026 को परिवादी सुल्तान राम बुनकर पुत्र भैरू राम निवासी बाई का बास थाना कालाडेरा ने उपस्थित थाना होकर एक रिपोर्ट इस आशय कि पेश की कि अज्ञात व्यक्तियो ने ठाम पंचायत डोला का बास से बैट्री, इन्वेटर, ताले, लेपटोप, चार्जर आदि सामान चोरी कर ले गये ।

## पेड़ लगाना ही नहीं, बचाना भी जिम्मेदारी है : शैलेन्द्र व्यास

■ विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में न्यायिक अधिकारियों ने बास कृपाल नगर कृषि महाविद्यालय में पेड़ लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया

**किशनगढ़ बास।** जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश शैलेंद्र व्यास ने कहा प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन से लड़ने का एकमात्र उपाय ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाना और उन्हें बचाना है।

अवसर था किशनगढ़ बास के कृषि महाविद्यालय बास कृपाल नगर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में जिला जज शैलेन्द्र व्यास के जन्म दिवस पर आयोजित वृहद पौधरोपण का जहां जिला जज व्यास व विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव अजीत कुड़ी सहित न्यायिक अधिकारियों ने पौधारोपण कर अभियान का शुभारंभ किया।

शनिवार को राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन में व जिला जज शैलेन्द्र व्यास के जन्म दिवस पर कृषि महाविद्यालय, बास कृपाल नगर में पौधरोपण कार्यक्रम हुआ।

मुख्य अतिथि जिला एवं सत्र न्यायाधीश शैलेंद्र व्यास रहे। इस अवसर पर उन्होंने ने कहा पर्यावरण बचाना हर नागरिक की जिम्मेदारी है। पेढ़ केवल लगाएं नहीं, उनके संरक्षण का संकल्प भी लें। तभी आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित रहेगा। जिला सचिव एवं अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश अजीत कुड़ी ने कहा कि वृक्षारोपण अभियान नहीं, बल्कि भविष्य को सुरक्षित करने की दिशा में कदम है। न्यायिक अधिकारियों ने पर्यावरण संरक्षण को सामाजिक दायित्व बताकर सभी से सक्रिय भागीदारी की अपील की।

कार्यक्रम में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सीमा कुमारी, एसीजेएम डॉ. सुरभि सिंह, सिविल न्यायाधीश खुशबू कंवरिया, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एम.पी. यादव, क्षेत्रीय वन अधिकारी सतीश नरूका, बार एसोसिएशन अध्यक्ष राकेश तिवाडी, सचिव रविंद्र तक्षक, एडवोकेट रामनिवास, एडवोकेट अर्पित शर्मा, एडवोकेट चंद्रवीर सिंह समेत कई न्यायिक अधिकारी, अधिवक्ता, महाविद्यालय स्टाफ और पीएलवी ने विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए।

इस दौरान मौजूद सभी ने पौधों की नियमित देखभाल और लगातार वृक्षारोपण का संकल्प लिया और जिला जज शैलेन्द्र व्यास को जन्म दिवस की शुभकामनाएं दी।

## व्यापारियों, किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए पुलिस कटिबद्ध : रोशन मीणा

**निवाई।** कृषि उपज मंडी स्थित भगवान लक्ष्मीनारायण मंदिर में जिला पुलिस प्रशासन व व्यापार जगत संवाद कार्यक्रम आयोजित हुआ।

संवाद में एसपी मीणा ने कहा कि मंडी परिसर में किसी भी व्यापारियों, किसानों व पल्लेदरों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं हो। जिसके लिए पुलिस कटिबद्ध है। उन्होंने व्यापारियों की मांग पर मंडी परिसर में स्थाई पुलिस चौकी खोलने की स्वीकृति दी। इस दौरान उन्होंने व्यापारियों को कहा कि किसी की जमीन पर यदि किसी भू-माफिया ने अवैध कब्जा कर रखा है, उसकी सूचना पुलिस को देवें।

जिस पर तत्काल कार्रवाई की जा सके। उन्होंने व्यापारियों को कहा कि सभी व्यापारी अपनी लेबर व अपने कर्मचारियों का पुलिस वेरीफेकिशन जरूर करवाएं। जिससे भविष्य में होने वाले क्राईम पर अंकुश लग सके। मंडी में व्यापारियों के साथ रूपयों के लेन-देन में धोखाधडी होने पर उसकी सूचना पुलिस को देवें जिससे समय पर कार्रवाई हो सके। डीवाईएसपी रविप्रकाश शर्मा ने व्यापारियों का आ ान करते हुए कहा कि सभी व्यापारी अपने प्रतिष्ठानों पर उच्च क्वालिटी के केमरे लगवाएं जिससे किसी भी व्यापारी व किसानों के साथ कोई अपराध व दुर्घटना होने पर उसकी आसानी से पहचान की जा सकेगी। उन्होंने व्यापारियों को अपने श्रमिकों का दुर्घटना बीमा करवाना चाहिए।

# कोटपुतली के शिव मंदिर तालाब बावड़ी पर जनसहभागिता से चला श्रमदान अभियान

कोटपुतली के शिव मंदिर तालाब बावड़ी में श्रमदान कर ऐतिहासिक जल धरोहर का पुनर्जीवन का प्रयास किया।

■ श्रमदान से ऐतिहासिक जल धरोहरों का पुनर्जीवन होगा

**कोटपूतली।** ऐतिहासिक जल स्त्रोतों के संरक्षण, स्वच्छता के प्रति जन-जागरूकता तथा जनभागीदारी को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन कोटपूतली-बहरोड एवं नगर परिषद कोटपूतली द्वारा यूनिसेफ तथा बावडी बाईसा के सहयोग से शनिवार प्रातः शिव मंदिर तालाब बावड़ी (गंगा सागर तालाब) कोटपूतली में विशेष जागरूकता एवं स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। प्रातः 7:30 बजे से 9:00 बजे तक चले इस अभियान में सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं, युवाओं, विद्यार्थियों, भारत स्काउट एवं गाइड, एनसीसी, स्वच्छता सेवा दल, लायंस क्लब, पत्रकारों तथा बड़ी संख्या में शहरवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर सामूहिक श्रमदान किया।

अभियान के दौरान ऐतिहासिक बावड़ी परिसर में व्यापक स्वच्छता गतिविधियां संचालित की गईं तथा जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता से जुडे संदेशों के माध्यम से आमजन को जागरूक किया गया। प्रतिभागियों ने श्रमदान कर यह संदेश दिया कि जल धरोहरों का संरक्षण केवल प्रशासन का दायित्व नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है।

जिला कलेक्टर अपर्णा गुप्ता ने कहा कि जल संरक्षण आज केवल पर्यावरण का विषय नहीं, बल्कि मानव जीवन, कृषि, जैव विविधता और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य से जुड़ा सबसे महत्वपूर्ण दायित्व है। राजस्थान जैसे जल-संवेदनशील प्रदेश में प्रत्येक बूंद का संरक्षण आवश्यक है। हमारी ऐतिहासिक बावड़ियां, तालाब, कुएं और अन्य पारंपरिक जल स्त्रोत केवल स्थापत्य कला के उत्कृष्ट उदाहरण नहीं हैं, बल्कि सदियों से जल प्रबंधन की समृद्ध भारतीय परंपरा के जीवंत प्रतीक रहे हैं। इनका संरक्षण करना हमारी सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखने के साथ-साथ जल संकट के स्थायी समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में तेजी से गिरते भू-जल स्तर, अनियोजित जल दोहन तथा बदलती जलवायु परिस्थितियों को देखते हुए जल संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देना समय की सबसे बडी आवश्यकता है।

प्रशासन द्वारा जल स्त्रोतों के संरक्षण, पुनर्जीवन एवं स्वच्छता के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन इन प्रयासों की वास्तविक सफलता तभी संभव है जब समाज का प्रत्येक वर्ग इसमें सहभागी बने।

जब नागरिक स्वयं अपने आसपास स्थित तालाबों, बावड़ियों एवं अन्य जल स्त्रोतों की स्वच्छता और संरक्षण का संकल्प लेते हैं, तभी स्थायी परिवर्तन संभव होता है। जिला कलेक्टर ने कहा कि श्रमदान केवल स्वच्छता का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व, सामूहिक चेतना और जनभागीदारी का सशक्त प्रतीक है।

आज इस अभियान में युवाओं, विद्यार्थियों, स्वयंसेवी संस्थाओं, सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों तथा आम नागरिकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि समाज जल संरक्षण के प्रति जागरूक हो रहा है।

उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल एक दिवसीय कार्यक्रम नहीं, बल्कि जल धरोहरों के संरक्षण का सतत जनआंदोलन है, जिसे प्रत्येक नागरिक के सहयोग से निरंतर आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने आमजन से वर्षा जल संचयन को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने, जल का विवेकपूर्ण उपयोग करने, जल स्त्रोतों में गंदगी एवं प्लास्टिक कचरा न डालने तथा अपने गांव, मोहल्ले एवं शहर की पारंपरिक जल संरचनाओं के संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने का आव्हान किया।

उन्होंने कहा कि यदि प्रशासन और समाज मिलकर इसी प्रकार निरंतर प्रयास करते रहे तो न केवल जिले की ऐतिहासिक जल धरोहरों का पुनर्जीवन होगा, बल्कि भू-जल स्तर में सुधार, पर्यावरण संरक्षण और भावी पीढियों के लिए सुरक्षित जल भविष्य सुनिश्चित करने का लक्ष्य भी सफलतापूर्वक प्राप्त किया जा सकेगा।

उन्होंने सभी सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं, शिक्षण संस्थानों, व्यापारिक संगठनों तथा युवाओं से आठाह किया कि वे समय-समय पर आयोजित ऐसे श्रमदान एवं स्वच्छता अभियानों से जुड़कर जल संरक्षण को जनभागीदारी का सशक्त आंदोलन बनाएं। अतिरिक्त जिला कलक्टर ओमप्रकाश सहारण ने कहा कि राजस्थान की बावड़ियां केवल जल संठाहण संरचनाएं नहीं, बल्कि हमारी समृद्ध सांस्कृतिक एवं स्थापत्य विरासत की अमूल्य धरोहर हैं। वर्षों पूर्व निर्मित इन जल स्त्रोतों ने जल संकट के समय समाज को संबल प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में लगातार गिरते भू-जल स्तर को देखते हुए इन पारंपरिक जल स्त्रोतों का संरक्षण और पुनर्जीवन अत्यंत आवश्यक है।

# वीकेआई में मिलावटी हल्दी-मिर्च का 6273 किलो स्टॉक जब्त

## खाद्य सुरक्षा विभाग ने फैक्ट्री का फूड लाइसेंस निरस्त करने की प्रक्रिया शुरू की

-कार्यालय संवाददाता-

**जयपुर**। खाद्य सुरक्षा विभाग ने "शुद्ध आहार-मिलावट पर वार" अभियान के तहत विश्वकर्मा इंडस्ट्रियल एरिया (वीकेआई) में मिलावटी मसालों के निर्माण के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक मसाला पिसाई केंद्र को सीज कर दिया। साथ ही विभाग के अधिकारियों ने मौके से 6273 किलोग्राम हल्दी और लाल मिर्च पाउडर का स्टॉक सीज किया है। साथ ही फैक्ट्री का खाद्य लाइसेंस निरस्त करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

अभिहित अधिकारी जयपुर प्रथम डॉ. रवि शेखावत ने बताया कि खाद्य सुरक्षा अधिकारी जयपुर प्रथम की टीम ने विश्वकर्मा इंडस्ट्रियल एरिया (वीकेआई) स्थित प्लॉट नंबर डी-238, रोड नंबर 9ए पर संचालित राजेंद्र इंटरप्राइजेज मसाला पिसाई केंद्र पर छापा मारा।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने विश्वकर्मा इंडस्ट्रियल एरिया में मिलावटी मसाला मसाला पिसाई केंद्र को सीज किया।

इस कार्रवाई के दौरान प्रतिष्ठान संचालक राजेंद्र सिंह के यहां से हल्दी पाउडर और लाल मिर्च पाउडर के नमूने जांच के लिए लिए गए। जबकि शेष 6 हजार 273 किलोग्राम मसालों के स्टॉक को मौके पर ही सीज कर दिया गया।

अभिहित अधिकारी डॉ. रवि शेखावत ने बताया कि संबंधित संचालक पहले भी मिलावटी मसालों के निर्माण और व्यापार में संलिप्त पाया जा चुका है। विभागीय रिकॉर्ड के अनुसार 10 जुलाई 2022 को लिए गए लाल मिर्च पाउडर के नमूने जांच में असुरक्षित पाए गए थे। इस मामले में 6 जनवरी 2023 को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट जयपुर द्वितीय की

- **इस फैक्ट्री से वर्ष 2022 और 2025 में लिए गए नमूने भी जांच में असुरक्षित पाए गए थे**

अदालत में परिवाद प्रस्तुत किया जा चुका है, जो वर्तमान में विचाराधीन है। उन्होंने बताया कि इसी तरह 17 अक्टूबर 2025 को लिए गए हल्दी पाउडर के नमूने भी जांच में असुरक्षित पाए गए थे। इस मामले में भी न्यायालय में परिवाद प्रस्तुत करने की कार्रवाई प्रक्रियाधीन है। डॉ. शेखावत ने बताया कि एक ही प्रतिष्ठान से बार-बार असुरक्षित मसालों के निर्माण के तथ्य सामने आने के कारण फैक्ट्री को सीज कर दिया गया है। इसके साथ ही प्रतिष्ठान का खाद्य लाइसेंस निरस्त करने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। वहीं खाद्य सुरक्षा-मानक अधिनियम, 2006 की धारा 64 के तहत भी कठोर कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी।

## जिम ट्रेनर ने फंदा लगाकर जान दी

**जयपुर**। अशोक नगर थाना क्षेत्र के सी-स्कीम में एक बीस वर्षीय जिम ट्रेनर ने कमरे में चुन्नी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना का पता तब चला,जब उसका रूम पार्टनर वापस लौटा और काफी देर तक दरवाजा नहीं खुलने पर मकान मालिक व पडौसियों की मदद से दरवाजा तोड़ा। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

एएसआई राम कुमार ने बताया कि मृतक की पहचान मध्यप्रदेश के रतलाम निवासी हर्षित परमार (20) के रूप में हुई है। जो रमेश मार्ग सी-स्कीम स्थित एक कमरे में रूम पार्टनर के साथ किराए पर रहकर जिम ट्रेनिंग का काम करता था। एएसआई के अनुसार घटना के दौरान हर्षित मकान मालिक से टिफिन लेकर अपने कमरे में चला गया था। उसी दौरान उसका रूम पार्टनर किसी काम से अजमेर गया हुआ था। इस दौरान हर्षित ने कमरे में चुन्नी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। रूम पार्टनर के वापस लौटने पर कमरे का दरवाजा अंदर से बंद मिला। काफी देर तक आवाज लगाने और दरवाजा खटखटाने के बावजूद कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर उसने मकान मालिक और पड़ोसियों की मदद से दरवाजा तोड़ा और अंदर जाकर देखा तो हर्षित फंदे से लटका हुआ था।

# आरएमएससीएल की दवा खरीद व गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली को भारत सरकार ने सराहा

**जयपुर**। भारत सरकार के रसायन और उर्वरक मंत्रालय के औषध विभाग के सचिव मनोज जोशी ने राजस्थान मेडिकल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आरएमसीएल) के माध्यम से रोगियों को सस्ती दर पर जीवन रक्षक दवाएं उपलब्ध कराने के लिए अपनाई जा रही खरीद प्रणाली की सराहना की है। उन्होंने कहा है कि इसके माध्यम से रोगियों को गुणवत्ता युक्त दवाएं कम कीमत पर उपलब्ध हो रही हैं। इससे उन पर आर्थिक भार कम हुआ है। जोशी ने शनिवार को शासन सचिवालय में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास एवं आरएमएससीएल के अधिकारियों के साथ बैठक में दवाओं की खरीद, गुणवत्ता नियंत्रण एवं वितरण व्यवस्था पर चर्चा की।

बैठक में मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेशवासियों को सस्ती, सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

जिला अस्पतालों से लेकर उप-स्वास्थ्य केंद्रों तक प्रत्येक स्तर पर आवश्यक दवाओं एवं चिकित्सा उपकरणों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है, ताकि आमजन

- **'प्रदेश के मरीजों को मिल रहा सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाओं का लाभ'**

को समय पर उपचार मिल सके।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि आरएमएससीएल के माध्यम से दवा वितरण केंद्रों पर बाजार भाव की तुलना में कम कीमत पर गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं और प्रतिदिन 19 हज़ार केंद्रों पर लगभग 3.60 लाख लोगों को दवाई उपलब्ध करवाई जाती हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के प्रभावी प्रयासों का ही परिणाम है कि औषधि एवं टीका वितरण प्रबंधन प्रणाली के केंद्रीय डैशबोर्ड पर मई माह के आंकड़ों के अनुसार राजस्थान देश में दूसरे स्थान पर है।

आरएमएससीएल के प्रबंध निदेशक पुखराज सैन ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से दवाओं एवं चिकित्सा उपकरणों की खरीद प्रक्रिया, भंडारण, बाजार दरों से तुलना तथा गुणवत्ता नियंत्रण व्यवस्था की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि औषधियों एवं चिकित्सा उपकरणों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए जारी करने से पहले द्विस्तरीय गुणवत्ता परीक्षण (डबल-लेयर्ड क्वालिटी कंट्रोल) किया जाता है। औषधि परीक्षण प्रयोगशालाओं का चयन कंप्यूटरीकृत रैंडम प्रणाली से किया जाता है तथा सभी जैविक (बायोलॉजिकल) उत्पादों के लिए एनआईबी परीक्षण अनिवार्य है।

उन्होंने बताया कि पैनलबद्ध औषधि परीक्षण प्रयोगशालाओं का नियमित निरीक्षण भी किया जाता है। गुणवत्ता की सतत निगरानी के लिए इन प्रयोगशालाओं द्वारा जांचे गए औषधि नमूनों में से 10 प्रतिशत नमूनों का रैंडम रूप से पुनः परीक्षण कराया जाता है, जिससे दवाओं की गुणवत्ता एवं निर्धारित मानकों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित हो सके। बैठक में वित्त (व्यय) विभाग की शासन सचिव टीना सोनी, चिकित्सा शिक्षा विभाग के आयुक्त बाबूलाल गोयल, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के मिशन निदेशक डॉ. रविप्रकाश, चिकित्सा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी तथा केंद्र सरकार के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

# ईवी वाहन के कीमती पार्ट्स चुराने वाला मिस्त्री गिरफ्तार

**जयपुर**। बगरू थाना पुलिस ने इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) के कीमती पार्ट्स चोरी करने के मामले का खुलासा करते हुए एक आरोपित मिस्त्री को उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने करीब 450 किलोमीटर तक पीछा कर आरोपी को दबोचा और उसके कब्जे से करीब 6 लाख रुपए का चोरी का सामान तथा वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की है। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि बगरू थाना पुलिस ने इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) के कीमती पार्ट्स चोरी करने के मामले मोहम्मद शहजाद (51) निवासी अंसारियान मुजफ्फरनगर (उत्तर प्रदेश) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया लगभग पूरा सामान बरामद कर लिया है। बरामद सामान में टाटा नेक्सॉन का ईवी बैटरी चार्जर, ईसीएम, बीसीएम, बैटरी फ्यूज, कार की चाबी, क्लॉक स्प्रिंग, किया कार की एक चाबी तथा चोरी की गई स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल (आरजे 14 एचई 3409) शामिल है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। जांच में यह भी पता लगाया जा रहा है कि उसने इससे पहले भी इस प्रकार की अन्य वारदातों को अंजाम दिया है या नहीं।

बगरू थानाधिकारी राजेंद्र कुमार गोदारा ने बताया कि परिवादी विकास कुमावत ने 15 जुलाई 2026 को बगरू थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 14 जुलाई की सुबह जब वह अपने वर्कशॉप पहुंचा तो वहां काम करने वाला मिस्त्री (डेंटर) मोहम्मद शहजाद उर्फ बब्बू गायब था। जांच करने पर वर्कशॉप से टाटा नेक्सॉन ईवी का चार्जर, इमोबिलाइजर, बैटरी फ्यूज, ईसीएम, बीसीएम फ्यूज बॉक्स, एयरबैग तथा कार की चाबी सहित करीब छह लाख रुपए का सामान गायब मिला। साथ ही उसकी स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल (आरजे 14 एचई 3409) भी नहीं मिली। वहीं सीसीटीवी फुटेज की जांच में सामने

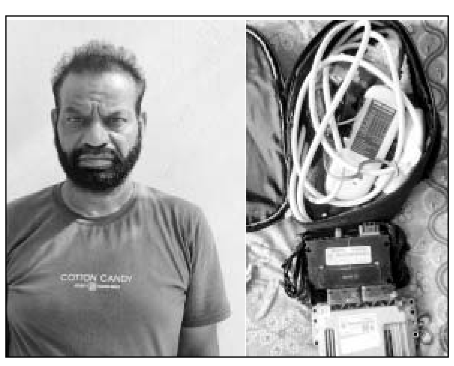

बगरू थाना पुलिस ने वाहन के पार्ट्स चुराने वाले आरोपी मोहम्मद शहजाद को गिरफ्तार कर चोरी का माल बरामद किया।

- **पुलिस ने आरोपी से 6 लाख का चोरी का माल और बाइक बरामद की**

आया कि मिस्त्री ही सामान चोरी कर ले गया था। बाद में आरोपी ने परिवादी को संदेश भेजकर मोटरसाइकिल सिंधी कैंप पार्किंग में खडी होने की जानकारी दी और बाकी सामान लौटाने के बदले 50 हजार रुपए की मांग की। साथ ही रुपए नहीं देने पर सामान बेचने की धमकी भी दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस की विशेष टीम गठित की गई।

टीम में हेड कांस्टेबल गजेंद्र सिंह तथा कांस्टेबल हंसाराम और शैतान सिंह को शामिल किया गया। तकनीकी साक्ष्यों और उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर स्थित सिविल लाइंस थाना पुलिस के सहयोग से टीम ने आरोपी के ठिकाने का पता लगाते हुए उसे धर-दबोचा।

## लापरवाही से व्हील अलाइनमेंट करने पर सर्विस सेंटर पर हर्जानाा

**जयपुर**। जिला उपभोक्ता आयोग महानगर प्रथम ने व्हील अलाइमेंट के दौरान लापरवाही करने और ग्राहक की शिकायत को नजरअंदाज करने पर जयपुर टायर केयर पर 6000 रुपए का हर्जाना लगाया है। साथ ही आयोग ने अलाइनमेंट और गाड़ी ठीक कराने के लिए खर्च किए 3901 रुपए भी ब्याज सहित परिवादी को लौटाने के आदेश दिए है। आयोग ने यह आदेश संदीप कुमार सौगानी की ओर से दायर परिवाद पर सुनवाई करते हुए दिए। परिवाद में अधिवक्ता महेंद्र कुमार ने बताया कि परिवादी ने 4 जुलाई, 2023 को विपक्षी फर्म से अपनी कार का व्हील अलाइमेंट और बैलेंसिंग 859 रुपए खर्च कर कराई। इसके बाद गाडी चलाने के दौरान कार से अजीब से आवाज आने लगी। परिवादी ने इसकी शिकायत की तो सेंटर के संचालक ने बारिश का हवाला देकर उसे वापस भेज दिया। शिकायत बढ़ने पर परिवादी ने कार को अधिकृत सर्विस सेंटर पर चेक कराया। यहां टेक्नीशियन ने बताया कि व्हील अलाइनमेंट के दौरान पहिए के बोल्ट को इतना तेज कहा गया था कि इंजन, सस्पेंशन और टायर थामने वाले मेटल क्रॉस फ्रेम के दो बडे बोल्ट के माथे टूट गए थे। इस पर गाडी ठीक कराने के लिए अलग से 3901 रुपए खर्च करने पडे। दूसरी ओर सर्विस सेंटर की ओर से कहा गया कि गाडी के किसी बडे पत्थर के टकराने से बोल्ट टूटे होंगे।

## कैंसर पीड़ित पत्नी के शिक्षक पति के तबादला आदेश पर रोक

**जयपुर** (कासं)। राजस्थान सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण ने कैंसर की बीमारी से पीडित पत्नी के शिक्षक पति को राहत देते हुए उसके 270 किलोमीटर दूर किए तबादला आदेश की क्रियान्विति पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अधिकरण ने कहा है कि अपीलार्थी विभाग के सक्षम अधिकारी के समक्ष इस संबंध में अपना अभ्यावेदन पेश करे और विभाग उस पर सहानुभूतिपूर्वक एक माह में निर्णय करे। अधिकरण ने यह आदेश हरिराम बैरवा की अपील पर दिए।

अपील में बताया कि अपीलार्थी की पत्नी गंभीर रूप से स्तन कैंसर से पीडित है। इसके अलावा वह सेवानिवृत होने में भी दो साल से कम समय बचा है। पत्नी की देखभाल की पूरी जिम्मेदारी अपीलार्थी पर है। इसके बावजूद भी विभाग ने गत दिनों उसका तबादला सवाई माधोपुर से धौलपुर कर दिया। ऐसे में तबादला आदेश को रद्द किया जाए। जिसके जवाब में शिक्षा विभाग की ओर से कहा गया कि अपीलार्थी का तबादला प्रशासनिक सुधार एवं समन्वयक विभाग के 19 जून 2026 के आदेश के तहत प्रशासनिक जरूरतों के चलते किया गया है। किसी भी कर्मचारी को लंबे समय तक एक जगह कार्यरत नहीं रखा जा सकता। जिस पर सुनवाई करते हुए अधिकरण ने तबादला आदेश की क्रियान्विति पर रोक लगा दी है।

## 'डेढ़ माह में 17 हजार प्रकरणों पर सुनवाई'

**जयपुर**। जयपुर विकास प्राधिकरण में दैनिक जनसुनवाई व्यवस्था के माध्यम से बीते डेढ़ माह में 17 हजार से अधिक प्रकरणों पर आमजन की सुनवाई करके मामलों का निस्तारण किया गया है। जेडीए आयुक्त सिद्धार्थ महाजन ने बताया कि लगभग 200 अधिकारी एवं कार्मिक प्रत्यक्ष रूप से आमजन की समस्याएँ सुन रहे हैं तथा उनका प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित कर रहे हैं। परिणामस्वरूप डेढ़ माह की अवधि में 17 हजार से अधिक प्रकरणों की सुनवाई की जा चुकी है। साथ ही लगभग 500 प्रकरणों में ई-सुनवाई की गई। आंकड़ों के अनुसार जून माह में लगभग 10 हजार तथा जुलाई माह में अब तक लगभग 7 हजार प्रकरणों की सुनवाई की गई है। वहीं, 13 से 17 जुलाई के बीच केवल 5 दिनों में ही 2325 प्रकरणों पर सुनवाई कर आवश्यक कार्यवाही प्रारंभ की गई।

जेडीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्रत्येक प्रकरण का गंभीरता से परीक्षण करते हुए गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें, ताकि नागरिकों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पडे। उन्होंने बताया कि प्राधिकरण का उद्देश्य केवल शिकायतों का निस्तारण करना नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की समस्या का संवेदनशीलता, पारदर्शिता, गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ स्थायी समाधान सुनिश्चित करना है।

## सार-समाचार

### 50 वर्ष पुराने स्नातकों का पुनर्मिलन

**जयपुर**। महाराजा कॉलेज के 50 वर्ष पुराने स्नातकों का पुनर्मिलन समारोह शनिवार को जयपुर में आयोजित हुआ। आधी सदी यानि करीब (50 साल) बाद पूर्व छात्र शनिवार को रोड नंबर 9, विश्वकर्मा इंडस्ट्रियल एरिया स्थित विश्वकर्मा रिक्रिएशन क्लब में इकट्ठे हुए। आयोजन समिति के सदस्य प्रमोद खंडेलवाल, इकबाल सिंह और नर सिंह स्वर्णकार ने बताया कि इस विशेष दिन की शुरुआत दोपहर के स्नेहभोज के साथ हुई। इसके पश्चात, पुरानी यादों को ताजा करने के लिए विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक एवं मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित हुए। समारोह में देश-विदेश से कॉलेज के पुराने सहपाठी शामिल होकर अपने छात्र जीवन के अनुभवों और सुनहरे पलों को याद किया। इस मौके पर पूर्व महापौर अशोक परनामी, न्यायमूर्ति बनवारी लाल शर्मा, एन.के.शर्मा, अध्यक्ष, राजस्थान नियोक्ता संघ और जर्मनी से जुल्फिकार अहमद ने समारोह में भाग लिया। हरि मोहन शर्मा को सुंदर इवेंट मैनेजमेंट का श्रेय दिया गया।

### पिंक ड्राइव से दिया स्वच्छता का संदेश

**जयपुर**। समुदाय आधारित नागरिक पहल जयपुर-बाय-जयपुराइट्स की ओर से सुबह पिंक ड्राइव 2.0 का आयोजन किया गया। यह प्लॉगिंग एवं स्वच्छता अभियान सुबह 6 बजे से 8 बजे तक सिंधी कैंप के प्लेटफॉर्म-1 से शुरू हुआ। 7 जून को आयोजित पहली पिंक ड्राइव की सफलता के बाद आयोजित इस दूसरे अभियान की थीम "स्वच्छ शहर, बेहतर कल" रही। अभियान में 6 वर्ष से लेकर 70 वर्ष तक की आयु के करीब 50 स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी ने सिंधी कैंप और आसपास के क्षेत्रों में फैले कचरे को एकत्रित कर स्वच्छता का संदेश दिया और नागरिक जिम्मेदारी निभाने का संकल्प लिया। इस अभियान का उद्देश्य लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना और जयपुर को देश का सबसे स्वच्छ शहर बनाने के लिए सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देना था। अभियान के दौरान सभी स्वयंसेवकों को सुरक्षा जैकेट, डिस्पोजेबल मास्क और दोबारा उपयोग किए जा सकने वाले दस्ताने उपलब्ध कराए गए, ताकि वे सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से स्वच्छता अभियान में भाग ले सकें। इस अभियान को सिंधी कैंप बस स्टैंड के मुख्य प्रबंधक राकेश राय तथा सिंधी कैंप के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का भी पूरा सहयोग मिला, जिनके समर्थन से यह स्वच्छता अभियान सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

### संस्कृत विवि. में सिंडीकेट की बैठक

**जयपुर**। जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद (सिंडीकेट) की बैठक शनिवार को कुलपति प्रो. मदनमोहन झा की अध्यक्षता में हुई। बैठक में शिक्षकों की पदोन्नित, आठवें दीक्षांत समारोह तथा नवीन पाठ्यक्रमों सहित अनेक महत्वपूर्ण प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की गई। कुलसचिव डॉ. गुंजन सोनी ने बताया कि राज्यपाल की अध्यक्षता में 7 सितंबर को होने वाले विश्वविद्यालय के आठवें दीक्षांत समारोह में दिए जाने वाले स्वर्ण पदकों एवं डिग्रियों के प्रस्ताव को कार्य परिषद ने अनुमोदित किया। बैठक में कैरियर एडवांसमेंट स्कीम के अंतर्गत विश्वविद्यालय के सह-आचार्य डॉ. राजधर मिश्र, डॉ. विनोद कुमार शर्मा और डॉ. माताप्रसाद शर्मा को प्रोफेसर पद पर पदोन्नत करने की स्वीकृति दी गई। विश्वविद्यालय परिसर तथा प्रदेश के संस्कृत महाविद्यालयों में मौजूदा शैक्षिणक सत्र से लागू किए जाने वाले नवीन पाठ्यक्रमों को भी मंजूरी प्रदान की गई। बैठक में विश्वविद्यालय में स्थापित आठ शास्त्रीय पीठों पर पीठाध्यक्षों की नियुक्ति के प्रस्ताव पर भी कार्यपरिषद ने सहमति व्यक्त की। बैठक में राज्यपाल प्रतिनिधि प्रो. यशवीर सिंह, शिक्षक प्रतिनिधि डॉ. स्नेहलता शर्मा, संकायाध्यक्ष सदस्य प्रो. शालिनी सक्सेना तथा सरकार के प्रतिनिधि प्रो. राकेश जोशी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

### वार्ष्णेय सुर संगम 26 जुलाई को

**जयपुर**। राजस्थान वैश्य वार्ष्णेय सभा जयपुर के तत्वावधान में 26 जुलाई को श्री वार्ष्णेय वैश्य सेवा सदन पालड़ी मीणा में दोपहर 3 बजे से सांस्कृतिक संगीत कार्यक्रम वार्ष्णेय सुर संगम का आयोजन किया जाएगा। आयोजन समिति के बृजेश कुमार एवं राजेश गुप्ता ने बताया कि इस कार्यक्रम में राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों से वार्ष्णेय समाज के 50 से अधिक प्रतिभागी फ़िल्मी गीत, भजन, ग़ज़ल एवं शास्त्रीय संगीत की एकल प्रस्तुतियाँ देंगे। सभा द्वारा इस प्रकार का सांस्कृतिक संगीत कार्यक्रम पहली बार आयोजित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम प्रतिवर्ष आयोजित करने पर चर्चा होगी।

### आईडब्ल्यूटीसी का आगाज आज से

**जयपुर**। भारत के विभिन्न राज्यों की पर्यटन संभावनाओं, सांस्कृतिक विरासत और वेडिंग डेस्टिनेशन को वैश्विक मंच पर नई पहचान दिलाना के उदेश से राजधानी, जयपुर के दिल्ली रोड स्थित फेयरमोंट होटल में 19 जुलाई से दो दिवसीय इंटरनेशनल वेडिंग एंड टूरिज्म कॉन्क्लेव (आईडब्ल्यूटीसी) सीजन-3 की शुरुआत होगी। कार्यक्रम का उद्घाटन उपमुख्यमंत्री एवं पर्यटन मंत्री दिया कुमारी करेंगी, जिनके साथ आंध्र प्रदेश के पर्यटन मंत्री कुंडला दुर्गेश विशेष अतिथि के रूप में शामिल होने जयपुर आ चुके हैं। कॉन्क्लेव में देश-विदेश से वेडिंग, टूरिज्म और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर के 600 से अधिक प्रतिनिधि भाग लेंगे।

## कानोता में 6 बीघा भूमि पर बसाई जा रही दो अवैध कॉलोनियां ध्वस्त

**जयपुर**। जयपुर विकास प्राधिकरण की प्रवर्तन टीम ने कानोता क्षेत्र में करीब 6 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर विकसित की जा रही दो अवैध कॉलोनियों को प्रारंभिक स्तर पर ही ध्वस्त किया। उप महानिरीक्षक आनन्द शर्मा ने बताया कि जोन-24 के क्षेत्राधिकार में ग्राम कानोता, आनन्द कॉलेज के पास दुधावाला रोड पर करीब 2 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति एवं बिना भू-रूपांतरण कर भूमि को समतल कर बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल की सड़कें एवं अन्य अवैध विकास कार्यों के माध्यम से नवीन अवैध कॉलोनी बसाई जा रही थी। सूचना प्राप्त होने पर जोन-24 के राजस्व एवं तकनीकी स्टाफ की निशानदेही में प्रवर्तन दस्ते ने जेसीबी मशीन एवं मजदूरों की सहायता से प्रारंभिक स्तर पर ही अवैध विकास कार्यों को ध्वस्त किया।

## महावीर कैंसर अस्पताल के नर्सिंगकर्मी ने की आत्महत्या

**जयपुर** (कासं)। मालवीय नगर क्षेत्र में महावीर कैंसर अस्पताल के एक नर्सिंगकर्मी द्वारा आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। नर्सिंगकर्मी का शव उसके किराए के कमरे में मिला। मौके से बरामद सुसाइड नोट में मृतक ने अस्पताल की ही एक सहकर्मी पर मानसिक रूप से प्रताडित करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने परिजनों की शिकायत पर युवती के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सब-इंस्पेक्टर विजय पाल ने बताया कि मृतक की पहचान अरुण देतवाल (38) निवासी भीमगंजमंडी, कोटा के रूप में हुई है। वह जयपुर के मालवीय नगर सेक्टर-1 में किराए के कमरे में रहकर महावीर कैंसर अस्पताल में नर्सिंगकर्मी के रूप में कार्यरत था। जो गुरुवार सुबह से परिजन अरुण से संपर्क करने का प्रयास कर रहे थे, लेकिन बार-बार फोन करने के बावजूद उसने कॉल रिसीव नहीं किया। अनहोनी की आशंका होने पर परिजन रात को कोटा से जयपुर पहुंचे। कमरे का दरवाजा अंदर से बंद मिला। दरवाजा तोड़कर अंदर जाने पर अरुण बेड पर अचेत अवस्था में पड़ा मिला। घटना की सूचना पर पुलिस और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को शव के पास एक इंजेक्शन और सिरिंज मिली। कमरे की तलाशी के दौरान एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया। पुलिस के अनुसार सुसाइड नोट में अरुण ने लिखा है कि अस्पताल में साथ काम करने वाली एक युवती, जिसके साथ वह रिलेशनशिप में था। पिछले काफी समय से उसे मानसिक रूप से प्रताडित कर रही थी। इसी कारण उसने आत्महत्या जैसा कदम उठाया। पुलिस ने जयपुरिया अस्पताल की मोर्चरी में मेडिकल बोर्ड से पोस्टमॉर्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। मृतक के भाई शुभम की शिकायत और सुसाइड नोट के आधार पर पुलिस ने शनिवार को संबंधित युवती के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने (एबेटमेंट ऑफ सुसाइड) का मामला दर्ज किया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

# आर.जी.एच.एस. में अनियमितताओं पर सरकार की कड़ी कार्रवाई

## 58 एलोपैथिक और 11 आयुर्वेदिक फार्मा स्टोर को योजना से बाहर किया; 14 एलोपैथिक फार्मा स्टोर के औषधि लाइसेंस निरस्त किए, शेष पर कार्रवाई करने के लिए अतिरिक्त औषधि नियंत्रक को पत्र लिखा

-कार्यालय संवाददाता-

**जयपुर**। राजस्थान गवर्मेंट हैल्थ स्कीम (आरजीएचएस) में अनियमित्ताओं पर राज्य सरकार सख्त कार्रवाई कर रही है। चिकित्सा विभाग ने ऐसे मामलों में कार्रवाई करते हुए 58 एलोपैथिक एवं 11 आयुर्वेदिक फार्मा स्टोर को आरजीएचएस योजना की सूचीबद्ध लिस्ट हटाया है। इनमें से 14 एलोपैथिक फार्मा स्टोर के औषधि लाइसेंस निरस्त कर दिए गए हैं तथा शेष 44 एलोपेथिक एवं 11 आयुर्वेदिक फार्मा स्टोर्स के औषधि लाईसेंस निरस्त करने के लिए अतिरिक्त औषधि नियंत्रक एवं संबंधित विभाग को पत्र लिखा गया है। साथ ही प्रचलित बाजार दरों से अत्यधिक अधिक मूल्य पर दवा बिलिंग करने वाले 10 अनुमोदित फार्मेसी स्टोर का टीएमएस अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। राजस्थान स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेंसी ने इम्पेनल्ड फार्मेसीज के लिए आवश्यक निर्देश भी जारी किए हैं।

चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने बताया कि आरजीएचएस में दवा निर्माता कंपनियों की पारदर्शिता, जवाबदेही एवं वित्तीय अनुशासन को और अधिक सुदृढ़ बनाने एवं पात्र लाभार्थियों को नियमानुसार गुणवत्तापूर्ण दवाईयां उपलब्ध कराना राज्य सरकार की प्राथमिकता है और ऐसे मामलों में अनियमितता पर कडा एक्शन आगे भी लिया जाएगा।

प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ ने बताया कि जांच के दौरान ऐसे प्रकरण भी चिन्हित किए गए हैं, जिनमें कब्ज, कमजोरी जैसी सामान्य शिकायतों में भी चिकित्सकों द्वारा 10 हजार से अधिक मूल्य की आयुष दवाइयां परामर्शित की गईं, जिससे राजकोष पर अनावश्यक वित्तीय भार पड़ा है। ऐसे कुछ मामलों में संबंधित चिकित्सकों एवं अनुमोदित फार्मेसियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करते हुए भुगतान की वसूली की कार्यवाही की जा रही है। अन्य संदिग्ध प्रकरणों की जांच जारी है। पूरे राज्य में गहन मानिटरिंग की जा रही है और सामान्य दर से अधिक दर पर दवा देने वाले फार्मेसियों के खिलाफ ऑडिट हो रही है, जिसमें निजी फार्मेसियों के साथ कॉनफैड भी

- **10 फार्मेसी स्टोर का ट्रांजेक्शन मैनेजमेंट सिस्टम (टीएमसी) अस्थायी रुप से बंद किया**
- **एक माह से अधिक समय तक दवा नहीं देने वाली फार्मेसीज़ के टीएमएस निलंबित होगा**

शामिल है।

उन्होंने बताया कि जिन इंजेक्शन की प्रचलित बाजार दर लगभग 6500 रुपए है, उनकादावा 18000 रुपए तक प्रस्तुत किए जाने जैसे मामले सामने आए हैं। जिन फार्मेसी स्टोर के दावों में मूल्य निर्धारण अथवा खरीद संबंधी अनियमितता का संदेह पाया गया है, उनसे खरीद बिल एवं अन्य संबंधित अभिलेख सत्यापन हेतु मांगे गए हैं। जिन फार्मेसियों द्वारा लाभार्थियों को दवा नहीं दी जा रही है, उनको स्पष्टीकरण देने के लिए लिखा है तथा एक माह से अधिक समय तक दवा नहीं देने वाली फार्मेसियों के टीएमएस निलंबित करने की कार्यवाही की जा रही हैं। पूर्व में प्रस्तुत दावों का भी ऑडिट एवं सिस्टम आधारित सत्यापन किया जा सकेगा। इसके अतिरिक्त, जेनेरिक दवाओं को ब्रांडेड दवाओं के नाम से विक्रय कर उनके आधार पर दावा प्रस्तुत करने वाले फार्मेसी स्टोरों के विरुद्ध भी नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

राजस्थान स्टेट हैल्थ एश्योरेंस एजेंसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हरजीलाल अटल ने बताया कि आरजीएचएस ने सभी अनुमोदित फार्मेसी स्टोरों से जारी निर्देशों का तत्काल प्रभाव से पूर्ण पालन सुनिश्चित करने को कहा है, ताकि योजना के अंतर्गत दवा दावों में पारदर्शिता, जवाबदेही एवं वित्तीय अनुशासन को और अधिक सुदृढ़ किया जा सके तथा पात्र लाभार्थियों को नियमानुसार गुणवत्तापूर्ण एवं उचित मूल्य पर औषधियां उपलब्ध कराई जा सकें। आरजीएचएस द्वारा यह भी निर्णय लिया गया है कि नियमों का पूर्ण पालन करने, पारदर्शी कार्यप्रणाली अपनाने एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पैनलबद्ध फार्मेसी स्टोरों को प्रोत्साहित करते हुए "ग्रीन फ्लैग" से चिह्नित किया जाएगा। राजस्थान स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेंसी की अति. मुख्य कार्यकारी अधिकारी निधि पटेल ने बताया कि निर्देशों में दवा दावों में निर्माता द्वारा अनुमोदित सही पैक साइज, उत्पाद कोड एवं एमआरपी दर्ज करना अनिवार्य किया है।

गलत पैकेजिंग अथवा उत्पाद मैपिंग के आधार पर दावा प्रस्तुत करने पर अतिरिक्त भुगतान की वसूली की जाएगी तथा गंभीर अथवा बार-बार की गई अनियमितताओं पर नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। निधि पटेल ने बताया कि दवा दावों में किसी भी प्रकार की कृत्रिम मूल्य वृद्धि, असामान्य एमआरपी, गलत मूल्य निर्धारण अथवा अप्रमाणित दावे प्रस्तुत नहीं किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि सभी दावे वास्तविक खरीद बिल, जीएसटी चालान, स्टॉक रजिस्टर एवं अन्य प्रामाणिक अभिलेखों के आधार पर प्रस्तुत किए जाएंगे तथा आरजीएचएस के प्रावधानों के अनुसार निर्धारित अनिवार्य छूट का पालन सुनिश्चित किया जाएगा।

ARBiT it happens here...

राष्ट्रदूत
SUNDAY
19 July 2026
A-B

## International Karaoke Day

There's something so compelling about taking a few minutes to belt out a song while pretending to be a rockstar! Perhaps, it's the thrill of holding a microphone, maybe, it's the idea of possibly being discovered and becoming famous, or it could just be that many people enjoy karaoke more after having a few drinks. International Karaoke Day is here to show appreciation for this fascinating form of interactive entertainment! The word comes from a combination of "kara" which means empty and "oke" which refers to an orchestra. Together, the word means "empty orchestra." As technology has advanced, karaoke has become more accessible to individuals and families, often with the ability to flash the lyrics on the screen.

#REJECTIONS TO REVOLUTION

# The Rise of Jack Ma and Alibaba

Failure is not the opposite of success, it is often the foundation of it

Born into a modest family in China, Jack Ma did not begin life with privilege or promise. His early years were marked by struggle, and his path to success was anything but smooth. Academically, he faced repeated setbacks, failing his university entrance exams not once, but twice. Where many would have given up, he persisted, eventually earning admission, though his challenges were far from over.

After graduating, Ma entered the job market with hope, only to face rejection after rejection. He applied to around 30 different jobs and was turned down by every single one. Even positions that seemed within reach, like becoming a police officer or working at a fast-food chain, slipped through his fingers. In one widely cited example, when a global fast-food chain opened in his city, nearly everyone who applied was hired, except him.

His ambitions to study abroad also met disappointment. He applied to Harvard University multiple times and was rejected on each occasion. By most conventional standards, his record looked like a series of failures.

But Jack Ma's story did not end there, it began there.

He ventured into entrepreneurship, starting his first company, which failed. Undeterred, he launched a second venture, only to see it collapse as well. At one point, even his own team members began to lose faith and quit. These repeated setbacks could have broken his spirit, but instead, they reshaped his perspective.

Ma realized that instead of following what others were already doing, he needed to look at the world differently, what he thought the people truly needed. This shift in mindset became the turning point of his life.

In 1999, he founded *Alibaba* Group, an online marketplace designed to connect Chinese manufacturers with global buyers. At the time, the internet was still new in China, and the idea seemed uncertain. Many doubted the concept. But Ma believed in its potential.

Slowly, Alibaba began to grow. What started as a small startup in an apartment evolved into one of the largest e-commerce platforms in the world. Over time, it expanded into multiple sectors, including cloud computing, digital payments, and logistics. The company's influence became so vast that its value surpassed the GDP of some smaller nations, a testament to the scale of what Ma had built.

Jack Ma's journey is not a story of instant success, but of relentless persistence. His life shows that failure is not the opposite of success, it is often the foundation of it. By changing his lens and refusing to give up, he transformed rejection into opportunity and built an empire that reshaped global commerce.

# The Kalbelia Is No More Respectable...

The *Sapera* is no more respectable, even to himself. He either hides away from official eyes or takes on another kind of job. They now dance, for the tourists or at public functions, like 'Gulabo.' Some are good at it, some not, but their self pride does take a beating, as some Kalbelias tell. "We have to shift from our traditional jobs to do this, but we make sure our women are not touched by people." This sentence alone can break any sensitive human being's heart and I hope the pseudo do-gooders to our civilized, new existence have their eyes open to this slaughter that has successfully taken place.

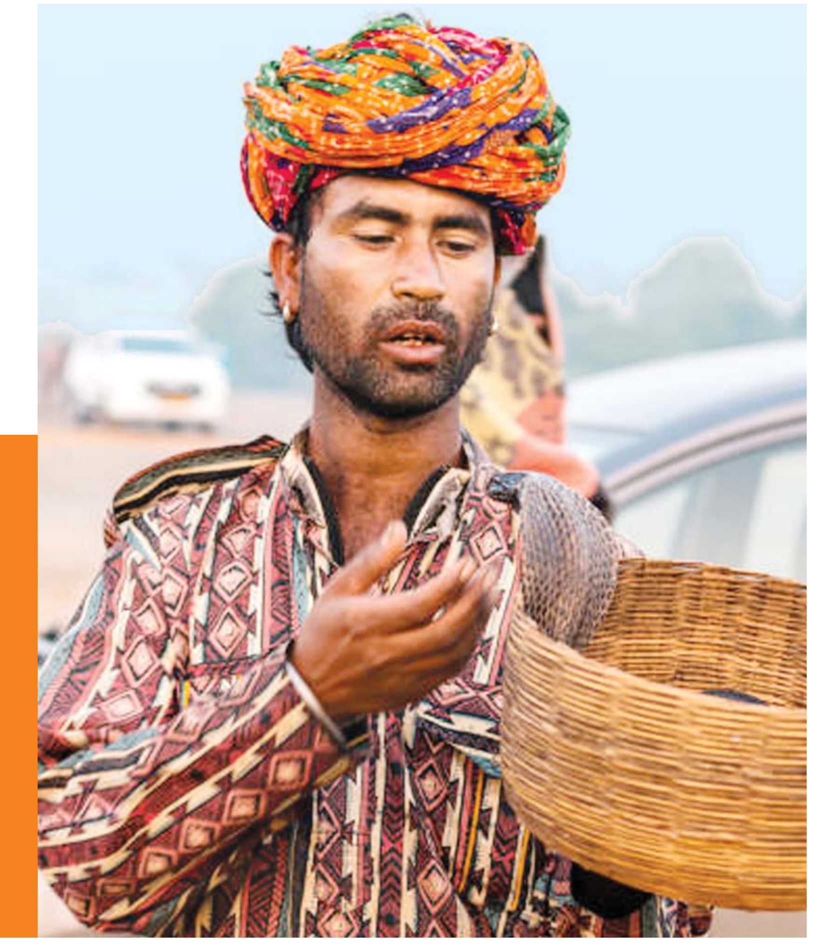

Anjali Sharma
*Senior Journalist & Wildlife Enthusiast*


The important question pending, had to be asked, what do you now do for a living, since displaying snakes is outlawed. It was a tough one I know. The living conditions were telling their own miserable tale. They are not included in any kind of government relief programs, as they are not educated or organised.

"Our *samaj vyavastha* is in shambles, we cannot feed our families, so how can we go to *sarkari* offices to fight for our rights, which also have to be paid for by greasing hands, which we are incapable of, since we don't have the money or the clout for it."

"Earlier, we used to earn money on *Shivratri* or *Naagpanchmi*, when people look for *saperas* to do their pooja. Nowadays, we do this pooja as ordained by our Guru, by ourselves every year, without any monetary help from other people."

The worst that has happened to them is the loss of dignity. If caught with a snake in a public place, they will be fined, although the sum may look a puny amount to us, for them, it's the difference between a dal with the roti or none. The fine is two hundred and fifty one rupees each time.

"We are not thieves. My great grand-father, Rugga Nath ji, was appointed by Maharaja Mansingh ji as a Sapera for the Amer Fort. I have photo of his to show you. You see, we are respectable people, but our poverty has closed all doors for

us. We cannot even feed our children anymore, leave alone educate them. The books, copies, everything costs money which we no more have. I make about a thousand-fifteen hundred in a month, with a family of fourteen people. I have to usually look for a job as a labourer these days."

He was a defeated, sad man, pleading to show the one person who had visited his home, in his capacity of a sapera, which he remembers with pride.

This incident has for long troubled me and my sad observations of the pitiable poor conditions of these people, who used to be respectable at one time if not rich. And I have to share this surprisingly sensitive moment in my life with other ready to be sensitive people, although not in the established green traditions.

Our 'Green' men and women have so overtaken the imagination of the educated and so, now sensitive people, that their green simplification of wild matters cannot be challenged by rationalists of any colour, at least not when they are animals. One need not be categorical in our rejection of their various stupidities, because after all they did a yeoman's job at one time to take up an almost untouched matter of cruelty to beings unable to fight for themselves. All this while, another equally meritorious but helpless being was being created for future cruelties, unappreciated or heard. Our mettlesome activists have read the first 'Green' book, never to go back for any further research that may deviate from their original teachings; quite like a die-hard extremist. At the peril of finding myself at the receiving end of a barrage from the zealots, I have, with trepidation, tiptoed into the unthinkable. To take stock of what was never factored in by the activist, could it just be possible, that we need to rethink our 'Green' notions, and to take note of the harm that some 'activists' actually cause to wildlife in their misplaced zeal to protect it. The protection and preservation of a snake, for the *sapera* or the snake-charmer caste, is a sacred duty, enjoined upon him by his caste's religious rituals and morals. The saperas render a service, a great service in fact, to both society and serpents, when the two species come into conflict. The instinctive, pathological dread that snakes excite in human beings on being sighted almost always leads to their extermination, whether a human being has or has not been bitten by them. A sapera, if one is nearby, is almost always willing to come forward to trap and take away alive a cornered snake. Of course, there is an incentive in it for him for doing so, he extracts the venom, if the ensnared snake is carrying it, and likely makes money from the various medicines he can make out of this venom. The snakes captured by the saperas are always, as a kind of religious duty, released in the wild once their venom storing glands are about to fill up again. There is a very practical reason too for the sapera to let the snakes go; he is able to extract the precious venom from the snake only if there is one living. Never is it in his interest, neither religiously nor practically, to kill the dreaded reptile. While performing this very useful function for society and for snakes, the only concessions that the sapera seeks from authority is that the snake charmer be regulated and that he be permitted to display the collection of snakes in his 'custody' to the public at large to earn a livelihood, and some respect as the tamer of the untameable. He asks for the two indulgences only to eke out a living.

But the busybodies, the animal rights activists, will have none of it. The moment they hear of a snake-charmer at work in his tradition, they are up in arms. All hell breaks loose and the Forest Department is wily nilly made to intervene and penalise the delinquent, earning some publicity, and, questionably, some piety. They are blind to any rational and humanitarian arguments that, if translated into positive action, they could provide succour to both the hunted and the hunter, the prey and the predator and help preserve the traditions of the saperas as well, the ancient and venerable folklore that is peculiarly Indian and once upon a time defined India, the land of the snake-charmer.

With the now lost snake

charmer, some of India's mystery is also lost to the world. No more are we a land of the rope trick, the *madari*, or the snake charmer. These professional animal trainers can no more educate our children about these beings of the earth; they are no more accessible to the close viewing of our growing children to learn any kind of coexistence. We have to be living in villages or cities, and they have to be seen in a zoo if you must. Notwithstanding how good for the animals that may be.

The one kind of animal care professional has taken over, to set aside another, who carried away with him our wildlife lores, our religious beliefs, and mystique. One could argue that there could be no better taking over of a land than to kill its special people. This has been better achieved by the 'Green' terrorists than any British Raj. No more are the snakes to be revered; they must only be feared. Though, how this can be a safeguard for them is quite unclear.

It may be argued by some patriots that there is no pride in being a land of the snake charmers, or rope climbers. Why cling to it! Well, just as much pride in a nation being the land of the acrobats, who win the Olympics, or a land of people who have the ballerinas to dance their stories, or even a land of the people who make the best football players. There is pride in speciality. We just have to throw off the 500 year-old yokel of finding perfections in other 'places' to emulate.

In our zeal to copy people who have made it in to the 'buddy-hood' of advancement, we have without thought sacrificed our own. The Sapera is no more respectable, even to himself. He either hides away from official eyes or takes on another kind of job. They now dance, for the tourists or at public functions, like 'Gulabo.' Some are good at it, some not, but their self pride does take a beating, as some Kalbelias tell. "We have to shift from our traditional jobs to do this, but we make sure our women are not touched by people." This sentence alone can break any sensitive human being's heart and I hope the pseudo do-gooders to our civilized, new existence have their eyes open to this slaughter that has successfully taken place.

They would again argue that the thing to do is to re-educate these poor people to fit into other jobs. To what end one may ask. To help protect the snake? But when was it in danger? Not while the snake charmer needed it alive to milk some venom from to help cure some hapless fellow bitten by one. Nor when the people revere it like a God to be left to go away when seen. Possibly not even then, when a couple of them are seen at close quarters within the safe company of a Kalbelia, demystifying some of the fears of common public.

**Concluded.**


rajeshsharma1049@gmail.com

## #GONE TO 'GREEN'

### "Snake charmers," a chromolithograph by Alfred Brehm

The early 20th century proved something of a golden age for snake charmers. Governments promoted the practice to draw tourism, and snake charmers were often sent overseas to perform at cultural festivals and for private patrons. In addition, the charmers provided a valuable source of snake venom for creating antivenins.

Today, cultural changes are threatening the profession of the snake charmer in India. One reason for this is the rise of cable television; nature documentaries have extinguished much of the fear and revulsion once felt towards the animals and thus demystified the snake charmer. In addition, many people have less spare time than they once did, especially children, who, in previous decades, could watch a charmer all day with no commitments to school. Animal-rights groups have also made an impact by decrying what they deem to be the abuse of a number of endangered species. Another factor is urbanisation and deforestation, which have made the snakes, upon which the charmers rely, increasingly rare. This has in turn given rise to the single most important reason snake charming is declining, at least in India: It is no longer legal.

India passed the Wildlife Protection Act in 1972. The law originally aimed at preventing the export of snakeskin, introducing a seven-year prison term for owning or selling of the creatures. Beginning in the late 1990s, however, animal-rights groups convinced the government to enforce the law with regard to snake charmers as well. As a result, the charmers were forced to move their performances to less-travelled areas such as small villages, or else to pay hefty bribes when caught by police officers. The trade is hardly a profitable one anymore, and many practitioners must supplement their income by begging, scavenging, or working as day labourers. Children of snake charmers increasingly decide to leave the profession to pursue higher-paying work, and many fathers do not try to make them reconsider. Modern Indians often view snake charmers as little more than beggars.

Some snake charmers have struck back against this stereotype. In 2003, hundreds of them gathered at the temple of Charkhi Dadri in Haryana to bring international attention to their plight. In December of the following year, a group of snake charmers stormed the legislature of the Indian state of Odisha with their demands, all the while brandishing their animals. The Indian government and various animal-rights groups have now acknowledged the problem. One suggestion is to train the performers to be snake caretakers and educators. In return, they could sell their traditional medicines as souvenirs. Another proposal would try to focus attention on the snake charmer's music; the charmer would be like other street musicians. The Indian government has also begun allowing a limited number of snake charmers to perform at specified tourist sites.

### Myths

Several myths are prevalent about snakes, their behaviour, dietary habits, habitats, etc. among the tribal, rural and even in urban masses of Rajasthan. Tribal people relate the snakes so much with themselves that they consider some snakes good and some snakes bad. For example, Ptyas mucosus is the totemic snake of the Bhurias which is a clan of the tribe Bhil. Similarly, Python molurus is considered an esteemed serpent by the Bhils. Similarly, another snake species, Xenochrophis piscator, locally called as Dindu, is considered as ancestor of the Dindor clans of Bhil; hence, their name Dindor, i.e. offsprings of Dindu. Bhil and Garasia tribes also conserve the snake Python molurus as they think that killing of the snake will cause drought in that year. Indian Python (Python molurus) likes proximity of water, so, Bhil and Garasia tribals protect the species believing that it brings rain. Moreover, statues of cobra are also worshiped by the tribals and non-tribals and victims of snake bites are brought to these places where Bhopas (local healers) treat the patients. A snake temple, locally known as *Gatodji ka Devra* situated in remote areas of Rajasthan, is used as lie detector. There are several primary beliefs/practices associated with snake bite incidences. There are some sacred places in the remote areas of Rajasthan, locally known as *Devra*. Some Devras are especially dedicated to treat snake bite patients. The important among them are Gogaji, Tejaji (mostly situated in the western part of the Rajasthan) and Devnarayanji (situated in the central Rajasthan). In most instances, snake doctoring practices/lore are highly guarded secrets, due to the belief that loss of secrecy of medicine results in the loss of potency of medicine. Moreover, this secrecy also protects and elevates the status of the practitioners.

#SMARTPHONES

# No Dependency!!

Viral Video claims Rajasthan villagers smashed Smartphones, switched back to Keypad phones

A viral video circulating on social media claims to show a group of villagers in Rajasthan smashing their smartphones with bricks and stones in a symbolic rejection of what they described as growing smartphone addiction. The footage shows dozens of shattered mobile phones scattered across the ground, with smoke appearing to rise from some of the damaged devices. According to posts accompanying the video, villagers gathered in an open area before collectively destroying their smartphones and pledging to return to basic keypad phones for everyday communication.

Supporters of the reported move have described it as a bold stand against excessive screen time, arguing that smartphones have become an unhealthy dependency that affects productivity, family relationships, and mental well-being. Others, however, have questioned the practicality of abandoning smartphones in an increasingly digital world, where mobile devices are widely used for banking, education, healthcare, government services, online payments, and access to essential information.

The video has triggered widespread debate online, with users divided over whether the reported action represents a meaningful protest against digital addiction or an unrealistic response to a complex social issue.

However, the claims surrounding the video remain unverified. The exact location, date, and circumstances of the incident have not been independently confirmed, and there is currently no official statement establishing that the event took place as described. As a result, the authenticity of the video's accompanying narrative remains

uncertain. The viral claims nevertheless echo earlier controversies in Rajasthan over mobile phone use. In 2025, a panchayat decision in Jalore district drew national attention after restricting the use of camera-enabled smartphones by daughters-in-law and young women across 15 villages, citing the need to preserve traditional social values. The move was widely criticized by activists and observers as discriminatory and regressive, raising concerns about its impact on women's empowerment, digital inclusion, and individual freedoms.

The latest viral video has once again brought the broader conversation about technology, digital dependence, and community-led restrictions into the spotlight. While concerns about excessive smartphone use continue to grow worldwide, experts generally advocate balanced digital habits and responsible technology use rather than abandoning smartphones altogether.

Until the video's claims are independently verified, it should be viewed as an unconfirmed social media report rather than a confirmed incident.

## THE WALL

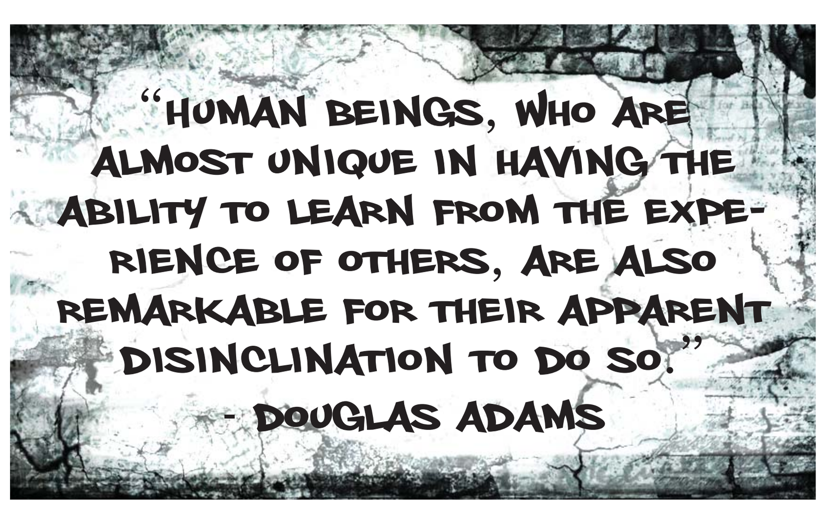


## BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

## ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

# डूंगरपुर में चांदीपुरा वायरस से छह वर्षीय बच्ची की मौत, स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

## बच्ची का इलाज गुजरात के हिम्मतनगर के सिविल अस्पताल में चल रहा था

■ **गुजरात सरकार की सूचना पर राजस्थान स्वास्थ्य विभाग अलर्ट, टीम ने घर-घर जाकर 353 ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच की**

**डूंगरपुर,** (निसं)। डूंगरपुर जिले में चांदीपुरा वायरस के संदिग्ध संक्रमण से छह वर्षीय बच्ची की मौत का मामला सामने आया है। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गया है। बच्ची का इलाज गुजरात के हिम्मतनगर के सिविल अस्पताल में चल रहा था, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

गुजरात सरकार से सूचना मिलते ही स्वास्थ्य विभाग ने इसे चांदीपुरा वायरस संक्रमण मानते हुए धंबोला थाना क्षेत्र के रतनपुरा गांव में व्यापक एहतियाती कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। बच्ची की 15 जुलाई को मौत से पहले सैंपल लिए गए थे, जिसकी रिपोर्ट अस्पताल ने गुजरात सरकार को दी। गुजरात से सूचना मिलते ही चिकित्सा विभाग की टीमों ने शनिवार को रतनपुरा गांव में विशेष निगरानी, स्वास्थ्य सर्वेक्षण और संक्रमण रोकथाम अभियान शुरू किया। टीमों ने घर-घर जाकर कुल 353 ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच की। राहत की बात यह रही कि जांच के दौरान किसी भी व्यक्ति में चांदीपुरा वायरस से संबंधित लक्षण नहीं पाए गए। इसके बावजूद विभाग ने किसी भी संभावित खतरे को देखते हुए निगरानी और सतर्कता बढ़ा दी है। संक्रमण की रोकथाम के लिए गांव में पायरेथ्रम स्प्रे, फॉगिंग और एंटी-लार्वल गतिविधियां संचालित की गई हैं। इन उपायों का उद्देश्य वायरस फैलाने वाले वाहकों पर नियंत्रण करना है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से ग्रामीणों को घर और आसपास साफ-सफाई बनाए रखने, पानी जमा नहीं होने देने और मच्छरों और सैंडफ्लाइज रेतीली मक्खी से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियां बरतने की सलाह दी गई है।

स्वास्थ्य विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि यदि किसी बच्चे या अन्य व्यक्ति में तेज बुखार, सिरदर्द, उल्टी, दौरे या अन्य संदिग्ध लक्षण दिखाई दें तो बिना देरी किए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करेंए ताकि समय पर उपचार उपलब्ध कराया जा सके।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सीएमएचओ डॉ. अलंकार गुप्ता ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग की टीमें लगातार गांव में सर्वेक्षण और स्वास्थ्य जांच कर रही हैं। फॉगिंग और कीटनाशक छिड़काव भी नियमित रूप से कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि चांदीपुरा वायरस मुख्य रूप से सैंडफ्लाइज रेतीली मक्खी व कुछ मामलों में मच्छरों के माध्यम से फैलता है। यह संक्रमण विशेष रूप से बच्चों के लिए गंभीर साबित हो सकता है। स्वास्थ्य विभाग ने ग्रामीणों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने और किसी भी संदिग्ध मरीज की जानकारी तत्काल चिकित्सा टीम को देने की अपील की है। फिलहाल गांव की स्थिति सामान्य बनी हुई है और विभाग लगातार हालात पर नजर रखे हुए है। एहतियात के तौर पर सभी आवश्यक स्वास्थ्य एवं संक्रमण नियंत्रण उपाय जारी हैं।

जानकारी के अनुसार बच्ची में चांदीपुरा वायरस के लक्षण पाए जाने पर गुजरात के हिम्मतनगर सिविल अस्पताल में 15 जुलाई को सैंपल लिए गए। इसके बाद उसी दिन बच्ची की इलाज के दौरान मौत हो गई। इसके बाद परिजन शव लेकर गांव आ गए, लेकिन स्वास्थ्य विभाग को भनक तक नहीं लगी। हिम्मतनगर अस्पताल ने सैंपल लेने की सूचना गुजरात सरकार को दी, जिस पर गुजरात स्वास्थ्य विभाग ने मरीज डूंगरपुर का होने से राजस्थान स्वास्थ्य विभाग को सूचना दी। स्वास्थ्य विभाग जयपुर से 18 जुलाई को डूंगरपुर सीएमएचओ ऑफिस को सूचना मिलने पर टीम अलर्ट हुई।

# स्मैक तस्करों को दो साल की सजा

**जोधपुर,** (कासं)। एनडीपीएस न्यायालय संख्या दो, जोधपुर के विशिष्ट न्यायाधीश मुजफ्फर चौधरी ने 13 साल पुराने अवैध मादक पदार्थ स्मैक के मामले में फैसला सुनाते हुए आरोपी को 2 वर्षों का कठोर कारावास और दस हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है।

मनोहर लाल पालीवाल, विशिष्ट लोक अभियोजक, न्यायालय एनडीपीएस संख्या दो, जोधपुर ने बताया कि 3 नवम्बर, 2013 को पुलिस थाना करवड के तत्कालीन थाना अधिकारी प्रदीप सिंह ने आयुर्वेदिक कॉलेज करवड के पास एन एच 65 पर भवाद, जोधपुर निवासी श्यामलाल से थैली में छुपाकर रखी 10 ग्राम अवैध स्मैक बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार किया था। बाद में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ न्यायालय में एनडीपीएस एक्ट के तहत चार्जशीट प्रस्तुत की। मनोहर लाल पालीवाल विशिष्ट लोक अभियोजक एनडीपीएस संख्या दो जोधपुर ने न्यायालय से वर्तमान में अवैध मादक पदार्थों के मामलों में उत्तरोत्तर वृद्धि होने, अवैध मादक पदार्थों के अपराध गंभीर किस्म की प्रकृति के अपराध होने और उसका समाज में प्रतिकूल प्रभाव पड़ने को दृष्टीगत रखते हुए आरोपियों को कठोरतम सजा देने की मांग की तो वहीं आरोपियों द्वारा नरमी बरतने का आग्रह किया।

विशिष्ट न्यायालय एनडीपीएस संख्या 2 जोधपुर के विशिष्ट न्यायाधीश मुजफ्फर चौधरी ने अभियोजन पक्ष की ओर से प्रस्तुत 9 गवाह, 28 दस्तावेजी साक्ष्य, 4 आर्टिकल के आधार पर आरोपी श्यामलाल को दोषी ठहराते हुए अवैध मादक पदार्थ स्मैक रखने और उसकी खरीद-फरोख्त करने के आरोप में 2 वर्ष की कठोर सजा व दस हजार रुपए के जुर्माने की कठोर सजा सुनाई।

# हमला करने के चार आरोपी गिरफ्त में

**कोटा,** (निसं)। सांगोद पुलिस टीम ने विवाद को लेकर जानलेवा हमले के दर्ज मामले में कार्रवाई करते हुए चार हमलावरों को गिरफ्तार किया है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि 12 जुलाई को फरियादी ने थाना सांगोद में रिपोर्ट दी। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि माल ग्राम कांगनिया में हमारे कब्जे काश्त की भूमि है। जिस पर हम काश्त करते आ रहे हैं। रिपोर्ट में कहा कि मेरे मकान के बाहर खड़ा था, तभी कोई हमारे खेत में ट्रैक्टर चलाता हुआ नजर आया तो मैं व मेरे परिवार के कुछ जने खेत पर गये तो हमारे गांव का दिलखुश ट्रैक्टर से खेत में फसल की उराई कर रहा था। हमने उसको फसल बोने से मना किया तो उसने व वहां पर मौजूद मोनू दुर्गाशंकर माली, प्रेमशंकर माली, बंटी गुर्जर, महावीर वैष्णव, गौरव सैन, सुनील मेहरा, सुनील रेगर, कुन्दनपुर, हरिओम सुमन, अंशुल व अन्य व्यक्तियों ने रोककर लकड़ी व धारदार कुटिया से मारपीट कर चोटें पहुंचाई, जिससे मेरे व आदित्य, द्वारकीलाल, हरिनारायण, रामकिशन, हरिशंकर व मेरे पापा रामलाल के चोटें आई है। ग्रामीण एसपी ने कहा कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। इस पर गठित टीम ने मामले में कार्रवाई करते हुए कांगनिया थाना सांगोद निवासी दिलखुश (26) कांगनिया थाना सांगोद निवासी प्रेमप्रकाश (40) थूणपुर थाना सांगोद निवासी महावीर (25) एवं कुन्दनपुर थाना सांगोद निवासी सुनील (30) साल को गिरफ्तार किया।

# अलवर में शराब ठेकेदारों ने फर्जीवाड़ा कर गरीबों के नाम से 216 ठेके खोले

■ **करोड़ों का नोटिस पहुंचा गरीबों के घर तो खुला मामला, अब विभाग डिजीटल जांच कर ठेकदारों से वसूली करने की तैयारी कर रहा है**

■ **इस बीच इस प्रकरण में करोड़ों रुपये डकार चुके अधिकारियों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है**

**अलवर,** (निसं)। अलवर में एक ही आबकारी अधिकारी पर पिछले तीन सालों से विश्वास करके बैठे राजनेताओं की अब आंख खुली, जब एक चौकाने वाला सामने आ गया। शराब ठेकेदारों ने फर्जीवाड़ा कर गरीबों के कागज लगाकर शराब के ठेके लिए गए और करोड़ों रूपये की बंदरबांट कर ठेकेदार और अधिकारी खा गए। गरीबों को मिला करोड़ों का नोटिस जिसे देख लोगों की नींद हराम हो गई, अब मामला उजागर होने के बाद अधिकारियों ने पहले तो रिकवरी गरीबों से वसूलने की बात की लेकिन मीडिया में आते ही उनके सुर बदल गए और अब जांच कर यह रकम दोषी ठेकेदारों से वसूले जाने की तैयारी है, लेकिन इस बीच इस प्रकरण में करोड़ों रुपये डकार चुके अधिकारियों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है।

सूत्रों के अनुसार शराब ठेकेदार गरीब लोगों के नाम पर ली दुकान पर अपना माल बेचकर कम समय में मोटा मुनाफा कमाते हैं। उनके इस काले कारनामे में आबकारी विभाग के कई अफसरों की मिलीभगत होना भी सामने आया है। सरकार के दिशा-निर्देशों की धज्जियां उड़ाते हुए आबकारी अधिकारी ने सालभर (2024-2025) मिलीभगत का खेल खेला और डिफॉल्टर शराब दुकानों को समय पर निरस्त करने के बजाय वित्तीय वर्ष के आखिरी दिन का इंतजार किया। इस पूरे खेल में न केवल राजस्व को भारी नुकसान हुआ है, बल्कि उन्हीं डिफॉल्टर ठेकेदारों को नए नामों से दोबारा दुकानें भी आवंटित कर दी गई हैं। इसका नतीजा रहा कि अलवर जिला शराब के ठेकों से प्राप्त रेवेन्यू में सबसे पीछे चला गया। 2024-2025 में करीब 50 से 60 करोड़ रुपए का घाटा हुआ। ये वो दुकानें हैं जिनको गरीबों के नाम आवंटित कराया गया। अलवर में गरीबों के नाम पर शराब ठेके लिए जा रहे हैं। उनके नाम पर करोड़ों रुपए का जुर्माने का नोटिस आ रहा है। ये पूरा खेल शराब ठेकों के मालिकों और आबकारी के अधिकारियों की मिलिभगत से चल रहा है।

नियमों के मुताबिक, जो शराब की दुकान आबकारी विभाग से तय माल (कोटा) नहीं उठाती, उसे 7 दिन के भीतर बंद करना होता है, लेकिन अधिकारियों की मिलीभगत से इन दुकानों को पूरे साल चलने दिया गया। नियम के अनुसार गरीबों की दुकान से तय समय में शराब नहीं बिकने पर 7 दिन में इनका लाइसेंस निरस्त कर दिया जाना चाहिए था। इसके बावजूद अलवर के इन पीड़ितों का लाइसेंस सालभर 2024-25 में चालू रखा। मार्च 2025 में इनका लाइसेंस निरस्त किया गया। ऐसे में सीधे तौर पर इन्हें फंसाने वाले शराब ठेकेदारों को फायदा पहुंचाया गया।

अब आबकारी विभाग ने तय किया है कि दुकानों के लाइसेंस और बैंक खातों में जिनके मोबाइल नंबर हैं, उनसे रिकवरी होगी। अधिकतर केस में मोबाइल नंबर शराब के ठेके चलाने वालों के हैं। अब इनसे रिकवरी हो सकती है। अकेले अलवर में 216 केस में करीब 160 करोड़ रुपए बाकी हैं।

# 765 केवी पावरग्रिड परियोजना के खिलाफ किसानों का संघर्ष तेज

झुंझुनूं में पावरग्रिड परियोजना से प्रभावित किसानों का आंदोलन जारी रहा।

■ **धरना चौथे दिन भी जारी, सीकर के किसानों ने आंदोलन को समर्थन दिया**

■ **धरने में मौजूद किसानों ने कहा कि ''पहले मुआवजा, फिर निर्माण कार्य'' की मांग पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा**

**झुंझुनूं,** (निसं)। 765 केवी पावरग्रिड परियोजना से प्रभावित किसानों का अखिल भारतीय किसान सभा के नेतृत्व में चल रहा आंदोलन शनिवार को लगातार चौथे दिन भी जारी रहा। धरने की अध्यक्षता किसान नेता रोहिताश महला ने की। किसानों ने एकजुट होकर दोहराया कि जब तक प्रभावित किसानों को नियमानुसार अग्रिम मुआवजा नहीं दिया जाएगा, तब तक परियोजना का कार्य किसी भी स्थिति में शुरू नहीं होने दिया जाएगा।

धरना स्थल पर सीकर जिले के फ़कीरपुरा गांव से पहुंचे प्रभावित किसान मंजीत बाजिया, बनवारी बाजिया और विनोद कालेर ने आंदोलन को अपना पूर्ण समर्थन देते हुए कहा कि पावरग्रिड कंपनी के अधिकारियों के लिखित आश्वासनों पर अब किसानों का भरोसा नहीं रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सीकर में कंपनी ने किसानों से लिखित समझौता करने के बावजूद अपनी प्रतिबद्धता नहीं निभाई। ऐसे में केवल आश्वासन नहीं, बल्कि पहले नियमानुसार मुआवजे का अग्रिम भुगतान किया जाए और उसके बाद ही निर्माण कार्य शुरू किया जाए।

किसान नेता मंजीत बाजिया ने कहा कि सीकर के किसान इस संघर्ष में सोनासर के किसानों के साथ पूरी मजबूती से खड़े हैं और आवश्यकता पड़ने पर आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा। धरना स्थल पर आयोजित बैठक में किसानों ने आंदोलन को आगामी दिनों में और तेज करने की रणनीति पर विचार-विमर्श किया। वक्ताओं ने कहा कि किसानों के अधिकारों और सम्मान से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा तथा न्याय मिलने तक संघर्ष निरंतर जारी रहेगा।

इस अवसर पर कॉमरेड महिपाल पूनिया, नवीन चौधरी, सहकारी समिति अध्यक्ष जयपाल महला, पूर्व सरपंच सुरेंद्र सिंह सिलाइच, सुनील महला, अमित, नरेंद्र महला, लीलाधर महला, हरफूल यादव, छाजूराम यादव, रतन यादव, सहीराम महला, राजेंद्र, बलदेव, सुरेंद्र महला, विकास योगी, धर्मेंद्र नायक, सुरजीत महला, नवीन महला, जितेंद्र सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। धरने में मौजूद किसानों ने एक स्वर में कहा कि ''पहले मुआवजा, फिर निर्माण कार्य'' की मांग पूरी होने तक आंदोलन चरणबद्ध तरीके से जारी रहेगा और जरूरत पड़ने पर इसे और व्यापक रूप दिया जाएगा। किसानों ने प्रशासन और कंपनी प्रबंधन से शीघ्र सकारात्मक पहल कर विवाद का समाधान करने की भी मांग की।

## खेतड़ी के माधोगढ़ गांव में युवक ने सुसाइड किया

**खेतड़ी,** (निसं)। बबाई थाना क्षेत्र के माधोगढ़ गांव में एक युवक द्वारा आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद सूचना मिलने पर बबाई पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान विकास कुमार (21) पुत्र जगदीश बावरिया निवासी माधोगढ़ के रूप में हुई है। मृतक के छोटे भाई सुनील कुमार ने बबाई थाने में दी गई लिखित रिपोर्ट में बताया कि अलसुबह करीब तीन बजे उसने अपने भाई विकास कुमार को कई बार फोन किया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। परिजन और ग्रामीण उसकी तलाश करते हुए श्मशान घाट की ओर पहुंचे तो विकास कुमार एक पेड़ से लटका हुआ मिला। नीचे उतारकर देखा गया तो उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर खेतड़ी के राजकीय उप जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। पुलिस ने परिजनों की मौजूदगी में आवश्यक कार्रवाई के बाद शव का पोस्टमार्टम करवाने की प्रक्रिया शुरू की। मृतक के भाई ने पुलिस को रिपोर्ट देकर मामले की निष्पक्ष जांच करने की मांग की है।

# पीएम श्री विद्यालय का एसडीएम ने निरीक्षण किया

■ **जालोर एसडीएम ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप संचालित विविध गतिविधियों, नवाचारों का मूल्यांकन किया**

**जालोर,** (निसं)। प्रदेश की समस्त पीएम श्री स्कूलों के 15 जलाई से 25 जुलाई के दौरान होने वाले निरीक्षण एवं मूल्यांकन कार्य को संपादित करने को लेकर अतिरिक्त मुख्य सचिव स्कूल शिक्षा राजस्थान सरकार के निर्देशानुसार स्टेट रिव्यूअर के रूप मे नामित किए गए जालोर के उपखंड अधिकारी मनोज कुमार ने शनिवार को पीएम श्री राजेंद्र सूरी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बागरा का सघन निरीक्षण एवं मूल्यांकन किया।

पीएम श्री विद्यालय बागरा के प्रधानाचार्य खीम सिंह राठौड़ ने बताया कि जालोर उपखंड अधिकारी ने स्थानीय पीएम श्री विद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप संचालित विविध गतिविधियों, विद्यार्थियों की उपलब्धियों, नवाचारों एवं अन्य निर्धारित बिंदुओं का गुणात्मक एवं मात्रात्मक मूल्यांकन कर पीएम श्री पोर्टल पर सबमिट किया। उन्होंने विद्यालय में संचालित विभिन्न कार्यक्रमों, गतिविधियों, आधारभूत सुविधाओं, विज्ञान प्रयोगशाला , भूगोल की लैब, पुस्तकालय , स्मार्ट क्लासेज, संविधान क्लब, खेल मैदान, सहशैक्षिक गतिविधियों, स्किल डेवलेपमेंट, पाठयपुस्तक वितरण, बाल वाटिका, निःशुल्क यूनिफॉर्म, फर्नीचर, शुद्ध पेयजल व्यवस्था, शौचालयों की स्थिति, करियर गाइडेंस, शैक्षिक भ्रमण, स्टॉफ की स्थिति, प्रशिक्षण, उपस्थिति सहित विभिन्न गतिविधियों एवं बिंदुओं का एक एक कर गहनता से मूल्यांकन किया एवं वांछित सुधार हेतु आवश्यक निर्देश प्रदान किए। उन्होंने आज नो बैग डे के अवसर पर आयोजित की गई गतिविधियों को भी विस्तार से देखा। निरीक्षण के दौरान शिक्षा विभाग से समन्वयन एवं प्रोटोकॉल व्यवस्थार्थ जालौर ब्लॉक के अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी जबरसिंह देवडा साथ रहे। इस अवसर पर उपखंड अधिकारी के निजी सहायक सुरेश कुमार, पीएम विद्यालय के प्रभारी डूंगर राम, व्याख्याता प्रेमपाल डाबी, कार्यालयकर्मी एवं पीएम श्री विद्यालय बागरा का समस्त स्टॉफ उपस्थित रहा।

## मंदबुद्धि युवक को परिजनों से मिलवाया

**मुकुंदगढ़,** (निसं)। मुकुंदगढ़ पुलिस ने मानवता और संवेदनशीलता का परिचय देते हुए 10-12 दिनों से अपने परिवार से बिछड़े एक मंदबुद्धि युवक को उसके परिजनों से मिलवाकर सराहनीय कार्य किया है। बेटे के सकुशल मिलने पर परिजनों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा और उन्होंने पुलिस टीम का आभार जताते हुए उसकी कार्यशैली की प्रशंसा की।

पुलिस अधीक्षक कावेंद्र सिंह सागर के निर्देशन में थाना अधिकारी गोपाल सिंह थालोर के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम बाहरी व्यक्तियों की नियमित जांच कर रही थी। इसी दौरान मुकुंदगढ़ रेलवे स्टेशन पर एक मंदबुद्धि युवक संदिग्ध अवस्था में घूमता हुआ मिला, जो अपना नाम-पता बताने में असमर्थ था। पुलिस ने सूझबूझ का परिचय देते हुए युवक की तलाशी ली, जिसमें मिले मोबाइल नंबरों पर संपर्क किया गया। जानकारी मिलने पर पता चला कि युवक अमित पुत्र रणजीत निवासी मलिकपुर, नई दिल्ली है, जो मानसिक रूप से कमजोर होने के कारण करीब 10 से 12 दिन पहले घर से निकल गया था। परिजन उसकी लगातार तलाश कर रहे थे। पुलिस युवक को सुरक्षित थाना मुकुंदगढ़ लेकर आई।

## करोटी में खनन, पुलिस बुलाई

**रेवदर,** (निसं)। करोटी नदी में खनन से तंग आकर रात्रि में दर्जनों ग्रामीणों ने खुद मोर्चा संभाला और मौके पर पहुंचकर पुलिस बुलाकर कार्यवाही को अंजाम दिलाया।

ग्रामीणों का आरोप है कि हाईकोर्ट ने नदी क्षेत्र में जुलाई अगस्त में खनन पर पाबंदी लगाई है। इसके बावजूद रॉयल्टी ठेकेदारों की हनक के आगे अदालत के आदेश भी बौने साबित हो रहे हैं। मौके पर मौजूद ग्रामीणों के अनुसार, नदी क्षेत्र में कई दिनों से रोक के बावजूद खनन जारी था जिस पर ग्रामीणों ने रात को मौके पर जाकर अवैध रूप से बजरी भर रहे ट्रैक्टर और डंपरों को रुकवाया एवं पुलिस को सूचना दी गयी जिस पर कार्यवाही करते हुए सीआई सीताराम पंवार ने मौके से डंपर और पॉकलैंड को जब्त कर थाना लाया गया।

# बेकाबू डंपर मकान में घुसा, चालक केबिन में फंसा

**खेतड़ी,** (निसं)। कस्बे में अलसुबह स्टेट हाईवे-13 पर एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। खनन क्षेत्र से डस्ट भरकर चूरू की ओर जा रहा एक डंपर अचानक अनियंत्रित होकर राजकीय जयसिंह उच्च माध्यमिक विद्यालय के पुल के पास स्थित एक मकान की चारदीवारी को तोड़ते हुए मकान में जा घुसा। हादसा इतना भीषण था कि चारदीवारी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, पास में खड़ा नीम का विशाल पेड़ धराशायी हो गया तथा पानी की टंकी भी टूट गई।

गनीमत रही कि घटना के समय सड़क पर कोई राहगीर या अन्य वाहन इसकी चपेट में नहीं आया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। टक्कर के बाद डंपर का केबिन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक स्टेयरिंग में फंस गया। सूचना मिलते ही खेतड़ी थाना पुलिस, एंबुलेंस कर्मी और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे तथा तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। चालक को बाहर निकालने के लिए सिंघाना से दो क्रेन मंगवाई गईं। करीब एक घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन में केबिन को काटकर चालक अनिल पुत्र जयभगवान जाट, निवासी हरपालू कुबड़ा, थाना हमीरवास, को सुरक्षित बाहर निकाला गया। गंभीर रूप से घायल चालक को तत्काल राजकीय अजीत उप जिला अस्पताल, खेतड़ी पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत चिंताजनक होने पर चिकित्सकों ने उसे बेहतर उपचार के लिए झुंझुनूं रेफर कर दिया। हादसे के चलते कुछ समय के लिए स्टेट हाईवे-13 पर यातायात बाधित रहा।

## युवती ने खुदकुशी की

**जोधपुर,** (कासं)। शहर के माता का थान क्षेत्र में रावत नगर में एक युवती ने अपने घर में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। आत्महत्या का कारण पता नहीं चल पाया। दूसरी तरफ काम करते एक श्रमिक ऊपर से नीचे गिर गया। अस्पताल में उपचार के बीच उसकी मौत हो गई। माता का थान पुलिस ने बताया कि जयगुरू रावत नगर बोरीवला निवासी मधुलिका ने अपने घर में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। आत्महत्या का कारण पता नहीं चला है। उसके पिता राजकुमार ने मर्ग में रिपोर्ट दी है। दूसरी तरफ मध्यप्रदेश के विदिशा स्थित साडेर हाल माणकलाव क्षेत्र में काम करने वाला गोविंद पुत्र करण सिंह बंजारा एक फार्म हाउस पर काम करता था। वह काम करते हुए ऊपर से नीचे गिर गया। गंभीर रूप से घायल होने पर उसे अस्पताल ले जाया गया, मगर वहां उपचार के बीच उसकी मौत हो गई।

# पावटा में बंद मकान से सोने-चांदी के जेवर और नकदी चोरी

■ **पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर चोरों की तलाश में जुटी**

**पावटा,** (निसं)। प्रागपुरा थाना क्षेत्र के पावटा कस्बे में चोरों ने एक बंद मकान को निशाना बनाते हुए सोने-चांदी के आभूषण और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। पीड़ित की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, पटवार घर के पास निवासी दीपक सोनी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनका पुश्तैनी मकान बंद रहता है, जबकि मकान के निचले हिस्से में उनका चाचा परिवार सहित निवास करता है। वे स्वयं अपने परिवार के साथ पावटा में दूसरे मकान में रहते हैं। 17-18 जुलाई की रात अज्ञात चोर मकान की दूसरी मंजिल में बने कमरे में घुस गए और वहां रखे सामान को बिखेरते हुए चोरी की वारदात को अंजाम दिया। पीड़ित ने बताया कि चोर दो सोने की अंगूठियां, दो चांदी के पायजेब, पांच चांदी की अंगूठियां, चांदी के सिक्के तथा करीब 15 हजार रुपये नकद चोरी कर ले गए। घटना की सूचना पर प्रागपुरा थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चोरी की वारदात के बाद मकान में सामान बिखरा पड़ा है।

पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और चोरों की तलाश में जुटी हुई है। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से कस्बेवासियों में भय और आक्रोश का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पावटा क्षेत्र में पहले भी कई चोरी की वारदातें हो चुकी हैं, लेकिन अब तक किसी भी मामले का खुलासा नहीं हो सका है। लोगों ने पुलिस प्रशासन से रात्रि गश्त बढ़ाने, चोरों की शीघ्र गिरफ्तारी करने तथा लगातार हो रही चोरी की घटनाओं का खुलासा करने की मांग की है। इससे क्षेत्रवासियों में सुरक्षा की भावना मजबूत हो सकेगी।

## पुष्कर के मंदिर में चोरी

**पुष्कर,** (निसं)। तीर्थराज पुष्कर में चोरों के हौसले इस कदर बुलंद हो गए हैं कि अब उन्होंने भगवान के घर को भी नहीं बख्शा। पुष्कर सरोवर के कृष्ण घाट स्थित प्रसिद्ध नर्मदेश्वर महादेव मंदिर में देर रात अज्ञात चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम देते हुए मंदिर में स्थापित चांदी का छत्र चोरी कर लिया। घटना से श्रद्धालुओं में गहरा आक्रोश है और क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। मंदिर के पुजारी गिरिराज मुखिया ने बताया कि प्रतिदिन की तरह सुबह जब वे भगवान की पूजा-अर्चना करने पहुंचे तो मंदिर में लगा चांदी का छत्र अपनी जगह से गायब मिला। छत्र गायब देखकर उनके होश उड़ गए। इसके बाद मंदिर परिसर की जांच की गई, लेकिन छत्र का कोई पता नहीं चला। घटना की जानकारी तुरंत पुष्कर थाना पुलिस को दी गई। पुजारी गिरिराज मुखिया के अनुसार चोरी हुए चांदी के छत्र की कीमत करीब 15 से 20 हजार रुपये आंकी जा रही है। उन्होंने बताया कि यह छत्र श्रद्धालुओं की आस्था का प्रतीक था।

# 'जोधपुर में गंभीर प्रसूताओं का विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में उपचार जारी'

## उम्मेद व महात्मा गांधी अस्पताल में भर्ती पांचों प्रसूताओं की स्थिति स्थिर, स्वास्थ्य अपडेट जारी

■ **चिकित्सा दल प्रत्येक मरीज की स्वास्थ्य स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए है : डॉ. जोधा**

**जोधपुर,** (कासं)। उम्मेद व महात्मा गांधी अस्पताल में भर्ती पांचों प्रसूताओं की स्थिति स्थिर है। इन गंभीर प्रसूताओं का विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में उपचार जारी है। मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने उनका स्वास्थ्य अपडेट जारी किया है।

डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक डॉ. बीएस जोधा ने गंभीर प्रसूताओं के उपचार को लेकर बताया कि मेडिकल कॉलेज से संबद्ध जनाना अस्पतालों एवं सुपर स्पेशलिटी चिकित्सा संस्थानों में भर्ती सभी गंभीर मरीजों का विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में उपचार किया जा रहा है तथा सभी मरीजों की स्थिति वर्तमान में स्थिर है। डॉ. जोधा ने बताया कि डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज से संबद्ध मथुरादास माथुर अस्पताल एवं उम्मेद अस्पताल क्षेत्र के प्रमुख रेफरल चिकित्सा संस्थान हैं। पाली, जालोर, सिरोही बाड़मेर सहित आसपास के जिलों एवं ग्रामीण क्षेत्रों से गंभीर स्थिति वाले मरीजों को बेहतर एवं विशेषज्ञ उपचार के लिए यहां रेफर किया जाता है। अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों की चिकित्सकीय आवश्यकता के अनुसार तत्काल उपचार एवं आवश्यक होने पर शल्य चिकित्सा की जाती है। डॉ. बी. एस. जोधा के अनुसार वर्तमान में उपचाराधीन पांच गंभीर प्रसूताओं में कुछ मरीज अत्यधिक रक्तस्त्राव तथा कुछ उच्च रक्तचाप से उत्पन्न चिकित्सकीय जटिलताओं से प्रभावित हैं। सभी मरीजों का विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा सतत उपचार किया जा रहा है तथा उनकी स्वास्थ्य स्थिति पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है।

डॉ. बीएस जोधा ने बताया कि वर्तमान में दो मरीज उम्मेद अस्पताल तथा तीन मरीज महात्मा गांधी अस्पताल में भर्ती हैं। सभी मरीजों का आवश्यक उपचार जारी है और उनकी स्थिति स्थिर बनी हुई है। चिकित्सा दल प्रत्येक मरीज की स्वास्थ्य स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए है तथा आवश्यकतानुसार समुचित चिकित्सकीय सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

# अवतारसिंह हत्याकांड मामले में भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष सहित नौ को उम्रकैद

## वारदात 10 जून 2016 को अलवर जिले के नौगावां थाना क्षेत्र के पाटा गांव में घटित हुई थी, मृतक अवतार सिंह, मुख्य आरोपी और पूर्व भाजपा नेता इंद्रजीतसिंह का सगा भांजा था

- **सरपंच चुनाव में अवतार सिंह का परिवार जिस स्थानीय प्रत्याशी का समर्थन कर रहा था, वह चुनाव जीत गया था, जिससे इंद्रजीत सिंह ने अपने ही भांजे से रंजिश पाल ली थी**
- **10 साल बाद आए अदालत के फैसले ने यह साफ कर दिया है कि अपराध करने वाला व्यक्ति चाहे कितना भी रसूखदार क्यों न हो, वह कानून के लंबे हाथों से बच नहीं सकता**

**अलवर,** (निसं)। अलवर के जिला एवं सत्र न्यायालय के न्यायाधीश हरेंद्र सिंह ने वर्ष 2016 के बहुचर्चित अवतार सिंह हत्याकांड में एक ऐतिहासिक और कड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह (पाटा) समेत नौ मुख्य आरोपियों को हत्या का दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास (उम्रकैद) की सख्त सजा सुनाई है। इस मामले में कोर्ट ने सभी दोषियों पर आर्थिक दंड भी लगाया है। 10 साल से अधिक समय तक चली इस लंबी कानूनी लड़ाई के बाद आए अदालत के इस फैसले ने यह साफ कर दिया है कि अपराध करने वाला व्यक्ति चाहे कितना भी रसूखदार क्यों न हो, वह कानून के लंबे हाथों से बच नहीं सकता। इस फैसले के बाद से ही कोर्ट परिसर के बाहर और पाटा गांव में सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए ताकि किसी भी प्रकार की कानून-व्यवस्था की स्थिति न बिगड़े।

न्यायाधीश हरेंद्र सिंह ने मामले की गंभीरता और अपराध की क्रूरता को देखते हुए दोषियों को किसी भी प्रकार की राहत देने से साफ इनकार कर दिया। कोर्ट ने कानून की विभिन्न धाराओं के तहत सभी 9 दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है और प्रत्येक दोषी पर 1-1 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माने की राशि जमा न करने पर अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। उम्रकैद की सजा पाने वाले अपराधियों में बीजेपी के पूर्व जिला अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह (पाटा), अनूप सिंह, कमलजीत सिंह, गुरवचन सिंह, जसपाल सिंह, कुलवंत सिंह, अमन सिंह, हरविंदर सिंह और विश्वेंद्र सिंह शामिल हैं। सरकारी वकील और पीड़ित पक्ष की ओर से अदालत में इस जघन्य हत्याकांड को साबित करने के लिए बेहद मजबूत तकनीकी और दस्तावेजी साक्ष्य पेश किए गए थे।

न्यायालय ने यह सख्त फैसला अभियोजन पक्ष द्वारा पेश किए गए 22 महत्वपूर्ण गवाहों के बयान, डॉक्टरों की विस्तृत मेडिकल पोस्टमार्टम रिपोर्ट और घटना स्थल से जुटाए गए पुख्ता दस्तावेजी साक्ष्यों के आधार पर सुनाया है। बचाव पक्ष के वकीलों ने इंद्रजीत सिंह के राजनीतिक रसूख और पारिवारिक संबंधों का हवाला देकर राहत मांगने की कोशिश की, लेकिन अदालत ने अपराध की प्रकृति को देखते हुए सभी दलीलों को सिरे से खारिज कर दिया।

अदालत का ऐतिहासिक फैसला आने के बाद मृतक अवतार सिंह के बेटे अजयपाल ने भावुक होते हुए मीडिया को बताया कि उनके परिवार को पूरे 10 साल और 18 दिन के लंबे व मानसिक तनाव से भरे इंतजार के बाद आज आखिरकार न्याय मिला है। उन्होंने न्यायपालिका के प्रति अपना गहरा आभार व्यक्त किया।

हालांकि, कोर्ट परिसर में एक बेहद अजीब और चौंकाने वाला दृश्य भी देखने को मिला। सजा का एलान होने के बाद भी मुख्य आरोपी इंद्रजीत सिंह पाटा और अन्य दोषियों के चेहरों पर अपने किए का कोई पछतावा या शिकन नहीं दिखाई दी। जेल वैन में बैठते समय भी आरोपी पुलिस के सामने हंसते हुए और अपनी मूंछों पर ताव देते हुए नजर आए, जिसकी स्थानीय लोगों और कोर्ट परिसर में मौजूद वकीलों ने कड़ी निंदा की है।

गौरतलब है कि यह खूनी वारदात 10 जून 2016 की शाम करीब 6:30 बजे अलवर जिले के नौगावां थाना क्षेत्र के पाटा गांव में घटित हुई थी, जिसने पूरे राजस्थान को झकझोर कर रख दिया था। मृतक अवतार सिंह, मुख्य आरोपी और पूर्व भाजपा नेता इंद्रजीत सिंह का सगा भांजा था। पाटा गांव में हुए सरपंच चुनाव को लेकर दोनों परिवारों के बीच गहरा विवाद चल रहा था। अवतार सिंह का परिवार जिस स्थानीय प्रत्याशी का समर्थन कर रहा था, वह चुनाव जीत गया था, जिसके बाद से आरोपी इंद्रजीत सिंह ने अपने ही भांजे से रंजिश पाल ली थी। 10 जून की शाम को आरोपियों ने पूरी प्लानिंग के साथ अवतार सिंह और उनके परिजनों को गांव के रास्ते में घेर लिया। आरोपियों ने उन पर हथौड़े, तलवार, चाकू, लोहे के पाइप, हॉकी और लाठियों से ताबड़तोड़ जानलेवा हमला किया, जिससे अवतार सिंह लहूलुहान होकर वहीं गिर गए। उन्हें तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद नौगावां थाने में मर्डर का केस दर्ज हुआ था।

# बीकानेर में हिस्ट्रीशीटर हरिओम के मकान को जेसीबी से तोड़ा

- **प्रशासन और पुलिस की टीम जेसीबी लेकर उसके निवास पर पहुंची और अतिक्रमण कर किए गए निर्माण को ढहा दिया**
- **हरिओम रामावत गैंगस्टर रोहित से जुड़ा हुआ है, इसके खिलाफ हत्या, जानलेवा हमला, फिरौती, अपहरण, लूट के 20 मुकदमे पुलिस थानों में दर्ज है**

**बीकानेर,** (निसं)। प्रशासन और पुलिस ने गैंगस्टर रोहित गोदारा जुड़े हिस्ट्रीशीटर हरिओम रामावत के मकान पर जेसीबी चलाकर अतिक्रमण तोड़ा है। फरार चल रहे हिस्ट्रीशीटर के घर नोटिस भी चस्पा किया गया है।

जानकारी के अनुसार गंगाशहर में विनायक नगर निवासी हरिओम रामावत हिस्ट्रीशीटर है और गैंगस्टर रोहित से जुड़ा हुआ है। उसके खिलाफ हत्या, जानलेवा हमला, फिरौती, अपहरण, लूट के 20 मुकदमे पुलिस थानों में दर्ज हैं। वर्तमान में वह कोटगेट पुलिस थाने में दर्ज संगठित अपराध से जुड़े मामले में फरार चल रहा है। प्रशासन और पुलिस की टीम जेसीबी लेकर उसके निवास पर पहुंची और अतिक्रमण कर किए गए निर्माण को ढहा दिया। टीम ने मकान के सामने बनी चौकी, छज्जा, उस पर बने पिलर, बाहर निकली खिड़कियां और अन्य अतिक्रमण तोड़ दिया। उसके नाम नोटिस भी चस्पा किया गया है, जिसमें मकान की दीवारें व अन्य स्थान निर्माण में किए गए अतिक्रमण हो हटाने की चेतावनी दी गई है। प्रशासन और पुलिस के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर मकान में मौजूद लोगों को बाहर निकाला और उसके बाद तोड़फोड़ की कार्रवाई की। इस दौरान सीओ गंगाशहर और बीडीए तहसीलदार आकांक्षा पुलिस जाब्ते के साथ मौजूद रहे।

गौरतलब है कि रोहित गोदारा ने विदेश से बीकानेर के जयनारायण व्यास कॉलोनी थाना इलाके में रहने वाले एक बड़े ट्रांसपोर्ट कारोबारी को इंटरनेशनल नंबर से कॉल करके 80 लाख रुपये की रंगदारी (फिरौती) मांगी थी। व्यवसायी ने पैसे देने से मना करने पर, रोहित ने स्थानीय स्तर पर दहशत पैदा करने का जिम्मा हरिओम रामावत को सौंपा। हरिओम ने राजस्थान और हरियाणा से हथियार और शूटर (लॉजिस्टिक्स) अरेंज किए। शूटरों ने व्यवसायी के घर और गाड़ी पर सरेआम गोलियां चलाईं और परिवार को धमकी दी।

# युवक की संदिग्ध मौत

**पावटा,** (निसं)। भाबरू थाना क्षेत्र के ग्राम जयसिंहपुरा में शनिवार को 21 वर्षीय युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान जितेंद्र सिंह पुत्र बिहारी सिंह (21) निवासी जयसिंहपुरा के रूप में हुई है। घटना से गांव में शोक की लहर दौड़ गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों ने भाबरू थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना पर थानाधिकारी प्रदीप कुमार पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया।

थानाधिकारी प्रदीप कुमार ने बताया कि मृतक के गले पर निशान पाए गए हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए मौके पर एसएफएल टीम को बुलाया गया, जिसने साक्ष्य एकत्रित किए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए विराटनगर उपजिला अस्पताल की मोर्चरी भिजवाया है।

# श्रीगंगानगर में अशोक चांडक के घर से तीन करोड़ की नगदी और 50 प्रॉपर्टी के कागजात मिले

- **अवैध खनन और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अशोक चांडक के आठ ठिकानों पर ईडी का सर्च, संदिग्ध लेनदेन के रिकॉर्ड भी मिले**
- **अशोक चांडक की कंपनी महादेव एनक्लेव प्राइवेट लिमिटेड पर बिहार में अवैध बालू खनन में 131 करोड़ के गबन का आरोप है**

**श्रीगंगानगर,** (निसं)। भाजपा नेता और शराब कारोबारी अशोक चांडक के घर से प्रवर्तन निदेशालय की टीम को तीन करोड़ कैश और 50 से ज्यादा प्रॉपर्टी के डॉक्यूमेंट मिले। साथ ही कई संदिग्ध लेनदेन के रिकॉर्ड मिले हैं। ईडी की टीमों ने शुक्रवार सुबह 5 बजे चांडक के 8 ठिकानों पर एक साथ छापे मारे, देर रात एक बजे तक कार्रवाई चली।

जानकारी के अनुसार, अशोक चांडक की कंपनी महादेव एनक्लेव प्राइवेट लिमिटेड पर बिहार में अवैध बालू खनन में 131 करोड़ के गबन का आरोप है। बिहार खान एवं भू-तत्व विभाग ने कंपनी पर अवैध बालू खनन का केस भी दर्ज कराया है। 21 अगस्त 2025 को दर्ज एफआईआर के आधार पर ईडी ने प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत यह कार्रवाई की। ईडी की टीमों ने श्रीगंगानगर में 4, जयपुर में 1, दिल्ली, पटना और बांका जिले में मिलाकर कुल 8 ठिकानों पर छापे मारे। अशोक चांडक के ससुराल जयपुर में भी ईडी की टीम पहुंची। छापेमारी के दौरान डिजिटल दस्तावेज, लेनदेन के रिकॉर्ड और खनन से जुड़े महत्वपूर्ण कागजात भी जब्त किए गए। अशोक चांडक महादेव सट्टा एप और स्काई एक्सचेंज बैटिंग एप से भी जुड़े हुए हैं।

जानकारी के अनुसार, ईडी ने हाल ही में महादेव सट्टा एप और स्काई एक्सचेंज बैटिंग एप जुड़े से चेयरमैन विकास गर्ग को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया था। जिसके बाद इन एप से जुड़े सहयोगियों और निवेशकों पर छापेमारी की जा रही है। वहीं, रायपुर की पीएमएलए स्पेशल कोर्ट ने विकास गर्ग को 24 जुलाई तक ईडी की रिमांड पर भेजा है। ईडी का दावा है कि अवैध कमाई को फॉरेन पोर्टफोलियो इन्वेस्टमेंट और फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट के जरिए लॉन्ड्रिंग किया गया। इसके बाद इस पैसे का इस्तेमाल लिस्टेड कंपनियों में किया गया और करीब 1,175 करोड़ रुपए में अमेरिकी सॉफ्टवेयर कंपनी ईबीआईएक्स की हिस्सेदारी खरीदी गई। इस पूरे सिलसिले में दुबई, मॉरीशस और अमेरिका के रास्ते पैसे को घुमाया गया। ईडी अब इस बात की जांच कर रही है कि अवैध खनन और सट्टा एप से प्राप्त धन को अशोक चांडक ने कहां-कहां खपाया। छापेमारी में मिले दस्तावेज के आधार पर आगे की कार्रवाई जारी है।

# सोनम वांगचुक को अनशन से जबरन उठाना दुर्भाग्यपूर्ण : सचिन पायलट

टोंक में सचिन पायलट ने जिला आदिवासी कांग्रेस द्वारा आयोजित सभा को संबोधित किया।

- **यह बेहद आश्चर्यजनक है कि केन्द्र सरकार न तो वांगचुक से बात करने को तैयार है और न ही उनकी मांगें मानने को तैयार है : पायलट**
- **पायलट ने जिला आदिवासी कांग्रेस द्वारा आयोजित सम्मेलन में शिरकत की**

**टोंक,** (निसं)। दो दिवसीय दौरे पर आये कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और पूर्व डिप्टी सीएम व टोंक विधायक सचिन पायलट ने मीडिया से बातचीत के दौरान शनिवार को सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए केंद्र सरकार पर हमला बोला। इस मौके पर सचिन पायलट ने कहा कि यह बेहद आश्चर्यजनक है कि सरकार न तो वांगचुक से बात करने को तैयार है और न ही उनकी मांगें मानने को तैयार है। उन्होंने कहा कि वांगचुक अपनी मांगों को लेकर 20 जुलाई से शुरू हो रहे मानसून सत्र के दौरान संसद तक जाना चाहते थे, इसलिए सरकार बौखलाहट में काम कर रही है। जिन मुद्दों को लेकर पूरे देश में आक्रोश है, नौजवान आंदोलित हैं और कांग्रेस पार्टी के साथ राहुल गांधी भी सरकार से जवाब मांग रहे हैं कि शिक्षा मंत्री इस्तीफा दें। लेकिन इस्तीफा लेने के बजाय सरकार ने अनशन कर रहे व्यक्ति को जबरन उठाकर गिरफ्तार कर लिया। यह सरकार के काम करने के तरीके का एक उदाहरण है। सरकार न संवाद करना चाहती है, न चर्चा करना चाहती है, न मांगों पर ध्यान देना चाहती है और न ही शिक्षा मंत्री से इस्तीफा लेना चाहती है।

सचिन पायलट ने कहा कि भूख हड़ताल पूरी तरह शांतिपूर्ण ढंग से चल रही थी, लेकिन सरकार ने उसे जबरन खत्म करने की कोशिश की। इससे स्पष्ट है कि सरकार बैकफुट पर है, बौखलाई हुई है और कहीं न कहीं उसे जनभावनाओं का भी डर है। पायलट ने कहा कि सरकार जनता की मांगें पूरी नहीं करना चाहती और न ही उसने कोई संवाद स्थापित किया। यदि सरकार का कोई प्रतिनिधि वांगचुक से मिलकर बातचीत करता और उनकी मांगों पर चर्चा करता तो समाधान निकल सकता था। समस्या का समाधान करने के बजाय उन्हें गिरफ्तार करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। पायलट ने कहा कि कांग्रेस का रुख पूरी तरह स्पष्ट है, शिक्षा मंत्री का इस्तीफा होना चाहिए और सरकार को इसमें कोई संकोच नहीं करना चाहिए। पंचायती राज एवं नगर निकाय चुनावों को लेकर पायलट ने कहा कि सरकार चुनाव नहीं कराना चाहती, क्योंकि उसे पता है कि जनादेश उसके खिलाफ है। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट भी पहले इस संबंध में टिप्पणी कर चुका है, लेकिन सरकार हर बार कोई न कोई बहाना बना लेती है। इस दौरान सचिन पायलट ने कहा कि जिले में चल रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई है।

सचिन पायलट ने भीम सेना पदाधिकारी अशोक बैरवा के निवास पर पहुंचकर उनकी माताजी शांति देवी के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की तथा पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इसी प्रकार पायलट ने जिला आदिवासी कांग्रेस द्वारा आयोजित सम्मेलन शहनाई मैरिज गार्डन में मुख्य अतिथि के रूप से पहुंचे, जहां उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि आदिवासी समाज के अधिकारों, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सशक्तिकरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से विचार रखे। पायलट ने कहा आदिवासी समाज के हितों की रक्षा, उनके अधिकारों और क्षेत्र के विकास के लिए निरंतर प्रतिबद्धता के साथ हम सभी कार्य करेंगे। इस अवसर पर आदिवासी कांग्रेस के संगठन महासचिव हरगुण बेपर, शिवचरण मीणा संभाग प्रभारी, सऊद सईदी जिला अध्यक्ष कांग्रेस कमेटी, रामविलास चौधरी, डॉ. सुमित गर्ग संगठन सह प्रभारी टोंक, आदिवासी कांग्रेस जिला अध्यक्ष फौजु राम मीणा, हरिप्रसाद बेरवा, पूर्व विधायक कमल बेरवा, मौसमी मीणा, शिवजी राम, कैलाशी देवी, दिनेश चौरसिया, हंसराज फगणा, गुरु लाल, बजरंग लाल, धर्मेंद्र सालोदिया, रामलाल संडीला, हसीन आदि सहित आदिवासी कांग्रेस से जुड़े कार्यकर्ता पदाधिकारी उपस्थित रहे।

# जोधपुर में डोडा-पोस्त से भरी कार पकड़ी, तस्कर गिरफ्त में

**जोधपुर,** (कासं)। जोधपुर कमिश्नरेट की डांगियावास थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 39 किलोग्राम डोडा-पोस्त और तस्करी में इस्तेमाल की जा रही ऑल्टो कार जब्त की है। आरोपी बालोतरा जिले का रहने वाला है, जो जोधपुर के ग्रामीण इलाकों में डोडा-पोस्त की सप्लाई करने आ रहा था। डीसीपी पूर्व मनीष चौधरी, एडीसीपी नरेंद्र सिंह देवड़ा, एसीपी अनिल शर्मा की मॉनिटरिंग में टीम ने कार्रवाई ने की।

डांगियावास थानाधिकारी राजूराम काला ने बताया कि जालेली फौजदार सरहद पर गश्त और सघन नाकाबंदी कर रही थी। इसी दौरान एक सफेद रंग की ऑल्टो कार तेज रफ्तार में आती दिखाई दी। पुलिस ने जब कार को रुकने का इशारा किया, तो ड्राइवर ने रफ्तार और बढ़ा दी और भागने का प्रयास किया। लेकिन पुलिस टीम ने घेराबंदी कर कार को पकड़ लिया। कार की तलाशी लेने पर उसमें से 39 किलो डोडा-पोस्त बरामद हुआ। पुलिस ने कार और मादक पदार्थ को जब्त कर आरोपी डोली कला, थाना कल्याणपुर जिला बालोतरा निवासी दिनेश पुत्र मोहकमराम विश्नोई को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी से पुलिस पूछताछ में सामने आया कि दिनेश घर में सबसे बड़ा है और उसके माता-पिता बुजुर्ग हैं। घर में कोई और कमाने वाला नहीं था। जल्द और ज्यादा पैसा कमाने की चाहत में वह इलाके के कुछ मादक पदार्थ तस्करों के संपर्क में आया और उनके साथ मिलकर खुद भी तस्करी के इस काले कारोबार में उतर गया। फिलहाल पुलिस आरोपी से यह पता लगाने में जुटी है कि वह यह खेप कहां से लाया था और जोधपुर में किसे सप्लाई करने वाला था।

## अपहरण के आरोपी को पकड़ा

**कोटा,** (निसं)। मानव तस्करी यूनिट एवं बोरखेड़ा पुलिस टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए नाबालिग बालिका को दस्तयाब कर बालिका के अपहरण के आरोपी को गिरफ्तार किया है। शहर एसपी तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 2 जुलाई को परिवादी द्वारा रिपोर्ट दी गई कि उसकी 16 वर्षीय बेटी जो 15 जून से लापता है। रिपोर्ट में कहा कि 15 जून रात्रि को सब टापरी में सो रहे थे। उस समय उसकी बेटी घर से गायब हो गई। फरियादी ने पड़ोस में रहने वाले एक लड़के भैंरूलाल पर बेटी को बहलाकर भगा ले जाने का शक जताया। इसके बाद गठित टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुये नाबालिग बालिका को दस्तयाब कर आरोपी भैंरूलाल को गिरफ्तार किया।

# "संग्राम शक्ति फाउंडेशन" के सहयोग से जनता विद्यालय छू रहा ऊंचाइयां

संग्राम शक्ति फाउंडेशन, जयपुर के कर्नल वी.पी. सिंह और राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रसीदपुरा खुड़ी ( जनता विद्यालय ) के प्रधानाचार्य चिरंजीलाल चिरानिया ने एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए।

- **संग्राम शक्ति फाउंडेशन, जयपुर ने अब आगामी तीन वर्षों में विद्यालय को पूरी तरह हाईटेक और मॉडल स्कूल बनाने का बीड़ा उठाया है**
- **ग्रामीणों और स्टाफ का मानना है कि फाउंडेशन की इस अनूठी पहल से क्षेत्र के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और आगे बढ़ने के बेहतर अवसर मिलेंगे**

**लक्ष्मणगढ़/सीकर।** शिक्षा के स्तर को सुधारने और ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को आधुनिक सुविधाएं मुहैया कराने की दिशा में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रसीदपुरा खुड़ी (जनता विद्यालय), ब्लॉक लक्ष्मणगढ़ में एक सराहनीय पहल की गई है। पिछले छह महीनों से विद्यालय के जीर्णोद्धार में सक्रिय भूमिका निभा रहे संग्राम शक्ति फाउंडेशन, जयपुर ने अब आगामी तीन वर्षों में विद्यालय को पूरी तरह हाईटेक और मॉडल स्कूल बनाने का बीड़ा उठाया है। इस उद्देश्य के लिए फाउंडेशन के कर्नल वी.पी. सिंह ने विद्यालय के शिक्षकों के साथ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और आधुनिक सुविधाओं को लेकर एक विस्तृत परिचर्चा की। बैठक के बाद आगामी तीन साल की विकास योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए संग्राम शक्ति फाउंडेशन के कर्नल वी.पी. सिंह और विद्यालय के प्रधानाचार्य चिरंजीलाल चिरानिया ने एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए।

**विगत 6 माह में स्कूल के दिन फिरे :-** फाउंडेशन द्वारा पिछले छह महीनों में विद्यालय परिसर की कायाकल्प करने के लिए बड़े स्तर पर कार्य करवाए गए हैं, जिनमें मुख्य रूप से विद्यार्थियों हेतु अत्याधुनिक फर्नीचर, विद्यालय भवन की सम्पूर्ण मरम्मत, आकर्षक रंग-रोगन और छत की वॉटर प्रूफिंग का कार्य, स्टाफ रूम के लिए नए कक्ष का निर्माण, नए सिरे से पूरी बिजली फिटिंग और सुरक्षा के लिहाज से पूरे परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगवाना, विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने के लिए स्मार्ट क्लासरूम का पूरा सेटअप तैयार करना, सांस्कृतिक व साहित्यिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए शानदार स्टेज (मंच) का निर्माण और प्रार्थना स्थल हेतु पक्के फर्श का निर्माण शामिल हैं।

विद्यालय को कॉर्पोरेट और निजी स्कूलों जैसी सुविधाएं प्रदान करने के इस भगीरथ प्रयास के लिए प्रधानाचार्य चिरंजीलाल चिरानिया और समस्त स्टाफ सदस्यों ने संग्राम शक्ति फाउंडेशन के कर्नल वी.पी. सिंह तथा गोविंद बाग (खुड़ी) के के.वी. सिंह सहित सभी भामाशाहों का आभार व्यक्त किया और धन्यवाद ज्ञापित किया। ग्रामीणों और स्टाफ का मानना है कि इस अनूठी पहल से क्षेत्र के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और आगे बढ़ने के बेहतर अवसर मिलेंगे।

# कोटा में कार से 136 किलो डोडा-चूरा बरामद, तस्कर गिरफ्तार

**कोटा,** (निसं)। केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो टीम ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए कार से 136.150 किलोग्राम अवैध डोडा-चूरा बरामद कर तस्कर को गिरफ्तार किया।

उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि राजस्थान नम्बर वाली एक कार में तस्कर नेटावल महाराज-ओदुंद क्षेत्र से सीकर की ओर अवैध डोडा-चूरा लेकर जा रहा है। उक्त सूचना पर सीबीएन कोटा के अधिकारियों की एक टीम का गठन किया गया, गठित टीम को मौके पर रवाना किया गया। गठित टीम ने मौके पर पहुंचकर संदिग्ध वाहन की पहचान होने पर सीबीएन अधिकारियों ने कार को रोकने की कोशिश की, किन्तु चालक ने वाहन नहीं रोका तथा तेज गति से भागने का प्रयास किया। उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि टीम द्वारा लगभग 300 मीटर तक पीछा करने के दौरान वाहन को रोकने के उद्देश्य से सीबीएन अधिकारियों द्वारा पिस्टल एवं ट्राईका राईफल से चेतावनी स्वरूप फॉयर किए गए। इसके पश्चात वाहन में सवार व्यक्ति वाहन को सड़क पर छोड़कर अंधेरे का लाभ उठाते हुए भागने का प्रयास करने लगा, किन्तु सीबीएन अधिकारियों ने उसे मौके पर ही पकड़ लिया। टीम ने कार को कार्यालय लाकर तलाशी ली तो तलाशी लेने पर कार के अन्दर से 7 बोरियों से कुल 136.150 किलोग्राम अवैध डोडा-चूरा बरामद हुआ। इसके बाइ अवैध डोडा-चूरा एवं कार को जब्त कर लिया गया तथा एनडीपीएस एक्ट के तहत आरोपी को गिरफ्तार किया गया, मामले में आगे की जांच प्रकिया जारी है।

## चलती ट्रेन से गिरा युवक गंभीर घायल

**अजमेर/विजयनगर,** (निसं)। नसीराबाद से लोकल ट्रेन में सवार होकर अपने गृह नगर विजयनगर लौट रहे एक युवक के साथ हादसा हो गया। विजयनगर रेलवे स्टेशन पर चलती ट्रेन से उतरने के दौरान उसका पैर फिसल गया और वह ट्रेन की चपेट में आ गया। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद स्टेशन पर अफरा-तफरी मच गई। मौके पर मौजूद यात्रियों और रेलवे कर्मचारियों ने तत्काल घायल को संभाला तथा उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की। घायल की पहचान श्यामलाल के रूप में हुई है।

# शिक्षा विभाग अब कुछ खास मामलों में ट्रांसफर के लिए परिवेदनाएं लेगा

- **एकल-विधवा, असाध्य बीमारियों के मामले में टीचर्स गुहार लगा सकेंगे**

**बीकानेर,** (निसं)। शिक्षा विभाग में 19 जून से 10 जुलाई तक टीचर्स के तबादले हुए। इसके बाद कुछ खास मामलों में अब शिक्षा विभाग ट्रांसफर की परिवेदनाएं स्वीकार करेगा। तबादले को लेकर जिन टीचर्स को आपत्ति है, वे परिवेदना लगा सकेंगे। इस आधार पर राहत देने के लिए निदेशालय ने कमेटियों का गठन किया है।

माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने स्थानांतरण आदेशों से संबंधित परिवेदनाओं (आपत्तियों) की जल्दी जांच और निपटारे के लिए निदेशालय और संभाग स्तर पर समितियों का गठन किया है। यह आदेश प्रशासनिक सुधार विभाग की ओर से ट्रांसफर पर लगी रोक में 19 जून से 10 जुलाई 2026 तक दी गई छूट के दौरान जारी ट्रांसफर ऑर्डर के संदर्भ में जारी किया गया है। निदेशक की ओर से जारी आदेश के अनुसार एकल महिला, विधवा, मेडिकल बोर्ड से प्रमाणित गंभीर और असाध्य रोगों जैसे कैंसर, मस्तिष्क, हृदय, फेफड़े, किडनी आदि से पीड़ित, दिव्यांग कार्मिक, दीर्घावधि सेवाकाल और सरकारी सेवा में कार्यरत पति-पत्नी के मामलों से जुड़ी परिवेदनाओं की सुनवाई समितियां करेंगी। निदेशालय स्तर समिति-अतिरिक्त निदेशक (शैक्षिक) को इस समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। समिति में संयुक्त निदेशक (कार्मिक), संयुक्त निदेशक (प्रशिक्षण), उपनिदेशक (प्रशासन), उप-विधि परामर्शी तथा सहायक निदेशक (स्थापना सी-5) सदस्य सचिव होंगे। संबंधित संभाग के संयुक्त निदेशक (स्कूल शिक्षा) इस समिति के अध्यक्ष होंगे। समिति में संभाग मुख्यालय के मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी, संयुक्त निदेशक द्वारा नामित जिला शिक्षा अधिकारी तथा संयुक्त निदेशक कार्यालय के अति. जिला शिक्षा अधिकारी/समकक्ष अधिकारी सदस्य सचिव होंगे।

## जयपुर पुलिस में फिर फेरबदल

**जयपुर।** जयपुर पुलिस कमिश्नरेट में पुलिस निरीक्षकों के तबादलों को लेकर शनिवार को एक बार फिर आदेश जारी किए गए। पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने 15 जुलाई 2026 को जारी तबादला सूची (आदेश क्रमांक-8876) में आंशिक संशोधन करते हुए चार पुलिस निरीक्षकों को नई जिम्मेदारियां सौंपी हैं। वहीं चार निरीक्षकों के स्थानांतरण तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिए गए हैं।

जारी आदेश के अनुसार वंदना नरूला, जिन्हें पूर्व में सेज थाना, जयपुर पश्चिम के लिए स्थानांतरित किया गया था, अब थानाधिकारी सिंधी कैंप नियुक्त की गई हैं।

# मुख्यमंत्री ने लिया साइबर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया

## शिकायत दर्ज होने से लेकर उसे संबंधित थाना एवं बैंक तक भेजने (डिस्पैच) की पूरी प्रक्रिया की बारीकी से जानकारी ली

**जयपुर (कासं)।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को पुलिस मुख्यालय पहुंचकर साइबर अपराध नियंत्रण को लेकर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने और इसके लिए आवश्यक सभी सुविधाएं एवं संसाधन उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

वहीं बैठक से पहले मुख्यमंत्री ने आर-4-सी (राजस्थान साइबर क्राइम कंट्रोल सेंटर) का निरीक्षण किया और साइबर अपराध रोकथाम के लिए विकसित तकनीकी व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने साइबर क्राइम कंट्रोल रूम 1930 की कार्यप्रणाली को विस्तार से समझा तथा स्वयं हेल्पलाइन पर आए एक पीड़ित की शिकायत सुनी।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से शिकायत दर्ज होने से लेकर उसे संबंधित थाना एवं बैंक तक भेजने (डिस्पैच) की पूरी प्रक्रिया की बारीकी से जानकारी ली। उन्होंने साइबर क्राइम कंट्रोल सेंटर के लाइव डैशबोर्ड का भी अवलोकन कर साइबर अपराधों की मॉनिटरिंग, शिकायतों के निस्तारण और तकनीकी निगरानी व्यवस्था की समीक्षा की। इसके बाद मुख्यमंत्री ने विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक में साइबर अपराधों की रोकथाम, त्वरित कार्रवाई और तकनीकी क्षमता बढ़ाने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा, अतिरिक्त मुख्य सचिव अखिल अरोड़ा सहित पुलिस मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को पुलिस मुख्यालय पहुंचकर साइबर क्राइम कंट्रोल रूम 1930 की कार्यप्रणाली को विस्तार से समझा तथा स्वयं हेल्पलाइन पर आए पीड़ित की शिकायत भी सुनी।

# पूर्व स्पीकर सुमित्रा सिंह से मिलने पहुंची वसुंधरा राजे

**जयपुर।** पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे शनिवार को अस्वस्थ चल रही 97 वर्षीय पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सुमित्रा सिंह की मिजाजपुर्सी करने उनके सी-स्कीम स्थित निवास पर पहुंची तो दोनों के बीच पुरानी स्मृतियों को लेकर लंबी चर्चा हुई।वहाँ उपस्थित लोगों के बीच पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सिंह ने कहा कि वसुन्धरा का कार्यकाल नारी शक्ति को समर्पित रहा, जो कई मायनों में याद रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि इनके 2003 से 2008 के कार्यकाल में राजस्थान में तीन देवियां पहली बार प्रदेश के सर्वोच्च पदों पर आसीन थी। गत 8 दिसंबर 2003 को वसुन्धरा राजस्थान की पहली महिला मुख्यमंत्री बनी। मुझे भी इन्होंने 20 जनवरी 2004 को प्रदेश की पहली महिला विधानसभा अध्यक्ष बनने का गौरव प्रदान किया। उसी कालखंड में 8 नवंबर 2004 को राजस्थान में पहली महिला राज्यपाल प्रतिभा देवी सिंह पाटिल बनी।

त्रिवेणी संगम का ये दुर्लभ और सुखद संयोग था,जो अन्य किसी भी प्रदेश में आज तक देखने को नहीं मिला। उन्होंने कहा कि इसीलिए महिलाओं की तरक्की के लिए उस वक्त महिलाओं को परिवार का मुखिया बनाने वाली दुनिया में पहली भामाशाह नारी सशक्तिकरण योजना, महिलाओं को पंचायत राज संस्थाओं के चुनाव में 50 फीसदी आरक्षण और बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए स्कूटी-साइकिल योजना जैसे कई महत्वपूर्ण निर्णय हुए,जो देश के लिए उदाहरण बने। राजे ने ईश्वर से उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की।

**पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे ने शनिवार को पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सुमित्रा सिंह के सी-स्कीम स्थित आवास पर पहुंचकर कुशलक्षेम पूछी।**

## पुलिस कमिश्नर ने सुनी समस्याएं

**जयपुर।** आमजन की शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने शनिवार को पुलिस थाना प्रताप नगर में जनसुनवाई की। इस दौरान सांगानेर सर्किल के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए परिवादियों की परिवेदनाएं सुनकर कई मामलों में मौके पर ही राहत दिलाई गई। साथ ही, शेष प्रकरणों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

जनसुनवाई में प्रताप नगर, सांगानेर, मालपुरा गेट और रामनगरिया थाना क्षेत्रों से आए परिवादियों ने अपनी बात सीधे पुलिस आयुक्त के समक्ष प्रस्तुत कीं। प्रत्येक परिवाद की गंभीरता से सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि प्रत्येक मामले का निष्पक्ष, संवेदनशील और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

**आम सूचना** सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि कार्यालय राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा मकान संख्या -4-ट-8, हाउसिंग बोर्ड, नाहरी का नाका योजना, शास्त्री नगर, जयपुर, राजस्थान में स्थित है की परपीच्युअल डीड श्री लड्डू लाल पुत्र श्री मोहन लाल के नाम से दिनांक 30-07-1993 ईस्वी को जारी की गई जिसका पंजीयन कार्यालय उप पंजीयक जयपुर द्वितीय द्वारा किया गया तथा उक्त मकान की Handing over the Possession दिनांक 27 अक्टूबर 1976 ईस्वी को श्री लड्डू लाल जी के पक्ष में जारी की गई। यह कि उक्त दोनों दस्तावेज कहीं खो गए हैं, जिसकी गुमशुदगी रिपोर्ट क्रमांक LR No. 3218389/2026 पर दिनांक 18 जुलाई 2026 ईस्वी को पुलिस मे विक्रेता द्वारा दर्ज करा दी गयी है, उक्त सम्पत्ति पर मेरे अभिभाष्य कायनात सिद्दिकी पत्नी तारीख खान द्वारा उक्त श्री लड्डू लाल से क्रय करने हेतु बैंक में ऋण हेतु आवेदन किया हैं। उक्त दस्तावेजों की प्रमाणित प्रतिलिपि उप पंजीयक कार्यालय एवं राजस्थान आवासन मण्डल से प्राप्त कर ली गई है, जिन्हे ही मूल दस्तावेज के समान माना जावेगा। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त मूल दस्तावेज मिले या कोई आपत्ति हो तो 7 दिवस के भीतर सम्पर्क करें।
अधिवक्ता सौरभ यादव, मोबाईल 7769877047

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
**कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर**
**राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस**
**समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को**
मुकदमा नम्बर 689/2026
**(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)**
चूंकि श्री अंकुर खण्डेलवाल, निवासी 171 ऑफिसर्स कैम्पस एक्सटेशन, सिरसी रोड़, जयपुर राजस्थान ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास मोहनलाल खण्डेलवाल चेरिटेबल ट्रस्ट, 171 ऑफिसर्स कैम्पस एक्सटेशन, सिरसी रोड़, जयपुर राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 9.7.26 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 18.9.26
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
**कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर**
**राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस**
**समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को**
मुकदमा नम्बर 695/2026
**(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)**
चूंकि श्रीमती अंजू सोनी, निवासी 1206, जोशियों का मौहल्ला, कालवाड रोड, झोटवाडा, जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास TREASURELAND SPECIAL EDUCATION AND OCCUPATIONAL THERAPY CENTER, जोशियों का मौहल्ला, कालवाड रोड, झोटवाडा, जयपुर राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 9.7.26 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 18.9.26
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
**कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर**
**राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस**
**समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को**
मुकदमा नम्बर 671/2026
**(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)**
चूंकि श्री ब्रजेश कुलथिया, निवासी जोबनेर माता की गली, गोविन्दम पैलेस, पुरोहित पाडा, ब्रहमपुरी, जयपुर राजस्थान ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास जेम्स एण्ड ज्वैलरी मैन्यूफेक्चरर एसोसिएशन ऑर्गनाईजेशन, 231 सैकेण्ड फ्लोर, सी के हाउस बिचून मार्केट के पीछे, बोरडी का रास्ता, किशनपोल बाजार, जयपुर राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 9.7.26 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 15.9.26
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग जयपुर

## नाम परिवर्तन

मै अंजू यादव पत्नी क्रमांक 4200959M पति सत्यवीर सिंह यादव, मेरा नाम अंजू मेरे पति के आर्मी रिकॉर्ड में गलत तरीके से दर्ज है, आधार कार्ड के अनुसार मेरा सही नाम अंजू यादव है, शपथ पत्र 13 जुलाई 2026

I No 4199121P HAV BRAJ KISHOR My Father name is JAYVIR SINGH has been wrongly recorded in the military records. while according to the Aadhaar card the correct name is JAYVEER SINGH. Affidavit no is IN-AS50207248236722Y.

I No 4199121P HAV BRAJ KISHOR My Mother name is RAJWATI has been wrongly recorded in the military records. while according to the Aadhaar card the correct name is RAJVATI .Affidavit no is IN-AS50206825034197Y.

I Sanjeev Dhadda have changed my name Sanjeev Kumar Dhadda to Sanjeev Dhadda s/o Kusum Kumar Dhadda, Add- F-229, Surya Path, Janpath, Shyam Nagar sodala ,Jaipur 302019 (Raj) In Future I Will Be Known Sanjeev Dhadda

I have changed my name from Arvind Kumar to Arvind Kumar Agrawal for all future purposes. Address: Shop No. 5, Sector- 119, Shopping Centre, Agarwal Farm, Mansarovar, Jaipur- 302020

I, MONINDRA PATRA is legally father of No. 8037914Y Nk (GD) Dipankar Patra, Presently Residing at, Village Singti, Post: Guti, Teh: Seram pore, Police Station: Jangipara, Dist: Hooghly, State WB, PIN- 712408 have changed my name from MONINDRA PATRA to MANINDRANATH PATRA Vide affidavit No. CL734663 Date 06 June 2026

I have changed my name from Virendra Goyal to Virendra Kumar Goyal son of Sh. Gopal Dass Goyal. I will be known by this name in future. Address:- B-7,403 Hill View Appartment, Jhar Maajri (215 ), Dist.Solan,Himachal Pradesh - 174103.

I P no 211759 Y Ex POELP Kan singh nathawat S/O pabudan singh resident of Rajputo ka mohalla VPO kishanpura tehsil chomu jaipur that I want to change my father name in my service record from PABUDAN SINGH NATHAWAT To PABUDAN SINGH vide affidavit dated 10/7/26 before sub divisional officer chomu jaipur

I , No TA- 42181X Col Umrao Singh Rathore resident of 164, Pachewar House, Girnar Colony South, Gandhi Path Vaishali Nagar, Jaipur that I want to change my wife's name from MADHULIKA RATHORE to MADHULIKA SINGH RATHORE vide affidavit dated 13/7/26 before Sub Divisional Magistrate Jaipur City North

I army no 1296270K Ex Sep mool singh resident of plot no 14 jeen mata nagar vistar saini marg kalwar road jhotwara jaipur that I want to change name of my spouse from SAIR DEVI (DOB 2/5/1952)to SAR DEVI (DOB 15/10/1955)vide affidavit dated 16 july 2026 before Sub Divisional Magistrate Jaipur City North

# प्रत्येक हाई रिस्क प्रेग्नेंसी महिला को एक एएनएम के साथ निगरानी में रखें : वी. श्रीनिवास

## हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश दिए मुख्य सचिव ने

**जयपुर (कासं)।** मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि प्रत्येक हाई रिस्क प्रेग्नेंसी महिला को उपयुक्त अस्पताल (सीएचसी, उपजिला अस्पताल, जिला अस्पताल, मेडिकल कॉलेज) से मैप किया जाए तथा हाई रिस्क प्रेग्नेंसी महिला की नियमित रूप से मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक हाई रिस्क प्रेग्नेंसी महिला को एक एएनएम के साथ निगरानी में रखे और आवश्यकता पर डॉक्टर को तुरंत दिखाने की व्यवस्था सुनिश्चित करें। वी.श्रीनिवास शनिवार को स्वास्थ्य भवन स्थित सभागार में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सीएचओ, आरसीएचओ, पीएमओ, संयुक्त निदेशक-जोन, मेडिकल कॉलेज के प्राचार्यों व अस्पताल के अधीक्षकों को सम्बोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि लेबर रूम एवं ओटी के लिए जारी प्रोटोकॉल की पालना प्रतिदिन सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि हाई रिस्क गर्भवती महिला से जुड़ी एएनएम प्रति 3 दिन बाद व्यक्तिगत सम्पर्क करेगी।

मुख्य सचिव ने कहा कि प्रत्येक मातृ मृत्यु की समीक्षा संस्था स्तर पर एवं सामुदायिक स्तर पर रहे कारणों के साथ की जाए तथा अस्पतालों में बनाई गई मातृ मृत्यु ऑडिट कमेटी में विभिन्न विभागों के विशेषज्ञों को शामिल करते हुए भी समीक्षा की जाए। उन्होंने गर्भवती महिला को प्रसव पूर्व, दो बच्चों के अन्तर, एनीमिया तथा पूर्व प्रसव के दौरान होने वाली समस्याओं को ध्यान में रखते हुए गुड कम्युनिकेशन स्ट्रेटेजी बनाई जाए।उन्होंने कहा कि प्रतिदिन अस्पतालों में ओटी, आईसीयू, लेबर रूम आदि की क्रियाशीलता, उनमें उपचारित मरीजों की संख्या सहित अन्य जानकारी की प्रतिदिन रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी मरीज की मृत्यु चिकित्सकीय लापरवाही से नहीं होनी चाहिए। उन्होंने गर्भवती महिलाओं के न्यूट्रिशन एवं सुरक्षित प्रसव के संबंध में स्त्री रोग विशेषज्ञों से चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सर्जन के रिक्त पदों को भरने के निर्देश दिए।

वी. श्रीनिवास ने बीकानेर, जोधपुर, कोटा, अजमेर मेडिकल कॉलेज के प्राचार्यों, जनाना अस्पताल, महिला चिकित्सालय जयपुर, जनाना अस्पताल कोटा के विशेषज्ञों तथा झालावाडा जिले के सीएमएचओ से गर्भवती महिलाओं के उपचार में दी जा रही सुविधाओं, प्रोटोकॉल की पालना, ब्लड बैंक, आईसीयू, लेबर रूम, ओटी, प्रतिदिन होने वाले सामान्य प्रसव एवं सिजेरियन प्रसव, उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं के लक्षण सहित अन्य बिन्दुओं पर विस्तार से चर्चा की और सुझाव लिए।

मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि सरकारी चिकित्सा संस्थानों में प्रतिदिन होने वाले प्रसव, भर्ती गर्भवती महिलाओं की स्थिति, लेबर रूम, ओटी, बेड की उपलब्धता सहित अन्य जानकारियां स्टैण्डर्ड फार्मेट में मंगवाया जाना सुनिश्चित करावें। प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ ने कहा कि पूर्व में प्रोटोकॉल पालना से संबंधित दिशा-निर्देश जारी किए जा चुके हैं और विभाग द्वारा 15 जुलाई से 5 दिवसीय अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें प्रत्येक गर्भवती महिला को ट्रेक कर स्क्रीनिंग की जा रही है। एएनएम, सीएचओ एवं आशा वर्कर को हाई रिस्क प्रेग्नेंसी वाली महिलाओं की विशेष मॉनिटरिंग के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने विभाग द्वारा अब तक उठाए गए कदमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।बैठक में आयुक्त चिकित्सा शिक्षा बाबूलाल गोयल, निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा, अतिरिक्त मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. टी.शुभमंगला, निदेशक आरसीएच डॉ. मधु रतेश्वर, आरएमएससीएल के कार्यकारी निदेशक जयसिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

**मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शनिवार को स्वास्थ्य भवन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सीएचओ, आरसीएचओ, पीएमओ, संयुक्त निदेशक-जोन, मेडिकल कॉलेज के प्राचार्यों व अस्पताल के अधीक्षकों की बैठक ली।**

- ‘लेबर रूम एवं ओटी के लिए जारी प्रोटोकॉल की पालना प्रतिदिन सुनिश्चित करें’
- ‘मातृ मृत्यु ऑडिट कमेटी में विभागों के विशेषज्ञों को शामिल कर प्रति सप्ताह समीक्षा की जाए’

**कार्यालय उपायुक्त झोटवाडा जोन नगर निगम, जयपुर**
(तारानगर-डी खिरणी फाटक, झोटवाडा, जयपुर)
क्रमांक:-एफ-3( )झो.जो./2026/357 दिनांक: 29.6.26
**सार्वजनिक सूचना**
जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा भूखण्ड संख्या 150 स्कीम नं. 1, प्रताप नगर, जयपुर (प्रताप नगर गृह निर्माण सहकारी समिति) श्री रोमी पाल पुत्र श्री के. जी. पाल के पक्ष में क्षेत्रफल 248.23 वर्गगज का कृषि भूमि रूपान्तरण जेडीए द्वारा पट्टा विलेख क्रमांक 55 दिनांक 20.05.1994 को जारी किया गया। रजिस्टर्ड दस्तावेजों के आधार पर आवेदक **श्रीमती सतवीन्दर कौर पत्नी श्री अजय कुमार त्यागी व श्री अजय कुमार त्यागी पुत्र श्री सुधीर कुमार द्वारा उक्त भूखण्ड का जिसका क्षेत्रफल 248.23 वर्गगज** का नाम हस्तानान्तरण चाहा है।
**श्रीमती सतवीन्दर कौर पत्नी श्री अजय कुमार त्यागी व श्री अजय कुमार त्यागी पुत्र श्री सुधीर कुमार** के नाम से नाम हस्तानान्तरण पत्र जारी किये जाने बाबत् किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 7 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय (उपायुक्त, झोटवाडा जोन) में प्रस्तुत करें, अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद नियमानुसार नाम हस्तानान्तरण जारी किये जाने की कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी।
उपायुक्त, झोटवाडा जोन, नगर निगम, जयपुर
**उपायुक्त, झोटवाडा जोन, नगर निगम, जयपुर**

**अपील की सुनवाई के लिये नियत दिन की प्रत्यर्थी को सूचना**
(आदेश 41 के नियम 14)
**न्यायालय अपर जिला न्यायाधीश क्रम 9, जयपुर महानगर द्वितीय**
**लक्ष्मीनारायण विरूद्ध राजस्थान सरकार वगैरह**
**सिविल नियमित अपील**
**अपील नं० सन् 54/2017**
सिविल न्यायाधीश पूर्व जयपुर महानगर के न्यायालय की तारीख 31.1.17 को निर्णय व डिक्री की अपील अपीलार्थी सं. 3 दामोदर प्रसाद हल्दिया के वारीसान
1. श्रीमती पुष्पा हल्दिया पत्नी स्व. श्री राजेन्द्र हल्दिया।
2. अभिषेक हल्दिया पुत्र स्व. श्री राजेन्द्र हल्दिया।
3. मीनल हल्दिया पुत्री स्व. श्री राजेन्द्र हल्दिया।
4. रींकल पुत्री स्व. श्री राजेन्द्र हल्दिया।
5. महेन्द्र पुत्र स्व. श्री दामोदर प्रसाद हल्दिया।
6. वीरेन्द्र हल्दिाया पुत्र स्व. श्री दामोदर प्रसाद हल्दिया।
7. विजयलक्ष्मी पत्नी स्व. श्री सुरेन्द्र हल्दिया।
8. अंकित हल्दिया स्व. श्री सुरेन्द्र हल्दिया।
9. निखिल पुत्र स्व. श्री सुरेन्द्र हल्दिया।
समस्त निवासीगण हल्दिया भवन, गांधी नगर मोड, जयपुर।
आपको सूचना दी जाती है कि इस मामले में... की डिक्री की अपील वादीगण की डिक्री की द्वारा उपस्थित की गई है और इस न्यायालय में रजिस्टर कर ली गई है और इस अपील की सुनवाई के लिये इस न्यायालय द्वारा तारीख 27/7/26 नियत की गई है। यदि इस अपील में आपकी ओर से आप स्वयं या आपके प्लीडर या आपके लिये कार्य करने के लिये विधिना प्राधिकृत कोई व्यक्ति उपसंजात नहीं होगा तो यह आपकी अनुपस्थिति में सुनी और विनिश्चित की जावेगी।
यह आज तारीख... को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।
वरिष्ठ रीडर
मोहर अदालत
अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश क्रम-9 जयपुर महानगर द्वितीय

# पेपर लीक और ओएमआर घोटाला दबाने में जुटी सरकार : जूली

**जयपुर।** नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि प्रदेश के नौजवान की सबसे बड़ी पीड़ा पेपर लीक और अटकी हुई भर्तियां हैं।

युवा बरसों तक किराए के कमरों में रातें काटते हैं, माता-पिता खेत गिरवी रखकर फीस भरते हैं, और परीक्षा से ठीक पहले पेपर बाजार में बिक जाता है। यह सिर्फ नकल नहीं है, बल्कि करोड़ों युवाओं के सपनों की निर्मम हत्या है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार पेपरलीक और ओएमआर घोटाला दबाने में जुटी है।

जूली ने यह बातें शनिवार को जयपुर में आयोजित ‘‘छात्र संविधान संवाद’’ कार्यक्रम में कही। जूली ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने 2022 में देश का सबसे सख्त कानून बनाया था, जिसमें लंबी सजा और संपत्ति जब्ती तक का कड़ा प्रावधान है।

## वांगचुक को लेकर राजनीति चमकाने की कोशिश कर रही कांग्रेस : मदन राठौड़

**जयपुर।** भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस सोनम वांगचुक पर अपनी राजनीति चमकाने का प्रयास कर रही है। किसी का स्वास्थ्य बिगड़ने पर इंतजार करना और उस पर राजनीति करना, कांग्रेस का यह रवैया सही नहीं है। सरकार की पहली प्राथमिकता किसी भी नागरिक का जीवन बचाने की होती है, किसी का स्वास्थ्य बिगड़ने पर उसे अस्पताल पहुंचाना पूरी तरह उचित निर्णय है। किसी की जान पर राजनीति करना विकृत मानसिकता का परिचायक है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि कुछ लोग चाहते थे कि वांगचुक का स्वास्थ्य और बिगड जाए, ताकि बाद में सरकार को घेरकर राजनीतिक लाभ लिया जा सके। उन्हें आमरण अनशन जैसा कदम उठाने से पहले गंभीरता से विचार करना चाहिए। किसी भी मांग पर चर्चा और बहस लोकतंत्र का हिस्सा है, लेकिन किसी व्यक्ति का जीवन सबसे महत्वपूर्ण होता है।

**राजस्थान आवासन मण्डल, वृत-तृतीय**
**जे.एल.एन.मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर-0141-4901853**
क्रमांक-2335 दिनांक-10/07/26
**आम जाहिर सूचना** राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर द्वारा कार्यालय आदेश क्रमांक 807 दिनांक 03/04/1981 जारी कर आवास संख्या 3/छ/20 जवाहर नगर जयपुर, क्षेत्रफल 165.00 वर्ग गज का हस्तान्तरण विमला देवी पत्नी स्व. श्री भंवर सिंह के पक्ष में किया गया था। श्रीमती विमला देवी की मृत्यु दिनांक 04/06/2026 को हो जाने के कारण श्री संतोष कुमार पुत्र स्व.श्री भंवर सिंह के द्वारा आवेदन पत्र के साथ जमा प्रशासनिक शुल्क की रसीद की प्रति, शपथ पत्र, क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र की छाया प्रति, अपंजीकृत वसीयतनामा की छाया प्रति एवं वसीयतनामा में अंकित गवाहों का शपथ पत्र एवं पहचान पत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास का प्रतिस्थापन अपने पक्ष में करने का निवेदन किया गया है। अतः उक्त आवास के प्रतिस्थापन के संबंध में किसी भी व्यक्ति/बैंक/संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञिप्त प्रकाशन के 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त श्री संतोष कुमार पुत्र स्व.श्री भैंवर सिंह के पक्ष में आवास के प्रतिस्थापन की कार्यवाही करदी जायेगी।
**सम्पदी प्रबंधक, वृत तृतीय, रा.आ.मण्डल जयपुर**

# रीको ने औद्योगिक विकास के साथ-साथ श्रमिक आवास सुविधा का प्रावधान किया

-कार्यालय संवाददाता-

**जयपुर।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के औद्योगिक विकास एवं रोजगार सृजन के विजन को आगे बढ़ाते हुए रीको ने अपनी फ्लेक्सिबल लैंड लीज एवं रेंटल पॉलिसी में आंशिक संशोधन किया है। इस संशोधन का उद्देश्य राज्य में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने के साथ-साथ उद्योगों के लिए श्रमिक आवास सुविधा (वर्कर्स हाउसिंग फैसिलिटी) की उपलब्धता सुनिश्चित करना है, जिससे उद्योगों को प्रशिक्षित एवं स्थायी श्रमिक मिल सकें और श्रमिकों को सुरक्षित एवं व्यवस्थित आवास फैक्ट्री के आसपास ही उपलब्ध हो सके। श्रमिक आवास सुविधा के लिये भूमि का आवंटन ई-बिडिंग प्रक्रिया के माध्यम से लाइसेंस आधार पर 30 वर्ष करने का प्रावधान किया गया है। पारस्परिक सहमति और निगम द्वारा उचित समझे जाने पर इस अवधि को 20 वर्ष और बढ़ाया जा सकेगा।

प्रारंभिक बोली की आधार दर संबंधित औद्योगिक क्षेत्र की प्रचलित भूमि दर का 5 प्रतिशत प्रतिवर्ष निर्धारित की गई है। किराया तिमाही आधार पर देय होगा तथा इसमें प्रतिवर्ष 5 प्रतिशत की वृद्धि होगी। इसके अलावा लंबी अवधि के आवंटन के लिए 2 वर्ष मोरेटोरियम की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी।

रीको द्वारा उद्यमियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से फ्लेक्सिबल लैंड लीज एवं रेंटल पॉलिसी में समय-समय पर संशोधन किए गए हैं। इसी वर्ष नीति के अंतर्गत प्लग एंड प्ले, स्पोर्ट्स, ईवी चार्जिंग स्टेशन, नर्सरी, ग्रामीण हाट, मैरिज गार्डन तथा मसाला चौक जैसी गतिविधियां भी शामिल की गई हैं। रीको के विकसित औद्योगिक क्षेत्रों में श्रमिक आवास की बढ़ती आवश्यकता को देखते हुए अब इस नीति में वर्कर्स हाउसिंग फैसिलिटी को भी शामिल किया गया है जिसके लिये रीको औद्योगिक क्षेत्रों में भूखण्ड नियोजित किये जायेंगे।

उल्लेखनीय है कि केंद्रीय बजट 2024 में वित्त मंत्री द्वारा औद्योगिक श्रमिकों के लिए डॉर्मिटरी आधारित रेंटल हाउसिंग विकसित करने की घोषणा की गई थी। यह योजना पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल पर विकसित की जाएगी तथा इसमें वायबिलिटी गैप फंडिंग का प्रावधान रहेगा।

रीको के प्रबंध निदेशक सुरेश कुमार ओला ने बताया कि प्रशिक्षित एवं स्थायी श्रमिक किसी भी औद्योगिक विकास की मजबूत नींव होते हैं, जो निवेश आकर्षित करने के साथ-साथ उद्योगों की उत्पादकता बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। औद्योगिक क्षेत्रों में श्रमिक आवास उपलब्ध होने से फैक्ट्रियों की उत्पादकता और श्रमिकों के स्थायित्व में वृद्धि होगी। उद्योगों को कुशल एवं नियमित कार्यबल उपलब्ध रहेगा तथा बड़े औद्योगिक निवेश और उत्पादन क्षमता को भी बढ़ावा मिलेगा।

- इस बदलाव के साथ श्रमिक आवास सुविधा के लिये भूमि का आवंटन ई-बिडिंग प्रक्रिया से लाइसेंस आधार पर 30 वर्ष करने का प्रावधान किया गया है। पारस्परिक सहमति और निगम द्वारा उचित समझे जाने पर इस अवधि को 20 वर्ष और बढ़ाया जा सकेगा।

## बदमाश गिरफ्तार

**जयपुर।** विद्याधर नगर पुलिस ने विशेष अभियान के तहत 10 हजार रुपए के इनामी बदमाश जुबैर उर्फ इरफान उर्फ भूरिया निवासी विद्याधर नगर को गिरफ्तार किया है।

**कार्यालय नगरपरिषद् कुचामन सिटी (डीडवाना-कुचामन)**
Email: eo.mcorp.kuchaman@rajasthan.gov.in
munibkcity@gmail.com, फोन नं. 01586-220022 01586-221526
क्रमांक :- न.प.कु./2026-27/1974 दिनांक :- 16.07.2026

**अपील**

अधोहस्ताक्षरकर्ता के संज्ञान में आया है कि कुचामन शहर एवं परिधि नियंत्रण क्षेत्र में विभिन्न लोगो एवं विकासकर्ताओं द्वारा कतिपय कृषि भूमियों का अकृषि प्रयोजनार्थ एवं अन्य प्रयोजनार्थ 90-क रूपातंरण करवाया गया, परन्तु कॉलोनी का बिना ले आउट प्लान अनुमोदन करवाये ही भूखण्डों का बेचान किया जा रहा है, इसके फलस्वरूप आम आदमी द्वारा अपनी मेहनत की कमाई इन अवैध कॉलोनीयों में अज्ञानतावश लगा दी जाती है, जिससे उन्हे न केवल आर्थिक नुकसान होता है, अपितु बाद में ऐसी अवैध कॉलोनीयों में नियमानुसार भूखण्डों का नियमन नहीं होने के कारण पट्टे भी जारी नहीं किये जा सकते है। इस संबंध में नगरपरिषद् क्षेत्र में अवस्थित अवैध कॉलोनीयों को नोटिस जारी किये जा रहे है एवं साथ ही कार्यालय उपपंजीयक कुचामन सिटी को पत्राचार कर ऐसी अवैध कॉलोनियों में भूखण्डों का पंजीयन नहीं करने बाबत् अवगत करवाया जा रहा है।

अतः सम्पुर्ण नगरवासियों एवं हितबद्ध व्यक्तियों से अपील है कि भुखण्ड क्रय करने से पूर्व भूमि का 90-क (अकृषि) रूपान्तरण होना एवं योजना का अनुमोदन होना सुनिश्चित करें एवं इसके पश्चात् ही भुखण्ड खरीदें। अन्यथा क्रय किये गये भूखण्डों का नियमन नहीं होने पर क्रेता स्वयं जिम्मेदार होंगे, सूचित हो।

**आयुक्त**
**नगर परिषद् कुचामन सिटी**

**नम्बर मिलाइए 8890333139**

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

**प्रथम पुण्यतिथि**

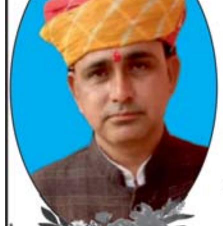

**दादूराम सत्य राम जी**
भण्डारी स्वामी श्री श्योजीराम जी महाराज
पुत्र - श्री भंडारी स्व. रामजी दास स्वामी
सुपौत्र - भंडारी स्व. कनीराम स्वामी
की प्रथम पुण्यतिथि पर समस्त परिवारजन अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।
श्रद्धावनत:
अनिता कुमारी स्वामी (धर्मपत्नी),
भंडारी स्व. श्योजीराम स्वामी (शिवजी) जयपुर
एवं सभी शुभचिंतक
मो. 9414593374, 9530285450, 8947832006

तेज गेंदबाजी विभाग में लगातार बदलाव होते रहते हैं और ऐसे में सिराज जैसे अनुभवी गेंदबाज की वापसी तय मानी जा सकती है। फिलहाल चयनकर्ताओं ने सिराज की गैरमौजूदगी पर कोई स्पष्ट बयान नहीं दिया है। - आकाश चौपड़ा

पूर्व भारतीय खिलाड़ी मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर को लेकर बोलते हुए।

# खेल जगत

आज का खिलाड़ी

## अनिमेष कुजूर

राष्ट्रमंडल खेलों के लिए क्वालीफाई कर चुके भारतीय धावक अनिमेष कुजूर ने 100 मीटर की दौड़ में नई उपलब्धि के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। फर्राटा धावक ने विदेशी धरती पर किसी भारतीय का 100 मीटर दौड़ में अब तक का सबसे तेज समय निकाला है। इसके साथ ही उन्होंने वर्ल्ड एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर चैलेंजर इवेंट, फास्ट आर्म्स फास्ट लेग्स मीट में दूसरा स्थान हासिल किया है। ओडिशा के 23 साल के एथलीट ने फाइनल में 10.14 सेकंड के पर्सनल बेस्ट प्रयास के साथ फिनिश लाइन पार की, यह टाइमिंग अब किसी भारतीय का दूसरा सबसे तेज टाइमिंग है।

क्या आप जानते हैं ?... अमेरिका के दिग्गज तैराक माइकल फेल्पस ने 23 स्वर्ण समेत कुल 28 ओलंपिक पदक जीते हैं, जो आज तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड है।

# अर्जेंटीना और स्पेन के बीच 'चैम्पियनशिप रिंग' की जंग, क्या बदलेगी फुटबॉल की पुरानी परंपरा

नई दिल्ली, 18 जुलाई। अर्जेंटीना और स्पेन के बीच रविवार को होने वाला मुकाबला सिर्फ फीफा विश्व कप ट्रॉफी तक सीमित नहीं रहेगा। विजेता टीम के खिलाड़ियों को पहली बार यादगार 'चैंपियनशिप रिंग (अंगूठी)' भी दी जाएगी। फीफा ने पहली बार विश्व कप विजेता टीम के सदस्यों को को विशेष अंगूठियां देने का फैसला किया है। उत्तर अमेरिकी खेलों में चैंपियन टीम को अंगूठियां देने की परंपरा 19वीं सदी के अंत से चली आ रही है, लेकिन दुनिया के अन्य हिस्सों में यह प्रथा आम नहीं है। इस बार फाइनल मुकाबला अमेरिका में खेला जा रहा है, इसलिए फीफा का यह कदम वहां की खेल परंपरा से प्रेरित माना जा रहा है।

विजेता टीम के खिलाड़ियों को हमेशा की तरह स्वर्ण पदक मिलेंगे, जबकि टीम के कप्तान और मुख्य कोच को फाइनल के तुरंत बाद प्रतीकात्मक अंगूठी पहनाई जाएगी। बाद में विजेता टीम के लिए विशेष रूप से तैयार की गई 30 अंगूठियां बनाई जाएंगी। अंगूठी के एक तरफ विश्व कप ट्रॉफी की आकृति होगी, जबकि दूसरी तरफ विजेता टीम की पहचान को दर्शाने वाला विशेष डिजाइन बनाया जाएगा।

कुल 2,026 अंगूठियां तैयार की जाएंगी, जो साल 2026 का प्रतीक है। हर अंगूठी पर अलग क्रमांक होगा, उसे पहनने वाले के अनुसार तैयार किया जाएगा और उसके साथ प्रामाणिकता का प्रमाणपत्र भी दिया जाएगा। विजेता टीम को मिलने वाली 30 अंगूठियों के अलावा बची 1,996 अंगूठियां आम लोगों के लिए बिक्री के लिए उपलब्ध होंगी।

फीफा ने हालांकि अभी तक इन अंगूठियों की कीमत का खुलासा नहीं किया है। चैंपियनशिप रिंग देने की परंपरा की शुरुआत 1893 से मानी जाती है, जब मॉन्ट्रियल हॉकी क्लब को डोमिनियन हॉकी चैलेंज कप जीतने पर विशेष अंगूठियां दी गई थीं। बाद में मेजर लीग बेसबॉल ने 1920 के दशक में, एनबीए ने 1940 के दशक के अंत से और एनएफएल ने सुपर बाउल युग की शुरुआत से अपनी विजेता टीमों को चैंपियनशिप रिंग देना शुरू किया।

# पी.वी. सिंधु ने जापान ओपन में रचा इतिहास, पहली बार सुपर 750 में जगह बनाई

नई दिल्ली, 18 जुलाई। भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु जापान ओपन 2026 के महिला सिंगल्स फ़ाइनल में पहुँच गईं। शनिवार को सेमीफ़ाइनल में उनकी प्रतिद्वंद्वी, चीन की चेन युफ़ेई, दूसरे गेम के बीच में ही चोट के कारण मैच से हट गईं।

दुनिया में 12वें नंबर के ओलंपिक मेडलिस्ट खिलाड़ी टोक्यो मेट्रोपॉलिटन जिम्नेजियम में मैच में 21-19, 15-10 से आगे चल रहे थे, तभी दुनिया के नंबर 4 खिलाड़ी और पूर्व ओलंपिक चैंपियन चेन ने हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण मैच से नाम वापस ले लिया। सिंधु अब रविवार को ख़िताबी मुकाबले में जापान की दुनिया की नंबर 3 खिलाड़ी अकाने यामागुची से भिड़ेंगी। यामागुची ने दूसरे सेमीफ़ाइनल में इंडोनेशिया की छठे नंबर की खिलाड़ी पुत्री कुसुमा वरदानी को हराकर फ़ाइनल में अपनी जगह पक्की की। यह फ़ाइनल, दिसंबर 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल सुपर 300 टूर्नामेंट जीतने के बाद से वर्ल्ड टूर के किसी ख़िताबी मुक़ाबले में सिंधु की पहली उपस्थिति होगी। साथ ही, यह सुपर 750 इवेंट में उनका पहला फ़ाइनल मुक़ाबला भी होगा।

चेन के ख़िलाफ़ 8-6 के हेड-टू-हेड रिकॉर्ड के साथ सेमीफ़ाइनल में उतरीं सिंधु ने मज़बूत शुरुआत की और पहले गेम में 16-11 की बढ़त बना ली। हालाँकि, चेन - जिन्होंने सिंधु को पिछली चार मुलाक़ातों में हराया था - ने वापसी करते हुए स्कोर 18-18 से बराबर कर दिया। सिंधु ने आख़िरी पलों में संयम बनाए रखा और पहला गेम 21-19 से जीत लिया। . के अनुसार, भारतीय खिलाड़ी ने दूसरे गेम में भी अपनी लय बनाए रखी और बढ़त हासिल की, लेकिन 44 मिनट के खेल के बाद चोट के कारण चेन को मुकाबला रोकना पड़ा।

# वॉशिंगटन सुंदर तीसरे वनडे से बाहर, हर्ष दुबे को टीम में मिली जगह

नई दिल्ली, 18 जुलाई। इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले तीसरे और आखिरी वनडे मैच के लिए ऑलराउंडर हर्ष दुबे को भारतीय टीम में शामिल किया गया है। उन्हें वॉशिंगटन सुंदर की जगह टीम में शामिल किया गया है। सुंदर दूसरे वनडे के दौरान चोटिल हो गए थे, जिसके कारण वह सीरीज से बाहर हो गए हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरा वनडे कल लॉर्ड्स में खेला जाएगा। हर्ष दुबे ने 13 जून 2026 को अफगानिस्तान के खिलाफ धर्मशाला में अपना वनडे इंटरनेशनल डेब्यू किया। इस मैच में उन्होंने 5 ओवर में 47 रन देकर 3 विकेट लिए।

सीरीज के दूसरे वनडे मैच के दौरान सुंदर के दाहिने हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई थी। भारतीय टीम मैनेजमेंट और मेडिकल स्टाफ अब वॉशिंगटन सुंदर की चोट पर नजर रखे हुए है। सुंदर की चोट की गंभीरता का पता लगाने के लिए जल्द ही उनके स्कैन कराए जाएंगे। इसके साथ ही उनकी चोट के आगे के मैनेजमेंट और रिकवरी के लिए विशेषज्ञों (स्पेशलिस्ट) की सलाह ली जाएगी।

**बल्लेबाजी कोच ने पहले ही जताई थी चिंता :** दूसरे वनडे के बाद भारत के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने भी सुंदर की चोट को लेकर चिंता जताई थी। रन लेते समय उनकी हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी और चोट गंभीर लग रही है। तीसरे वनडे के लिए भारतीय टीम का अपडेटेड स्क्वॉड : शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, शिवम दुबे, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, गुरनूर बरार, प्रिंस यादव और हर्ष दुबे।

## वर्ल्ड कप फाइनल स्लावको विंसिक रेफरी हंगे, फीफा अध्यक्ष का 57,700 मील का सफर

नई दिल्ली, 18 जुलाई। फीफा वर्ल्ड कप 2026 फाइनल में अर्जेंटीना और स्पेन के बीच मुकाबले की जिम्मेदारी स्लोवेनिया के रेफरी स्लावको विंसिक संभालेंगे। छह साल पहले 2020 में बोस्निया में एक कथित वेश्यावृत्ति गिरोह पर पुलिस छापे के दौरान उन्हें हिरासत में लिया गया था। हालांकि जांच में उनके खिलाफ किसी तरह की आपराधिक संलिप्तता नहीं मिली और बाद में उन्हें क्लीन चिट दे दी गई। विंसिक ने कहा था कि वह कारोबारी बैठक के लिए बोस्निया गए थे और लंच का निमंत्रण स्वीकार करना उनकी सबसे बड़ी गलती साबित हुआ। विवादों को पीछे छोड़ने के बाद उन्होंने लगातार बड़े टूर्नामेंट में रेफरिंग की और अब फीफा ने उन्हें अर्जेंटीना-स्पेन फाइनल की जिम्मेदारी सौंपी है। यह मौजूदा वर्ल्ड कप में उनका चौथा और करियर का सबसे बड़ा मुकाबला होगा।

# बीसीसीआई ने रोहित शर्मा के संन्यास की अटकलें खारिज की, कहा- लॉर्ड्स के बाद भी खेलते रहेंगे

नई दिल्ली, 18 जुलाई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के संन्यास को लेकर चल रही अटकलों को खारिज कर दिया है। सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि रविवार को लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाला तीसरा वनडे रोहित शर्मा का आखिरी इंटरनेशनल मैच नहीं होगा।

सैकिया ने से कहा- रोहित के भविष्य को लेकर मीडिया में कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। मैं साफ तौर पर कहना चाहता हूं कि ऐसी कोई चर्चा नहीं हुई है कि रोहित रविवार को लॉर्ड्स में अपना आखिरी मैच खेलेंगे। उन्होंने कहा कि रोहित आगे भी भारत के लिए खेलना जारी रखेंगे। इससे पहले इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि 19 जुलाई को लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरा वनडे रोहित शर्मा का आखिरी इंटरनेशनल मैच हो सकता है। रिपोर्ट में कहा गया था कि ने रोहित को बता दिया है कि वे 2027 वनडे वर्ल्ड कप की प्लानिंग का हिस्सा नहीं हैं।

**इंग्लैंड दौरे पर खराब प्रदर्शन के कारण संन्यास की अटकलें थीं :** इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, के चयनकर्ताओं ने कहा था कि रोहित की जगह यशस्वी जायसवाल जैसे युवा खिलाड़ियों को मौका दिया जाएगा। संन्यास लेने या चयन के लिए उपलब्ध रहने का फैसला रोहित शर्मा पर छोड़ दिया है। साथ ही, इंग्लैंड दौरे पर उनके प्रदर्शन को भी इस चर्चा की एक वजह बताया गया। पहले दो वनडे में रोहित 11 और 26 रन ही बना सके थे। रिपोर्ट में दावा किया गया था कि फिटनेस पर काम करने के बावजूद रोहित चयनकर्ताओं के फैसले से संतुष्ट नहीं हैं और उन्होंने के कुछ अधिकारियों से भी इस मुद्दे पर चर्चा की थी।

**भारत को 2 खिताब जिताए :** रोहित की कप्तानी में भारत 2023 वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल तक पहुंचा। उन्होंने टीम को पहले गेंद से अटैक करने की स्ट्रैटिजी सिखाई। इससे वनडे क्रिकेट में भारत का नजरिया बदल गया। इसी टेम्पलेट पर भारत ने 2024 टी-20 वर्ल्ड कप भी जीता। फिर 2025 की चैंपियंस ट्रॉफी जीताई।

**बतौर कप्तान 103 मैच जीते :** रोहित शर्मा भारत के सबसे सफल कप्तानों में शामिल हैं। उन्होंने 2017 से 2025 के बीच तीनों फॉर्मेट मिलाकर 142 मैचों में कप्तानी की। इसमें भारत ने 103 मुकाबले जीते।

## वर्ल्डकप फाइनल से पहले न्यूयॉर्क के आसमान पर खतरनाक धुआं, कनाडा के जंगलों की आग का असर

न्यूयॉर्क, 18 जुलाई। फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल से पहले कनाडा में लगी जंगलों की आग का धुआं न्यूयॉर्क के न्यू जर्सी एरिया तक पहुंच गया है। रविवार को अर्जेंटीना और स्पेन के बीच होने वाले फाइनल मुकाबले पर इसका असर पड़ेगा या नहीं, इसे लेकर अभी भी अनिश्चितता की स्थिति है। लेकिन, प्लेयर्स और फैंस की हेल्थ फीफा की बड़ी चिंता है। हालांकि, मौसम एजेंसियों ने मैच के दिन वायु गुणवत्ता में सुधार की संभावना जताई है। फाइनल देखने के लिए 80 हजार फैंस आएंगे। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन के पूर्वानुमान के अनुसार, न्यू जर्सी के ईस्ट रदरफोर्ड की एयर क्वालिटी रविवार तक मॉडरेट में आ सकती है। हालांकि, कुछ मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि शनिवार को होने वाली बारिश के बाद धुएं का नया गुबार क्षेत्र में पहुंच सकता है, जिससे स्थिति फिर बदल सकती है।

## चित्तौड़गढ़ जिला क्रिकेट संघ चुनाव

# नियमों को ताक पर रख सहकारिता विभाग करा रहा गुपचुप चुनावी कवायद

जयपुर, 18 जुलाई। प्रदेश में क्रिकेट का खेल लंबे समय से राजनीति का अखाड़ा बना हुआ है। हाल ही में चित्तौड़गढ़ जिला क्रिकेट संघ के चुनावों को लेकर एक बड़ा विवाद सामने आया है, जहाँ सहकारिता विभाग नियमों और माननीय उच्च न्यायालय के आदेशों को दरकिनार कर अत्यंत गोपनीय तरीके से चुनाव कराने की तैयारी में जुटा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पिछले दो वर्षों से जिले में क्रिकेट संचालन के लिए रजिस्ट्रार द्वारा एक पाँच सदस्यीय तदर्थ समिति (एडहॉक कमेटी) का गठन किया गया था। आश्चर्यजनक तथ्य यह है कि इन दो सालों में इस समिति की न तो कोई औपचारिक बैठक आयोजित हुई और न ही चुनावों को लेकर कोई पारदर्शी चर्चा की गई। अब आगामी 19 जुलाई को मतदान की प्रक्रिया तय कर दी गई है, लेकिन तदर्थ समिति के मूल सदस्यों और स्थानीय क्रिकेट एसोसिएशन के पदाधिकारियों को इसकी कानों-कान खबर तक नहीं है।

नियमानुसार, चुनाव से 21 दिन पूर्व अधिसूचना जारी कर समाचार पत्रों में प्रकाशित करना, चुनाव स्थल पर नोटिस चस्पा करना और सभी संबंधित क्लबों व सदस्यों को ईमेल या रजिस्टर्ड डाक द्वारा सूचित करना अनिवार्य होता है। परंतु इस मामले में इन सभी प्रक्रियाओं को पूरी तरह दरकिनार कर दिया गया है।

इस पूरी चुनावी कवायद में राजनीतिक हस्तक्षेप के भी गंभीर आरोप लग रहे हैं। सूत्रों का दावा है कि सहकारिता मंत्री के प्रभाव के चलते यह पूरी प्रक्रिया गुप्त तरीके से उनके क्षेत्र के अंतर्गत सावलिया जी (मंडफिया) स्थित गोकुल विश्रांति गृह में संचालित की जा रही है। जब मौके पर पड़ताल की गई, तो वहाँ न तो कोई घोषित चुनाव कार्यालय मिला और न ही कोई नोटिस बोर्ड लगा पाया गया।

हैरानी की बात यह है कि सहायक रजिस्ट्रार ने इस कार्यक्रम के बारे में किसी भी जानकारी से साफ इनकार कर दिया। वहीं, घोषित चुनाव अधिकारी बाबूलाल कुमावत ने भी मामले से पल्ला झाड़ते हुए स्वयं को चुनावी कार्यक्रम की वास्तविक जानकारियों से अनभिज्ञ बताया। इस अपारदर्शिता और नियमों के खुले उल्लंघन के कारण संपूर्ण चुनावी प्रक्रिया पूरी तरह संदेह के घेरे में आ गई है, जिससे स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की संभावनाओं पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

राजस्थान हाई कोर्ट बार एसोसिएशन, जयपुर की ओर से शनिवार को एमएनआईटी में वॉली-वर्डिक्ट टूर्नामेंट 2026 का आयोजन हुआ। जहां प्रतिभागियों ने अपना दमखम दिखाया। विजेता खिलाड़ियों को अध्यक्ष राजीव सोगरवाल और उपाध्यक्ष अनुराग कलावटिया ने ट्रॉफी देकर सम्मानित किया।

## जिम्बाब्वे बनाम बांग्लादेश

## बांग्लादेश ने जिम्बाब्वे को करारी शिकस्त दी, दूसरे मुकाबले में 34 रन से दर्ज की जीत

नई दिल्ली, 18 जुलाई। बांग्लादेश की टीम इन दिनों जिम्बाब्वे दौरे पर है, जहां पर आठ बैटर्स वाले प्लान से जिम्बाब्वे ने बांग्लादेश को पहले टी20 मैच में आसानी से हराया। लेकिन दूसरे मैच में वह बांग्लादेश के लेग ब्रेक स्पिन गेंदबाज रिशाद हुसैन की फिरकी को नहीं झेल सके। बांग्लादेश की टीम ने पहले खेलते हुए 186 रन का टोटल बनाया। इसके जवाब में जिम्बाब्वे की टीम 152 रन पर ही ढेर हो गई, तो उसे 34 रन से हार का सामना करना पड़ा। इस तरह तीन मैचों की टी20 सीरीज 1-1 की बराबरी पर आ गई और सीरीज का आखिरी मैच 19 जुलाई, रविवार को खेला जाएगा।

# पाक स्पिनर मो. नवाज डोप टेस्ट में फेल हुए, आईसीसी ने लगाया 3 माह का बैन

नई दिल्ली, 18 जुलाई। पाकिस्तान के बाएं हाथ के स्पिनर मोहम्मद नवाज को एंटी-डोपिंग कोड का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया है। नवाज ने अपनी गलती स्वीकार कर ली है, जिसके बाद उन पर 3 महीने का बैन लगाया गया है। अगर वे नशीले पदार्थों के इलाज से जुड़ा ट्रीटमेंट प्रोग्राम पूरा कर लेते हैं, तो इस प्रतिबंध के समय को घटाकर 1 महीना कर दिया जाएगा। कोलंबो में हुआ था नवाज का डोपिंग टेस्ट 32 साल के नवाज का यह डोपिंग टेस्ट श्रीलंका के कोलंबो में हुआ था। 7 फरवरी को मेंस टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के दौरान नीदरलैंड्स के खिलाफ मैच के बाद उनका सैंपल लिया गया था। इस टेस्ट में नवाज के शरीर में प्रतिबंधित नशीले पदार्थ (कार्बोक्सी-) के अंश पाए गए थे, जो एंटी-डोपिंग कोड के तहत बैन है। इसका संबंध खेल के प्रदर्शन से नहीं था नवाज ने अपनी इस गलती को स्वीकार कर लिया है। उन्होंने यह साबित किया कि इस प्रतिबंधित पदार्थ का इस्तेमाल उन्होंने आउट-ऑफ-कॉम्पिटिशन (यानी खेल के समय से अलग) किया था। साथ ही इसका उनके खेल के प्रदर्शन को बेहतर करने से कोई संबंध नहीं था। 1 मई से लागू माना गया प्रतिबंध नवाज पर लगा यह 3 महीने का प्रतिबंध 1 मई 2026 से लागू माना गया है। 1 मई से उन्होंने अपना प्रोविजनल सस्पेंशन शुरू किया था। अब ढाई महीने का निलंबन पूरा करने और ट्रीटमेंट प्रोग्राम में शामिल होने के कमिटमेंट के बाद उनका प्रोविजनल सस्पेंशन हटा लिया गया है। अगर वे की संतुष्टि के अनुसार इस ट्रीटमेंट प्रोग्राम को पूरा कर लेते हैं, तो उन्हें आगे कोई अतिरिक्त बैन नहीं झेलना होगा। नीदरलैंड्स मैच और उसके बाद के रिकॉर्ड्स रद्द एंटी-डोपिंग कोड के नियमों के तहत नवाज के कुछ मैचों के रिकॉर्ड्स को अमान्य कर दिया गया है। 7 फरवरी को नीदरलैंड्स के खिलाफ खेले गए मैच और उसके बाद से लेकर 1 मई 2026 तक खेले गए सभी मैचों में उनके व्यक्तिगत प्रदर्शन और रिकॉर्ड्स को अयोग्य घोषित कर दिया गया है।

# 'मेसी के कदमों वाली घास बेचकर 90 करोड़ कमाएगा फीफा'

## // तीन लाख में बिकेगा एक टुकड़ा, अमेरिका में मचा घमासान //

न्यूयॉर्क, 18 जुलाई। फीफा वर्ल्ड कप 2026 : फीफा वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल मुकाबला अर्जेंटीना और स्पेन के बीच खेला जाएगा। साल 2026 का सबसे बड़ा मुकाबला न्यूयॉर्क के मेटलाइफ स्टेडियम में खेला जाएगा और करीब 82 हजार फैंस से मैदान खचाखच भरा होगा। इस मैदान को लेकर एक बेहद रोचक जानकारी सामने आई है कि जिस घास की पिच पर फुटबॉल के भगवान कहे जाने वाले मेसी समेत दुनिया के स्टार खिलाड़ी और युवा खिलाड़ी लामिन यमाल दौड़ते नजर आएंगे, उसी घास से फीफा ने 90 करोड़ रुपये कमाने का प्लान बनाया है। लेकिन यह बात न्यू जर्सी सरकार को पसंद नहीं आई और उसने आरोप लगाया कि मैदान अमेरिका की संपत्ति है, तो इससे होने वाली कमाई में न्यू जर्सी के टैक्सपेयर्स का भी हिस्सा होना चाहिए।

**मेटलाइफ स्टेडियम में बिछाई गई नई घास :** दरअसल, मेटलाइफ स्टेडियम में आर्टिफिशियल टर्फ पर अमेरिका की नेशनल फुटबॉल लीग के मैच खेले जाते थे। मगर फीफा के नियमों के चलते अमेरिका को मैदान पर बरमूडा घास लगानी पड़ी। इसके निर्माण में न्यू जर्सी स्पोर्ट्स एंड एक्सपोजिशन अथॉरिटी ने 13.04 मिलियन डॉलर (करीब 108 करोड़ रुपये) खर्च किए, जिसके चलते फीफा के मैच मेटलाइफ स्टेडियम में नैचुरल घास पर खेले जा सके।

**फीफा ने घास से 90 करोड़ कमाने का प्लान बनाया :** फीफा ने फाइनल से पहले ही इसी सप्ताह मेटलाइफ स्टेडियम की घास को ऑनलाइन बेचना शुरू किया। इसमें घास के छोटे-छोटे हिस्सों को रेजिन में सुरक्षित किया गया है।

# तीसरी एशियन पैरा थ्रोबॉल चैम्पियनशिप-2027 के प्रचार-प्रसार के लिए रैली निकाली

जयपुर, 18 जुलाई। आगामी तीसरी एशियन पैरा थ्रोबॉल चैंपियनशिप-2027 के प्रचार-प्रसार और दिव्यांग खिलाड़ियों के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से शनिवार सुबह जयपुर से सिंघानिया विश्वविद्यालय, पचेरी तक भव्य बाइक जागरूकता रैली निकाली गई। राजस्थान के जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने विश्व पैरा थ्रोबॉल फेडरेशन की अध्यक्ष निर्मला रावत तथा सिंघानिया विश्वविद्यालय के अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार के साथ रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

आयोजन समिति से जुड़े एडवोकेट ललित शर्मा ने बताया कि रैली में करीब 100 दिव्यांग पैरा थ्रोबॉल खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह रैली उस स्थल तक पहुंची, जहां मार्च 2027 में सिंघानिया विश्वविद्यालय, पचेरी में तीसरी एशियन पैरा थ्रोबॉल चैंपियनशिप आयोजित की जाएगी। रैली का उद्देश्य पैरा खेलों को बढ़ावा देना, दिव्यांग खिलाड़ियों की प्रतिभा को सम्मान दिलाना तथा समाज में समावेशिता और समान अवसर का संदेश देना रहा। इस अवसर पर मंत्री सुरेश सिंह रावत ने कहा कि दिव्यांग खिलाड़ी किसी भी दृष्टि से कम नहीं हैं। उन्हें केवल उचित मंच और अवसर की आवश्यकता है। राज्य सरकार खेलों और दिव्यांग खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सिंघानिया विश्वविद्यालय में आयोजित होने वाली एशियन पैरा थ्रोबॉल चैंपियनशिप राजस्थान के लिए गौरव का विषय होगी और इससे प्रदेश को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलेगी। उन्होंने विश्व पैरा थ्रोबॉल फेडरेशन और सिंघानिया विश्वविद्यालय के इस पहल की सराहना करते हुए, कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक सोच और समानता की भावना को मजबूत करते हैं। विश्व पैरा थ्रोबॉल फेडरेशन की अध्यक्ष निर्मला रावत ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए खिलाड़ियों के उत्साह और समर्पण की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यह रैली केवल खेलों के प्रचार का माध्यम नहीं बल्कि दिव्यांगजनों के आत्मविश्वास, सम्मान और सशक्तिकरण का अभियान भी है।

# अरावली क्रिकेट क्लब 9 विकेट से विजेता

जयपुर, 18 जुलाई। मरुधर क्रिकेट एकेडमी द्वारा आयोजित द्वितीय अंडर-17 मरुधर क्रिकेट कप में खेले गये मैच में एम बी क्रिकेट क्लब और अरावली क्रिकेट क्लब के मध्य खेले गये मैच में टॉस जीत कर एम बी क्रिकेट क्लब ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। एम बी क्रिकेट क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 212/9 40.0 ओवर मे रन बनाये। एम बी क्रिकेट क्लब की ओर से आदित्य बडसरा ने 101 रन, आर्य सिंह ने 23 रन और हिम्मत सिंह ने 15 रन बनाये। अरावली क्रिकेट क्लब ने बल्लेबाजी करते हुए अक्षित ने 46 रन देकर 5 विकेट, यशवंत सिंह ने 36 रन देकर के 2 विकेट और अयान पठान ने 52 रन देकर के 1 विकेट लिया। अरावली क्रिकेट क्लब ने बल्लेबाजी करते हुए 213/1 26.4 ओवर मे रन बनाऐ। अरावली क्रिकेट क्लब कि ओर से निर्तिन अमरोठिया ने 76 रन, त्रिजल सैनी ने 23 रन और मोहम्मद कैफ ने 86 रन बनाये। एम बी क्रिकेट क्लब ने गेंदबाजी करते हुए विशाल चौधारी ने 36 रन देकर 1 विकेट लिया। अरावली क्रिकेट क्लब 9 विकेट से विजेता हुई।

# कॉमनवेल्थ गेम्स में चानू और लवलीना होंगी भारत की ध्वजवाहक

## भारतीय ओलंपिक संघ ने की घोषणा, दोनों खिलाड़ी है ओलंपिक मेडलिस्ट

नई दिल्ली, 18 जुलाई। ओलंपिक मेडलिस्ट मीराबाई चानू और लवलीना बोरगोहेन ग्लासगो में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स के उद्घाटन समारोह में भारत की ध्वजवाहक होंगी। भारतीय ओलंपिक संघ ने शनिवार को इसकी घोषणा की। इस मल्टी-स्पोर्ट इवेंट का उद्घाटन समारोह 23 जुलाई को आयोजित किया जाएगा। अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा कि दोनों खिलाड़ियों का यह सम्मान मिलना गर्व की बात है। फिलहाल दोनों खिलाड़ी यूनाइटेड किंगडम में ट्रेनिंग कर रही हैं।

**चानू ने टोक्यो ओलिंपिक में सिल्वर जीता था :** मीराबाई चानू 8 अगस्त को 32 साल की हो जाएंगी। वे करीब एक दशक से भारत की प्रमुख वेटलिफ्टर हैं। उन्होंने 2021 टोक्यो ओलंपिक में सिल्वर और 2022 बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीता था। हालांकि वे 2024 पेरिस ओलंपिक में पदक नहीं जीत सकीं, लेकिन ग्लासगो में वे भारत की बड़ी उम्मीद हैं।

**लवलीना ने टोक्यो में ब्रॉन्ज जीता था :** लवलीना बोरगोहेन ने टोक्यो ओलंपिक में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। इसके बाद उन्होंने 2023 वर्ल्ड चैंपियनशिप में गोल्ड और 2023 हांगझू एशियाई खेलों में सिल्वर मेडल अपने नाम किया। ग्लासगो में होने वाले इन खेलों में लवलीना को भारत की प्रमुख पदक दावेदारों में से एक माना जा रहा है।

**2022 में सिंधु और मनप्रीत ध्वजवाहक थे :** बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 के उद्घाटन समारोह में भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु और पुरुष हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह भारतीय दल के ध्वजवाहक थे। वहीं समापन समारोह में विश्व चैंपियन मुक्केबाज निखत जरीन और टेबल टेनिस के दिग्गज शरत कमल ने तिरंगा थामकर भारतीय दल की अगुआई की।

# मुख्यमंत्री भजनलाल ने तिलानेश गांव में प्रात: भ्रमण किया

## उन्होंने किसानों के साथ खेत में निराई- गुड़ाई की व उन्नत कृषि तकनीक अपनाने के लिए प्रेरित किया

नागौर/जयपुर, 18 जुलाई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नागौर के तिलानेश गांव में रात्रि विश्राम के बाद शनिवार सुबह प्रात: भ्रमण किया। मुख्यमंत्री ने गांव की गलियों, खेतों और सार्वजनिक स्थलों पर ग्रामीणों से संवाद किया तथा उनकी समस्याओं, सुझावों और अपेक्षाओं को गंभीरता से सुना।

मुख्यमंत्री ने सबसे पहले खेतों में किसानों के साथ फसलों का अवलोकन किया और किसानों के समक्ष आने वाली चुनौतियों की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने स्वयं खेत में किसानों के साथ निराई-गुड़ाई की। उन्होंने किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों को अपनाने, उन्नत एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ ावा देने तथा राज्य और केंद्र सरकार की किसान हितैषी योजनाओं का अधिकतम लाभ लेने के लिए प्रेरित किया।

प्रात: भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री गांव की गलियों में पैदल पहुंचे और घर-घर जाकर ग्रामीणों से मिले। तथा महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों के साथ विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

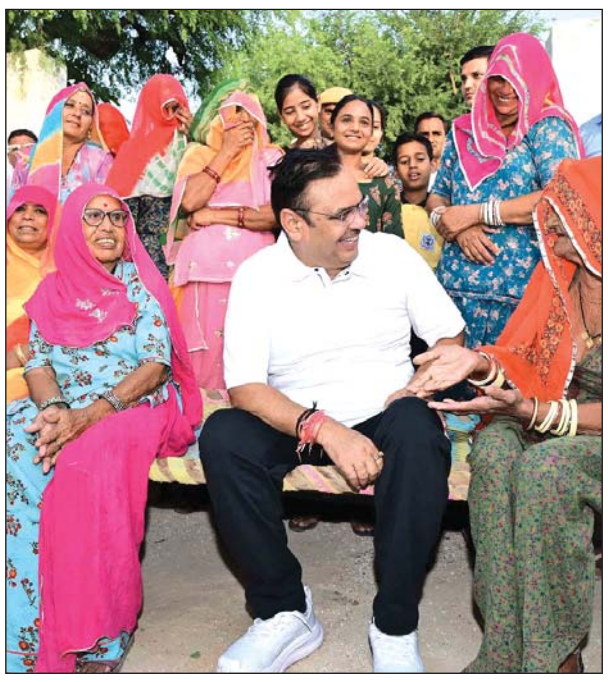

*मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा नागौर के तिलानेश गांव में रात्रि विश्राम के बाद शनिवार सुबह घर-घर जाकर ग्रामीणों से मिले।*

■ **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गांव की गलियों में पैदल पहुंचे और घर-घर जाकर ग्रामीणों से मिले।**

मुख्यमंत्री ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत गांव के शिवसागर तालाब की पाल पर पौधारोपण किया। इसके बाद श्री चारभुजा नाथ जी एवं वीर तेजाजी मंदिर में दर्शन कर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

ग्रामीणों के साथ चाय पर आयोजित चर्चा के दौरान गांव में पुस्तकालय सह अटल ज्ञान केंद्र की स्थापना, रामसरी गांव से जोबनेर-बुटाटी राज्य राजमार्ग तक 1.18 करोड़ रूपये की लगत से डामर सड़क निर्माण तथा गांव के शिवसागर तालाब के सौंदर्यीकरण एवं जीर्णोद्धार की घोषणा की।

## भारत ने ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

किलोन्यूटन है। इसमें 3-डी प्रिंटेड तरल ईंधन इंजन का उपयोग किया गया है, जो पारंपरिक इंजनों की तुलना में लगभग 50 प्रतिशत हल्का है। इसके ठोस ईंधन बूस्टर कार्बन फाइबर से बने कार्बन कंपोजिट ढांचे का उपयोग करते हैं। इस मिशन के तहत विक्रम-1 कुल छह पेलोड लेकर गया है। इनमें पांच पेलोड भारत में विकसित किए गए हैं, जबकि एक पेलोड जर्मनी की कंपनी डीक्यूब्ड जीएमबीएच द्वारा तैयार किया गया है। चंदना ने कहा, "हम भारत में विकसित पांच पेलोड और जर्मन कंपनी डीक्यूब्ड जीएमबीएच का एक पेलोड अंतरिक्ष में भेज रहे हैं।" स्कायरूट एयरोस्पेस की स्थापना वर्ष 2018 में इसरो के पूर्व वैज्ञानिक पवन कुमार चंदना और नागा भरत डाका ने की थी।नवंबर 2025 में कंपनी ने हैदराबाद में दो लाख वर्ग फुट क्षेत्र में फैला अपना अत्याधुनिक इन्फिनिटी कैंपस स्थापित किया।इसी वर्ष मई में स्कायरूट भारत की पहली निजी अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी कंपनी बनी, जिसने यूनिकॉर्न का दर्जा हासिल किया। स्कायरूट की अंतरिक्ष यात्रा की शुरुआत 18 नवंबर 2022 को विक्रम-एस के प्रक्षेपण से हुई थी। यह किसी भारतीय निजी कंपनी द्वारा विकसित और प्रक्षेपित पहला रॉकेट था। विक्रम-एस ने 301.4 सेकंड तक उड़ान भरी और 88.8 किलोमीटर की ऊंचाई तक पहुंचा। वह अपने साथ बाजूमक (आर्मेनिया), स्पेस किड्ज़ इंडिया और एन-स्पेस टेक इंडिया के तीन पेलोड लेकर गया था। चंदना ने कहा, "विक्रम-एस एक परीक्षण रॉकेट था। उसकी सफलता के बाद हमने केवल तीन वर्षों में विक्रम-1 विकसित कर लिया।" वर्तमान में इसरो मुख्य रूप से पीएसएलवी ,जीएसएलवीऔर एलवीएम-3 (3) प्रक्षेपण यानों का उपयोग करता है। पीएसएलवी मुख्य रूप से ध्रुवीय और सूर्य-समकालिक कक्षाओं में उपग्रह भेजने के लिए इस्तेमाल होता है और लगभग 600 किलोमीटर की ऊंचाई तक 1,750 किलोग्राम पेलोड ले जा सकता है। जीएसएलवी भारी संचार उपग्रहों के प्रक्षेपण के लिए उपयोग किया जाता है। यह भू-समकालिक स्थानांतरण कक्षा (जीटीओ) में लगभग 2,250 किलोग्राम तथा निम्न पृथ्वी कक्षा में करीब 6,000 किलोग्राम पेलोड पहुंचा सकता है। इसरो का सबसे शक्तिशाली प्रक्षेपण यान एलवीएम-3 जीटीओ में लगभग 4 टन तथा एलईओ में 8,000 किलोग्राम तक पेलोड ले जाने में सक्षम है।

# देश को आगे बढ़ाने के लिये असहमति का सम्मान आवश्यक - पायलट

## सचिन पायलट ने एनएसयूआई द्वारा आयोजित 'छात्र संविधान संवाद' कार्यक्रम को संबोधित किया

जयपुर, 18 जुलाई। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा कि भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी लोकतांत्रिक व्यवस्था, विविधता और संविधान है। देश को आगे बढ़ ाने के लिए हर वर्ग की आवाज़ सुनना और असहमति का सम्मान करना आवश्यक है। पायलट ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आव्हान पर चलाए जा रहे देशव्यापी अभियान "छात्रों की गूंज" के तहत एन.एस.यू.आई. द्वारा आज जयपुर में आयोजित "छात्र-संविधान संवाद" कार्यक्रम के अपने उद्बोधन में उक्त विचार व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि आज शिक्षा व्यवस्था, प्रतियोगी परीक्षाओं और युवाओं के भविष्य को लेकर देशभर में गहरी चिंता है। गरीब और मध्यम वर्ग के परिवार अपने बच्चों की पढ़ ाई पर लाखों रुपये खर्च करते हैं, लेकिन बार-बार पेपर लीक, परीक्षा रद्द होने और मूल्यांकन में गड़बड़ियों से युवाओं का व्यवस्था पर विश्वास कमजोर हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि नीट सहित विभिन्न परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाओं के बावजूद सरकार जवाबदेही तय करने में विफल रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर कर राजनीतिक लाभ लेने का प्रयास कर रही है, जबकि आवश्यकता संविधान की भावना के अनुरूप पारदर्शी और जवाबदेह शासन की है।

पायलट ने कहा कि देश का युवा अपने अधिकारों के प्रति जागरूक है और न्याय, पारदर्शिता तथा जवाबदेही की इस लड़ाई में कांग्रेस पार्टी उनके साथ मजबूती से खड़ी रहेगी।

*कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट शनिवार को "छात्रों की गूंज" अभियान के तहत एन.एस.यू.आई. द्वारा आयोजित "छात्र-संविधान संवाद" कार्यक्रम में शामिल हुए।*

## अरब देश ईरानी हमलों के खिलाफ ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

वैसे भी ईरान अपनी फ़ारसी विरासत पर गर्व करता है और अरब पड़ोसियों की तुलना में खुद को श्रेष्ठ मानता है तथा नस्लीय पूर्वाग्रह से ग्रस्त है। दूसरी ओर, अरब देशों में फ़ारसी ईरान के प्रति सदियों पुराना अविश्वास बना हुआ है।

ईरान और उसके अरब पड़ोसियों के बीच पारंपरिक दुश्मनी की इस पृष्ठभूमि में, मौजूदा संघर्ष और अरब देशों पर ईरान के लगातार हमले, फ़ारसी ईरान और उसके आसपास के अरब देशों के बीच पहले से कहीं अधिक गहरी और व्यापक खाई पैदा कर रहे हैं।

अमेरिका ने ईरान की संपत्तियों पर, यहां तक कि देश के अंदरूनी हिस्सों में स्थित ठिकानों पर भी, अपने भीषण हमले और तेज कर दिए हैं। अमेरिका व्यवस्थित तरीके से अपने हमलों का दायरा बढ़ा रहा है और अब गैर-सैन्य ठिकानों को भी निशाना बना रहा है। ताज़ा जानकारी के अनुसार, कुछ अस्पतालों पर भी बमबारी की गई है, जिसके कारण मरीजों को तुरंत वहां से हटाना पड़ा।

नए सिरे से शुरू हुए ये हमले, होर्मुज़ जलडमरूमध्य से गुजरने वाले कुछ जहाजों पर ईरान के हमले के जवाब में किए गए। वास्तव में, जब होर्मुज़ से जहाजों की आवाजाही की स्थिति कुछ सामान्य होने लगी, तो ईरान को लगा कि होर्मुज़ के मामलों पर उसकी पकड़ कमजोर हो रही है। ईरान ने उन जहाजों पर हमला किया, जो अमेरिकी अनुमति और निर्देशों के आधार पर वहां से गुजर रहे थे। ईरान ने इसे होर्मुज़ जलडमरूमध्य पर अपनी मजबूत पकड़ कमजोर होने के रूप में देखा। उसका मानना था कि केवल ईरानी अधिकारियों से अनुमति प्राप्त जहाजों को ही सुरक्षित रास्ता मिलना चाहिए।

लेकिन होर्मुज़ के लिए यह व्यवस्था स्वीकार्य नहीं थी। ट्रंप और अमेरिका का कहना था कि होर्मुज़ जलडमरूमध्य एक अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्ग बना रहना चाहिए और उस पर ईरान का नियंत्रण नहीं होना चाहिए। कम से कम उसकी स्थिति ऐसी होनी चाहिए कि सभी देशों के जहाज वहां से स्वतंत्र रूप से गुजर सकें। वास्तव में होर्मुज़ जलडमरूमध्य का तटीय देश केवल ईरान ही नहीं है। ओमान भी इसका एक तटीय देश है। हाल के घटनाक्रमों में ईरान की बढ़ती सैन्य शक्ति के प्रदर्शन के बाद, अब खाड़ी के अरब देश ईरान की सैन्य ताकत से खतरा महसूस कर रहे हैं।

## सफेद चादरों ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

सदस्य ने इसकी ज़िम्मेदारी ली है। इससे स्पष्ट है कि मोदी सरकार में जवाबदेही का अभाव है। सोनम वांगचुक को जिस तरीके से धरना स्थल से हटाया गया, उससे शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान की भूमिका तथा मोदी सरकार की कथित अलोकतांत्रिक कार्यप्रणाली संसद में प्रमुख मुद्दा बन सकती है। संसद की कार्यवाही प्रभावित होने की आशंका है। साथ ही, प्रदर्शनकारियों को संसद के निकट पहुंचने से रोकने के लिए जंतर-मंतर और संसद के बीच के मार्ग पर भारी पुलिस बल तैनात किए जाने की संभावना भी जताई गई है। भले ही जंतर-मंतर और संसद के बीच की भौतिक दूरी बहुत कम हो, लेकिन मोदी सरकार और जनता के बीच बढ़ती राजनीतिक दूरी हर दिन और अधिक गहरी होती जा रही है।

## एनडीए में आना है तो पहले सुनेत्रा पवार ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

लेकिन उन्होंने पार्टी के एनडीए में शामिल होने की अटकलों को खारिज करते हुए कहा, "मीडिया तो पिछले 12 वर्षों से मेरे शपथ ग्रहण और मंत्री पद की भविष्यवाणी करता आ रहा है।" शनिवार को शरद पवार ने भी इन अटकलों को और हवा देते हुए कहा, "अभी इस विषय पर बात करने का समय नहीं है।" राजनीतिक पुनर्संयोजन की चर्चाएं तब तेज हुईं, जब शरद पवार ने हाल ही में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मुलाकात की। इसके अलावा, इस सप्ताह एनसीपी के दोनों गुटों के वरिष्ठ नेताओं ने मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस के साथ देर रात गोपनीय बैठकें भी कीं। एनसीपी (एसपी) की ओर से जयंत पाटिल इस बैठक में शामिल हुए थे।लेकिन सुप्रिया सुले ने स्पष्ट किया कि जयंत पाटिल ने फडणवीस से पार्टी के एक नगर परिषद अध्यक्ष के खिलाफ हुई कार्रवाई के मुद्दे पर चर्चा के लिए विधिवत समय लिया था। इन घटनाक्रमों पर कांग्रेस की भी नजर है। पूर्व केन्द्रीय मंत्री पी. चिदंबरम ने दावा किया कि भाजपा प्रस्तावित परिसीमन विधेयक के समर्थन के लिए एनसीपी (एसपी) और डीएमके का समर्थन हासिल करने की कोशिश कर रही है। इन घटनाओं के बीच, एक व्यक्ति सबसे अधिक असहज बताया जा रहा है। वे हैं, एनसीपी प्रमुख सुनेत्रा पवार। सूत्रों के अनुसार, एनसीपी (एसपी) को एनडीए में शामिल किए जाने की चर्चाओं से वे असहज हैं। जनवरी में अजित पवार की विमान दुर्घटना में हुई मृत्यु के बाद, एनसीपी के भीतर सत्ता संघर्ष और तेज हो गया है। ताजा विवाद इस बात को लेकर है कि पार्टी का एक वर्ग सुनेत्रा और अजित पवार के पुत्र तथा सांसद पार्थ पवार को केन्द्रीय मंत्रिमंडल में शामिल कराने की पैरवी कर रहा है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908